डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार । 05 अक्टूबर 2026 । वर्ष-32, अंक-349, पृष्ठ-12 | आश्विन कृष्ण पक्ष 10, संवत 2083 । डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: 61316/94

मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मेदिनीनगर	गढ़वा
अधिक. 35.4⁰	अधिक. 33.0⁰
न्यून. 22.0⁰	न्यून. 22.0⁰

मुख्यमंत्री से भारतीय महिला हॉकी टीम की झारखंड की खिलाड़ियों ने की मुलाकात

झारखंडी बेटियों ने देश का गौरव बढ़ाया, खेल इतिहास में जुड़ा नया अध्याय

प्रतिभा से खिलाड़ियों ने देश का मान बढ़ाया : सीएम

नवीन मेल संवाददाता

- मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को दी बधाई, मिठाई खिलाकर किया उत्सावर्धन, अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रविवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की झारखंडी खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इन खिलाड़ियों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग एवं दीपिका सोरेंग शामिल थीं। खिलाड़ियों से विधायक कल्पना सोरेन ने भी मिलकर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी खिलाड़ियों से उनके शानदार प्रदर्शन की तैयारियों से संबंधित जानकारी ली और उनके अनुभव के बारे में जाना। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को मिठाई खिला कर इस शानदार उपलब्धि के लिए उनकी हौसला अफजाई की और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।
मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त कर स्वर्णिम सफलता अर्जित करने में झारखंड की खिलाड़ियों का योगदान राज्य व देश के लिए गौरव व सम्मान की बात है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम, अनुशासन और अदम्य जज्बे से देश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि से राज्य के खेल इतिहास में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। इन उपलब्धियों से झारखंड के साथ-साथ देश की युवा पीढ़ी, खिलाड़ियों एवं विशेषकर राज्य की बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी।
मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को आगे भी इसी उत्साह, लगन, परिश्रम व समर्पण के साथ देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है।
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खिलाड़ियों से बेहद आत्मीयता के साथ बात की। उन्होंने एशियन गेम्स के दौरान खिलाड़ियों की दिनचर्या, अभ्यास, खान-पान, आराम और प्रतियोगिता के अनुभवों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने यह भी पूछा कि जापान में खिलाड़ियों का प्रशिक्षण किस प्रकार होता था, वे कितने बजे उठती थीं, कितने बजे अभ्यास करती थीं और लंबे अंतरराष्ट्रीय सफर के दौरान उन्हें किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

शेष पेज 11 पर...

जापान में झारखंड की चार बेटियों ने रचा इतिहास

जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को फाइनल में 1-0 से हराकर 44 वर्षों बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक टीम की कप्तानी झारखंड की बेटी सलीमा टेटे ने की। टीम में झारखंड की निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग भी शामिल रहीं। इस ऐतिहासिक स्वर्णिम उपलब्धि के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी सीधे क्वालीफाई कर लिया है।

झारखंड की बेटियों ने देश-राज्य का नाम रोशन किया, सभी का प्रदर्शन शानदार : कल्पना

गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने भी चारों स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने सबसे पहले सभी खिलाड़ियों को नारियल पानी पिलाया और उनके लंबे सफर के बाद स्वास्थ्य एवं थकान के बारे में जानकारी ली। कल्पना सोरेन ने खिलाड़ियों से बेहद घरेलू और आत्मीय अंदाज में बातचीत की। उन्होंने पूछा कि झारखंड के लोगों को जहां पारंपरिक भोजन पसंद है, वहीं खिलाड़ी स्वयं क्या खाना पसंद करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से उनकी पसंद-नापसंद, खेल यात्राओं और विभिन्न देशों में खेलने के अनुभवों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने खिलाड़ियों से पूछा कि वे अब तक किन-किन देशों में खेल चुकी हैं और वहां का अनुभव कैसा रहा। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने खेल से जुड़े अनुभव भी साझा किए और बताया कि उन्हें स्वयं भी खेलों में रुचि रही है। उन्होंने कहा कि आज देश और राज्य का नाम रोशन करने वाली इन स्टार खिलाड़ियों के साथ समय बिताना उनके लिए खुशी और सम्मान की बात है। कल्पना सोरेन ने चारों खिलाड़ियों के पदकों को भी देखा और उनकी उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों के मैच देखे हैं और सभी ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चारों को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि भविष्य में उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो वे उनसे सीधे संपर्क कर सकती हैं। इस दौरान बातचीत का माहौल बिल्कुल एक मां और बेटियों के बीच होने वाली आत्मीय बातचीत जैसा रहा।

दृष्टिपात

10 जिलों में आज वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट

रांची। झारखंड के 10 जिलों में सोमवार (5 अक्टूबर) को आकाशीय बिजली गिरने (वज्रपात) और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। मौसम विभाग ने इसे लेकर 'येलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, उनमें देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, हजारीबाग, कोडरमा और चतरा शामिल हैं। विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों के लिए आठ अक्टूबर तक 'येलो अलर्ट' जारी किया है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 36.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 17.1 डिग्री सेल्सियस रहा।
राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम तापमान 35.4 और न्यूनतम 22.0 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 35.2 और न्यूनतम 24.0 डिग्री, बोकारो में 32.5 और 23.1 डिग्री तथा चाईबासा में 35.4 और 22.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।
रांची साफ रहा मौसम : रांची और आसपास के इलाकों में रविवार को सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। दिन में धूप के कारण हल्की गर्मी और उमस महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 30.6 और न्यूनतम 19.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आज कल

जिउतिया विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से किशोर की मौत

नवीन मेल संवाददाता

- मां के साथ तालाब में नहाने गया था राकेश, गहरे पानी में डूबा, अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटीन गांव स्थित गुलहरिया तालाब-आहार में रविवार को जिउतिया विसर्जन और नहाने के दौरान डूबने से 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी उपेंद्र गुप्ता के पुत्र राकेश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राकेश अपनी मां के साथ जितिया विसर्जन के लिए तालाब गया था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में डूब गया। कुछ देर बाद उसकी खोजबीन शुरू की गई और उसे तालाब से बाहर निकाला गया। परिजन उसे छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राकेश दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। घटना की सूचना पर छतरपुर पुलिस ने मौके और अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी पर प्राथमिकी

नवीन मेल संवाददाता

- रूपी सोरेन को लेकर वायरल कथित बयान पर श्रवण सिंह खरवार की शिकायत, रंका थाना में एससी/एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस

रंका। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन को लेकर गढ़वा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रंका थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। श्रवण सिंह खरवार की शिकायत पर पुलिस ने विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।रंका थाना प्रभारी विष्णुकांत के अनुसार, श्रवण सिंह खरवार द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर सत्येंद्र नाथ तिवारी के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट समेत अन्य सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता श्रवण सिंह खरवार ने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने रूपी सोरेन को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की है। शिकायत के साथ सामने आए वीडियो और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान वायरल वीडियो की सत्यता, उसके संदर्भ और शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल की जाएगी। जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डाक-पार्सल वाहन में छिपाकर ले जाई जा रही अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद

नवीन मेल संवाददाता

- बिहार का अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार

चतरा। चतरा पुलिस ने वाहन जांच के दौरान अंतरराज्यीय शराब तस्करी का खुलासा करते हुए 1,728 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की है। मामले में बिहार के सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र के मढ़ौरा निवासी विकाश कुमार उर्फ विकेश कुमार राय (27) को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर रविवार को जोरी थाना गेट के समीप वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान डाक-पार्सल पिकअप वाहन जेएच10सीडी 8835 को संदेह के आधार पर रोककर तलाशी ली गई। वाहन के पीछे बने कंपार्टमेंट से ऑफिसर्स चॉइस की 200 पेटी शराब बरामद हुई। प्रत्येक पेटी में 180 एमएल की 48 बोतलें थीं। पुलिस ने शराब के साथ रेडमी ए5 मोबाइल फोन और पिकअप वाहन भी जब्त किया है। मामले में वशिष्ठनगर थाना कांड संख्या 135/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव आयोग के आईटी सिस्टम पर पूर्व सांसद ने थाने में की शिकायत

- पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ अजय कुमार ने चुनाव आयोग की डीजी (आईटी) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार ने चुनाव आयोग के आईटी सिस्टम को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए गोलमुरी थाने में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने चुनाव आयोग की डीजी (आईटी) डॉ सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में चुनाव आयोग के तकनीकी तंत्र में कथित अनियमितता, बाहरी आईटी वेंडर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की भूमिका और मतदाता सूची से बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने का आरोप लगाया गया है। डॉ अजय कुमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि ईसीआइनेट और ईआरओनेट जैसे चुनावी सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर देश के चुनावी डेटाबेस को कथित तौर पर एक जगह केंद्रीकृत किया गया। उनका दावा है कि सॉफ्टवेयर लॉक और तकनीकी नियंत्रण के माध्यम से स्थानीय निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) के अधिकारों को सीमित किया गया, जिससे मतदाता सूची के स्थानीय स्तर पर सत्यापन की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

उन्होंने टीसीएस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि निजी आईटी वेंडर के माध्यम से प्रशासनिक प्रक्रियाओं को दरकिनार कर ऑनलाइन फॉर्म-6 सहित मतदाता पंजीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों में कथित बदलाव किए गए।

शेष पेज 11 पर...

संगठनात्मक कार्यक्रम

महुआडांड़ में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा

कार्यकर्ता संवाद से संगठन को मिलेगी मजबूती

- कुरुनद घाटी में जुटे कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत
- नेताओं ने स्थानीय कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। संगठनात्मक कार्यक्रम में शामिल होने और स्थानीय कार्यकर्ताओं से संवाद के लिए शनिवार को महुआडांड़ पहुंचे केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, सांसद कालीचरण सिंह और पूर्व विधायक हरे कृष्ण सिंह का कुरुनद घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्वागत किया। वरिष्ठ नेताओं के आगमन की सूचना पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कुरुनद घाटी में जुटे। नेताओं के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया।
स्वागत कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं ने नेताओं का अभिनंदन किया। पार्टी के विभिन्न मंडलों और स्थानीय इकाइयों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। नेताओं के आगमन को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के क्षेत्र में पहुंचने से स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूती मिलती है और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा आती है।

शेष पेज 11 पर...

दुर्घटना संभावित स्थलों का एसडीपीओ ने लिया जायजा, वाहन जांच तेज करने का निर्देश

● छतरपुर क्षेत्र में तेज रफ्तार, नशे में ड्राइविंग, बिना हेलमेट और सड़क पर गलत तरीके से पार्किंग पर कार्रवाई के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने छतरपुर अनुमंडल क्षेत्र के दुर्घटना संभावित और पूर्व में दुर्घटनाएं हो चुके स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क की स्थिति, तीखे मोड़, अंधे क्षेत्र, तेज गति वाले स्थानों और सड़क किनारे अनियमित रूप से खड़े वाहनों से उत्पन्न जोखिम का जायजा लिया। उन्होंने थाना प्रभारियों और पुलिस पदाधिकारियों को ऐसे स्थलों को चिह्नित कर नियमित वाहन जांच करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई का निर्देश दिया।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तेज गति, नशे में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल और खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया। मुख्य सड़क, मोड़, पुल और चौराहे पर यातायात बाधित करने वाले वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सेवानिवृत्त होमगार्ड जवान विनोद दीक्षित को साथियों ने दी भावभीनी

मोहम्मदगंज। भीम बराज और नियंत्रण कक्ष की सुरक्षा में तैनात होमगार्ड जवान विनोद दीक्षित की सेवानिवृत्ति पर रविवार को साथी जवानों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। नियंत्रण कक्ष के समीप बैरक में आयोजित सादे समारोह में जवानों ने उन्हें उपहार भेंटकर सम्मानित किया और स्वस्थ व सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने सभी के प्रति आभार जताया। मौके पर कमलेश सिंह, महेंद्र सिंह, ईश्वरी सिंह, ब्रजेश सिंह, दीपक सिंह, विवेक कुमार सिंह, बिजेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश चौधरी, शिवनाथ यादव समेत अन्य होमगार्ड जवान मौजूद थे।

दस दिनों से ठप पेयजल आपूर्ति आज से बहाल होने की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले दस दिनों से ठप पेयजल आपूर्ति सोमवार से बहाल होने की उम्मीद है। शहरी जलापूर्ति योजना की मोटर में तकनीकी खराबी और इसके बाद केबल जलने से शहर में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई थी। इससे विभिन्न वार्डों के लोगों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने बताया कि रविवार को मोटर और केबल की मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है। सोमवार से सभी वार्डों में जलापूर्ति शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पेयजल संकट को लेकर नगर पंचायत गंभीर है। तकनीकी खराबी के कारण पिछले दस दिनों से आपूर्ति बाधित थी, लेकिन मरम्मत पूरी होने के बाद अब शहरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो लोगों को मारी टक्कर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर छतरपुर थाना क्षेत्र के मसीहानी बाईपास में रविवार को कार की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान बगैया गांव निवासी जालिम भुइयां (62) के रूप में हुई है। घायल संजय यादव (35) का इलाज मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, दोनों बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार (यूपी 67 एम 6009) ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान जालिम भुइयां की मौत हो गई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

अनियंत्रित होकर पलटा ई-रिक्शा आधा दर्जन यात्री घायल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला बाजार क्षेत्र में रविवार सुबह अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पलटने से उसमें सवार करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां बैठी थीं। इसी दौरान चालक ने नियंत्रण खो दिया और 2 वाहन सड़क पर पलट गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन से ओवरलोडिंग तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दैनिक बाजार का पुराना चापानल महीनों से बंद, अतिक्रमण की जद में पहुंचा

● सड़क ऊंची होने के बाद चापानल का हैंडल जमीन से सटने लगा

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। दैनिक बाजार क्षेत्र का पुराना चापानल रखरखाव के अभाव में कई महीनों से बंद है और अब अतिक्रमण की जद में पहुंच गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्टेशन रोड के पीसीसीकरण और किनारे मिट्टी भराई के बाद चापानल को ऊंचा नहीं किया गया। इससे उसका हैंडल जमीन से सटने लगा और आसपास नाली का गंदा पानी जमा होने लगा। धीरे-धीरे इसका उपयोग बंद हो गया। वर्तमान में चापानल के आसपास फुटपाथ पर दुकानें लग रही हैं और उसे ढंक दिया जाता है। इसके बंद होने से आसपास के दूसरे चापानल पर पेयजल के लिए दबाव बढ़ गया है। लोगों ने चापानल को ऊंचा कराने या उखाड़-गाड़ योजना के तहत पुनर्स्थापित कर चालू कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि दैनिक बाजार क्षेत्र के दोनों सोलर जलमीनार और अन्य चापानल खराब होने की स्थिति में यह पुराना चापानल पेयजल संकट में उपयोगी साबित हो सकता है।

पीडीएस दुकानों के औचक निरीक्षण में कई दुकानें बंद मिलीं

नवीन मेल संवाददाता

● निगरानी प्रतिनिधि ने जताई नाराजगी

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद प्रखंड के पूर्व निगरानी समिति अध्यक्ष सह विधायक के निगरानी प्रतिनिधि रामजनम सिंह ने रविवार को विभिन्न पंचायतों में पीडीएस दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई दुकानें बंद मिलीं, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। रामजनम सिंह ने बड़ेपुर, बनियाडीह बराही, दंगवार और बेल विगहा पंचायतों की दर्जनों पीडीएस दुकानों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व के दौरान गरीब और जरूरतमंद लोगों को राशन लेने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी पीडीएस संचालक समय पर दुकान खोलकर पारदर्शिता के साथ खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने दुकानदारों को पहली बार चेतावनी देते हुए कहा कि फिलहाल हिदायत देकर छोड़ा जा रहा है। भविष्य में दुकान बंद मिलने या खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी पाए जाने पर जिला खाद्य आपूर्ति विभाग से लिखित शिकायत कर कार्रवाई कराई जाएगी।

बैरांव पंचायत सचिवालय में पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण शुरू

सैकड़ों किसानों को आधुनिक खेती और बीज उपचार की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की उद्यान विकास योजना के तहत बैरांव पंचायत सचिवालय में पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया आत्मेश कुमार सिंह ने की। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। प्रशिक्षक एवं पूर्व मुखिया अशोक मेहता ने किसानों को आधुनिक कृषि और उद्यानिकी तकनीकों की जानकारी दी। विशेष रूप से बीज उपचार के महत्व, सही विधि, आवश्यक सामग्री और उपचार के बाद बीज की बुआई की प्रक्रिया समझाई गई। किसानों को बीज उपचार की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि वैज्ञानिक तरीके से बीज उपचार करने से फसल को शुरुआती रोगों से बचाने, पौधों की बेहतर वृद्धि और गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलती है। पांच दिनों के दौरान किसानों को बागवानी, पौधरोपण, बीज संरक्षण, फसल प्रबंधन और अन्य तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में पैक्स संघ के जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा, रवि शंकर मेहता, उमेश कुमार मेहता, सुजीत मेहता, राकेश कुमार मेहता सहित बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

24 घंटे में दो नाबालिग छात्राएं बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू)। हरिहरगंज पुलिस ने घर से गायब दो नाबालिग छात्राओं को 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। मामले में नामजद दोनों आरोपियों प्रियांशु मौर्य, निवासी टंडवा रोड सतगावां और सुजीत कुमार चौधरी, निवासी अररुआ खुर्द को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर तकनीकी अनुसंधान शुरू किया गया था। साइबर सेल की मदद से मिले लोकेशन के आधार पर एक छात्रा को गया और दूसरी को बारूण से बरामद किया गया। दोनों की बरामदगी के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने पिछले दिनों घर से गायब दो महिलाओं को भी बरामद किया है। इनमें अररुआ खुर्द की 44 वर्षीय महिला को जम्मू-कश्मीर के कठुआ और सरसोत पंचायत के दूबरीडीह की 30 वर्षीय महिला को औरंगाबाद जिले के मदनपुर से बरामद किया गया।

भीमचूल्हा में जिउतिया पारण के लिए जुटीं माताएं, सुनी जीमूतवाह

मोहम्मदगंज। ऐतिहासिक पर्यटक स्थल भीमचूल्हा परिसर में रविवार को जिउतिया व्रत के पारण को लेकर आसपास के कई गांवों की माताओं की भीड़ जुटी। व्रती महिलाओं ने कोयल नदी में स्नान कर भगवान जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना की और व्रत की कथा सुनी। व्रतधारियों को पुजारी गंगा तिवारी ने कथा सुनाई। सतबहिनी, नौगढ़, कादल, राणाडीह, सोनबरसा और शिलापर सहित आसपास के गांवों से महिलाएं पहुंचीं। स्नान, दान और पूजा-अनुष्ठान के बाद महिलाओं ने प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण किया। पुजारी ने बताया कि महाभारत काल से जुड़ी मान्यता के कारण भीमचूल्हा क्षेत्र धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। करीब पांच वर्ष पूर्व स्थल को पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित किया गया। पार्क, वॉच टावर और मोटर बोट की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे यह स्थल धार्मिक आस्था के साथ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना है।

देवी मंदिर हैदरनगर के शारदीय मेले में रेल फाटक बनेगा बड़ी चुनौती

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। सिद्धपीठ देवी मंदिर में शारदीय मेला की तैयारी शुरू हो गई है। मेला शुरू होने में कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन हैदरनगर रेल फाटक पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण अब तक शुरू नहीं हो सका है। इससे मेले के दौरान श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हैदरनगर स्टेशन परिसर के समीप रेल फाटक संख्या 50 बीटी से होकर बड़ी संख्या में लोगों और वाहनों का आवागमन होता है। ट्रेनों के परिचालन के दौरान फाटक लंबे समय तक बंद रहने से सड़क पर जाम की स्थिति बनती है। मेला, पर्व और लगन के दौरान समस्या और बढ़ जाती है। फाटक के समीप सरकारी अस्पताल होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरओबी निर्माण को लेकर पिछले कई वर्षों से मांग उठती रही है। रेलवे की ओर से डीपीआर तैयार करने की बात कही जाती रही है, लेकिन निर्माण की दिशा में अब तक ठोस पहल नहीं हुई। वैकल्पिक रूप से अंडरपास और रेलवे ट्रैक के किनारे सड़क निर्माण का प्रस्ताव भी सामने आया था, लेकिन उस पर भी काम शुरू नहीं हुआ है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अंकू सिंह राणा ने इस समस्या को लेकर रेल महाप्रबंधक हाजीपुर और मंडल रेल प्रबंधक से जानकारी मांगी थी। लोगों ने मेला शुरू होने से पहले रेल प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जाम की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

पलामू के दो ज्योतिषाचार्य सम्मानित

● रविरंजन प्रभु को 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' अवार्ड, आशीष को 'ज्योतिषी भूषण' सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 3 और 4 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष महासम्मेलन में पलामू के दो ज्योतिषाचार्यों को सम्मानित किया गया। 'जीवन रेखा ज्योतिष शोध केंद्र' के तत्वावधान में आयोजित 'ज्योतिष समागम एवं दैवज्ञ सम्मान समारोह' में ज्योतिषाचार्य रविरंजन प्रभु को 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' अवार्ड, मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। वहीं आशीष को ज्योतिष शास्त्र में योगदान के लिए 'ज्योतिषी भूषण अवार्ड' से सम्मानित किया गया। सम्मेलन के शोध सत्र में रविरंजन प्रभु ने 'मांगलिक भंग योग' विषय पर शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने मांगलिक दोष और उसके भंग योग से जुड़े विभिन्न पक्षों पर अपनी बात रखी। दोनों ज्योतिषाचार्यों ने सम्मान को पलामू और वैदिक ज्योतिष परंपरा के लिए उपलब्धि बताया।

काली कंबल वाले बाबा के शिविर में उमड़ी भीड़, कमलेश सिंह ने लिया आशीर्वाद

नवीन मेल संवाददाता

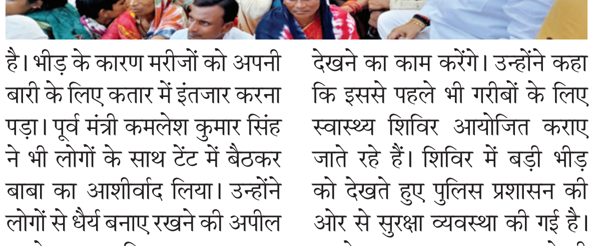

हुसैनाबाद। कर्पूरी मैदान में काली कंबल वाले बाबा के सानिध्य में चल रहे निःशुल्क आरोग्य शिविर के चौथे दिन रविवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही मरीजों और उनके परिजनों की भीड़ लगी रही। झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार और अन्य राज्यों से भी लोग शिविर में पहुंचे। आयोजन पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह और युवा नेता सूर्या सिंह की ओर से कराया जा रहा है। शिविर के साथ प्रतिदिन शाम 6 से रात 9 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन भी हो रहा है। भीड़ के कारण मरीजों को अपनी बारी के लिए कतार में इंतजार करना पड़ा। पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने भी लोगों के साथ टेंट में बैठकर बाबा का आशीर्वाद लिया। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि बाबा 8 अक्टूबर तक शिविर में रहेंगे और मरीजों को देखने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी गरीबों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराए जाते रहे हैं। शिविर में बड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आयोजन 8 अक्टूबर तक चलने की बात कही गई है।

हथिया नक्षत्र में बारिश नहीं होने से धान उत्पादन को लेकर बढ़ी किसानों की चिंता

हथिया नक्षत्र की बारिश फसल के दाने भरने में सहायक : किसान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज (पलामू)। जुलाई-अगस्त में अच्छी और सितंबर में औसत बारिश से इस वर्ष बेहतर धान उत्पादन की उम्मीद जगी थी। लेकिन हथिया नक्षत्र में अब तक बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि धान की बालियां निकलने के समय हथिया नक्षत्र की बारिश फसल के दाने भरने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसान रामजन्म राम सहित अन्य किसानों ने बताया कि जून में कम बारिश हुई थी। इसके बाद लगातार बारिश से धान की रोपनी अच्छी हुई और फसल की स्थिति भी बेहतर रही। अब हथिया नक्षत्र में बारिश नहीं होने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। किसानों के अनुसार हथिया की बारिश से खेतों में नमी बनी रहने के साथ धान के दाने पुष्ट होते हैं। बारिश नहीं होने पर खासकर मैदानी और नहरी क्षेत्रों में लगी धान की फसल को नुकसान हो सकता है।

अरहर की फसल को फायदा, धान के लिए बारिश का इंतजार

किसानों ने कहा कि लगातार बारिश के कारण अरहर की फसल के लिए स्थिति बेहतर बनी है, लेकिन धान की अच्छी पैदावार के लिए अब भी बारिश की जरूरत है।

कुंड मोहल्ले में जमीन पर कब्जे के प्रयास का आरोप

पिस्तौल दिखाकर धमकी देने की शिकायत

- पुलिस के अनुसार हथियार लहराने वाला आरोपी फरार, शिकायत पर शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के कुंड मोहल्ले में जमीन पर कब्जा करने के प्रयास और विरोध करने पर पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मामले में अभिषेक सहाय के लिखित आवेदन पर शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि पिस्तौल लहराने का आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने भी प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि की है। प्राथमिकी के अनुसार कुंड मोहल्ले में खाता संख्या 1256, 1257, 1258 और 1259 की जमीन पर शिकायतकर्ता ने अपना दावा किया है। आवेदन में कहा गया है कि उक्त जमीन वर्ष 1934 में पूर्वज युगल किशोर लाल उर्फ युगल किशोर सहाय को बंदोबस्त हुई थी। इसके बाद से जमीन पर परिवार का कब्जा रहने की बात कही गई है। पारिवारिक बंटवारे में जमीन कमल किशोर सहाय के हिस्से में आई। बाद में निबंधित दस्तावेज के माध्यम से उनके भवह क्षमा प्रिया, पति अरविंद सहाय के नाम जमीन बिक्री किए जाने का उल्लेख आवेदन में है। आरोप है कि क्षतिग्रस्त चहारदीवारी के निर्माण के लिए जमीन पर निर्माण सामग्री गिराकर काम शुरू कराया गया था। इसी दौरान सुनील कुमार गुप्ता उर्फ बब्लू गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता समेत अन्य लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए काम रुकवा दिया। आवेदन में जमीन के फर्जी कागजात तैयार करने और वहां से चले जाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के अनुसार शिकायतकर्ता के 85 वर्षीय पिता के साथ भी धमकी देने का आरोप है। । वहीं, घटना के दौरान पिस्तौल दिखाकर शिकायतकर्ता और उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि जमीन विवाद को लेकर पूर्व में अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर मेदिनीनगर के समक्ष प्रक्रिया चली थी, जिसमें शिकायतकर्ता के पक्ष में निर्णय होने की बात कही गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

खनवा में जमीन विवाद सुलझाने को हुई पंचायत, नहीं निकला समाधान

- 30 लाख रुपये के जमीन सौदे में 20 लाख अग्रिम देने का दावा, रजिस्ट्री नहीं होने से बढ़ा विवाद

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के खनवा गांव में जमीन विवाद के समाधान को लेकर रविवार को पंचायत बैठक हुई। इसमें दोनों पक्षों के लोग, अधिवक्ता और स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। काफी देर तक चली चर्चा और मध्यस्थता के बाद भी दोनों पक्षों के बीच अंतिम सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद जल्द ही दोबारा पंचायत बैठक बुलाने पर सहमति बनी। जानकारी के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को अनारवा देवी, जीतन महतो और नरेंद्र कुमार मेहता के बीच पैतृक जमीन और अर्धनिर्मित मकान के संबंध में 30 लाख रुपये में एग्रीमेंट हुआ था। दावा है कि सौदे के तहत 20 लाख रुपये अग्रिम दिए गए थे। इकरारनामे में दो महीने के भीतर जमीन की रजिस्ट्री कराने की बात तय थी। निर्धारित अवधि में रजिस्ट्री नहीं होने के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। मामला बढ़ने के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय और न्यायालय तक पहुंचा। रविवार को स्थानीय स्तर पर पंचायत के माध्यम से विवाद सुलझाने का प्रयास किया गया। बैठक में दोनों पक्षों ने अपने-अपने दावे और दस्तावेज प्रस्तुत किए। जीतन मेहता ने कहा कि एग्रीमेंट में रजिस्ट्री के लिए निर्धारित दो महीने की अवधि समाप्त हो चुकी है। पंचों और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने जमीन के दस्तावेज और एग्रीमेंट की शर्तों पर चर्चा करते हुए आपसी सहमति से समाधान निकालने का प्रयास किया, लेकिन कोई सर्वमान्य निर्णय नहीं हो सका। अंततः दोनों पक्षों की सहमति से अगली पंचायत बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में अधिवक्ता लक्ष्मण सिंह, नरेंद्र मेहता, अरविंद महतो, सहदेव महतो, रामाशीष महतो, अधिवक्ता वीरेंद्र प्रसाद, जीतन मेहता, विजय मेहता, दिनेश्वर मेहता और अजय मेहता समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

दुर्गा पूजा में शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। दुर्गा पूजा को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी अशोक पासवान, पुअनि रमाकांत गुप्ता व राजा दिलावर, अंचल निरीक्षक एके सिंह तथा नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा समेत अन्य मौजूद थे।

बैठक में पूजा समितियों से लाइसेंस लेने और विसर्जन के दौरान निर्धारित रूट चार्ट का पालन करने की अपील की गई। पूजा पंडालों में अग्निशमन यंत्र रखने और बिजली का सावधानीपूर्वक उपयोग करने का निर्देश दिया गया।

एसडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की नजर है और ऐसे लोगों को चिन्हित कर नोटिस दिया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाएगी। एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा पंडालों के आसपास पुलिस वर्दी और सादे लिबास में तैनात रहेगी।

सदर थाना प्रभारी ने पूजा समितियों के पदाधिकारियों के नाम, पता और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में सरयू प्रसाद सिंह, असीम कुमार बाग, ललित पांडेय, सुनील कुमार शौंडिक, रंजीत कुमार, चंदन कुमार, विष्णु कुमार, रितेश कुमार निक्कू, शंभू प्रसाद, सुशील यादव, रामदयाल उरांव, रामेश्वर सिंह, पिंटू रजक, मनोज दास, जयराज कपूर, आजाद खान, नसीम अंसारी, मुख्तार अंसारी, तनवीर अंसारी समेत अन्य मौजूद थे।

दुर्गापूजा को लेकर एसडीओ ने जारी किए सुरक्षा व विधि-व्यवस्था के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दुर्गापूजा के दौरान शांति, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मेदिनीनगर ने अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों, अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पंडालों और मेला क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

निर्देश में कहा गया है कि पूजा पंडालों के निर्माण में नायलॉन, सिंथेटिक और अन्य ज्वलनशील सामग्री का उपयोग नहीं किया जाए। पंडालों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई तथा पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग, पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रवेश व्यवस्था तथा स्वयंसेवकों की तैनाती की जाए। स्वयंसेवकों की सूची मोबाइल नंबर के साथ संबंधित थाना प्रभारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

सभी छोटे-बड़े पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उनकी लगातार निगरानी करने को कहा गया है। निर्बाध बिजली के लिए इन्वर्टर या जनरेटर की व्यवस्था तथा प्रत्येक पंडाल में फर्स्ट एड किट रखने का निर्देश दिया गया है। नजदीकी अस्पतालों से समन्वय स्थापित कर जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया है।

अग्नि सुरक्षा को लेकर पंडालों में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण रखने और उनकी वैधता की जांच करने का निर्देश दिया गया है। आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड के लिए आवागमन मार्ग सुगम रखने तथा पंडाल और मेला क्षेत्र के आसपास पार्किंग की व्यवस्था पहले से चिन्हित करने को कहा गया है।

पूजा समितियों से सीसीटीवी, ड्रोन कैमरा समेत आवश्यक सुरक्षा उपायों के संबंध में अंडरटेकिंग लेने का भी निर्देश दिया गया है। पंडालों में सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली की व्यवस्था करने तथा पुलिस की अपील और जरूरी सूचनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए सूचना बोर्ड लगाने को कहा गया है।

निर्देश में छिनतई और पॉकेटमारी जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों और संभावित स्थानों को चिन्हित कर निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। पंडाल या उसके आसपास आपत्तिजनक वस्तु रखकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश पर भी विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

सभी थाना प्रभारियों और संबंधित पदाधिकारियों को समय पर शांति समिति की बैठक कराने तथा सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है। आपत्तिजनक, भ्रामक, उत्तेजक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ बीएनएस, 2023 और अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

चिकित्सा विभाग को सभी पूजा पंडाल समितियों से समन्वय कर आवश्यकता के अनुसार एंबुलेंस और मेडिकल टीम उपलब्ध कराने को कहा गया है। नगर निगम, बिजली, अग्निशमन, पेयजल एवं स्वच्छता समेत संबंधित विभागों को भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

'शिक्षक का सम्मान, शिक्षा का उत्थान' कार्यक्रम में शामिल हुए एनपीयू के कुलपति

- शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों और सुधार के उपायों पर हुआ मंथन, शिक्षकों के योगदान को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। 'शिक्षक का सम्मान, शिक्षा का उत्थान' विषय पर रविवार को जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रम में नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, प्रोफेसर, शोधार्थी और रिसर्च स्कॉलर शामिल हुए। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों की भूमिका, उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति, शोध कार्य और शिक्षा व्यवस्था के सामने मौजूद चुनौतियों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। शिक्षाविदों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है और बदलते समय के अनुरूप शिक्षण व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाने की जरूरत है।

कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं की पहचान के साथ उनके व्यावहारिक समाधान पर भी चर्चा हुई। विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शिक्षाविदों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विषय पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

एनपीयू कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में संवाद और विचार-विमर्श को उपयोगी बताते हुए शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का आयोजन स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट और नेचर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. एंजिला गुप्ता, विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्रभूषण शर्मा समेत अन्य शिक्षाविद मौजूद रहे।

सिमरिया में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्ती, चार प्रवेश द्वारों पर लगाए गए बैरियर

सिमरिया (चतरा)। सड़क सुरक्षा को लेकर सिमरिया एसडीओ प्रदीप कुमार महतो ने सख्ती शुरू की है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में कोयला वाहनों की आवाजाही के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। आम लोगों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक भारी वाहनों की नो एंट्री लागू है। नो एंट्री के पालन के लिए चार प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बैरियर लगाए गए हैं। इनमें एनएच-22 पर जबड़ा के पास, एनएच-522 के हजारीबाग रोड में सिंघम होटल के पास, चतरा रोड में कर्बला मैदान और सिमरिया-टंडवा रोड में डाड़ी शामिल हैं। एसडीओ ने कहा कि नो एंट्री के दौरान नियम तोड़ने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जाएगी। शाम 7 बजे नो एंट्री खुलने के बाद तेज गति से वाहन चलाने से दुर्घटना और जाम की स्थिति बनती है। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की अपील की।

महुआडांड़ पहुंचे सांसद कालीचरण सिंह, दुर्गाबाड़ी में की पूजा-अर्चना

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। चतरा लोकसभा सांसद कालीचरण सिंह दो दिवसीय दौरे पर महुआडांड़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लोगों को समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल का भरोसा दिया।

शनिवार सुबह सांसद दुर्गाबाड़ी पूजा स्थल पहुंचे और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। उनके साथ पूर्व विधायक हरे कृष्ण सिंह, लातेहार जिला अध्यक्ष बंसी यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष राजधानी यादव समेत सेवा संकल्प यात्रा से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूजा के बाद सांसद ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के साथ दुर्गाबाड़ी परिसर की साफ-सफाई की। हाथों में झाड़ू लेकर उन्होंने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और लोगों से धार्मिक स्थलों के साथ आसपास के क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने की अपील की। महुआडांड़ पहुंचने पर हिंदू महासभा के अध्यक्ष मनोज कुमार जायसवाल ने सांसद को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष दुर्गापूजा के दौरान 19 अक्टूबर को डांडिया नृत्य, 20 अक्टूबर को रावण दहन और 21 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन का कार्यक्रम निर्धारित है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि भुनेश्वर सिंह, मंडल अध्यक्ष अमित उर्फ भोलटू कुमार जायसवाल, अनुमंडल सांसद प्रतिनिधि संजय कुमार जायसवाल, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता, बृजमोहन प्रसाद जायसवाल, प्रशांत सिंह, आनंद किशोर, नाथ शाह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे।

कलश स्थापना के साथ 16 दिवसीय शारदीय पूजन शुरू

- मां उग्रतारा नगर भगवती मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुई विशेष पूजा, श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। नगर ग्राम स्थित प्रसिद्ध मां उग्रतारा नगर भगवती मंदिर में मां अष्टादशभुजा की कलश स्थापना के साथ रविवार से 16 दिवसीय शारदीय पूजन महोत्सव शुरू हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ मां मातेश्वरी की विशेष आराधना शुरू की गई। कलश स्थापना के बाद मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूब गया।

मंदिर की परंपरा के अनुसार विशेष पोथी के माध्यम से मां भगवती की पूजा-अर्चना शुरू की गई। शारदीय पूजन के दौरान दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर के सेवायत सह मुंतजिमकार पंडित गोविंद बल्लभ मिश्र ने बताया कि मां उग्रतारा के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना पूरी होती है। श्रद्धालु मनोकामना लेकर मां के चरणों में फूल अर्पित करते हैं और फूल गिरने को मां की स्वीकृति का संकेत मानते हैं।

मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार के ज्ञापांक 502, दिनांक 18 सितंबर 2026 के निर्देश के अनुसार बकरे की बलि देने वाले श्रद्धालु को पूजा और बलि प्रक्रिया पूरी होने के बाद बकरे की मुंडी वापस कर दी जाएगी। पंडित गोविंद बल्लभ मिश्र ने श्रद्धालुओं से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और पूजा के दौरान अनुशासन बनाए रखने की अपील की।

जेएलकेएम ने चंदवा प्रखंड कमेटी की घोषणा की

- पंचायत और बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी नवनियुक्त पदाधिकारियों को

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय कमेटी के निर्देश पर रविवार को पथ निर्माण विभाग के विश्रामागार परिसर में प्रखंड स्तरीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुदामा प्रसाद ने की। इसमें प्रखंड और पंचायत स्तर पर संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद प्रखंड कमेटी की घोषणा की गई। सुदामा प्रसाद को प्रखंड अध्यक्ष, शिव शंकर प्रजापति और पुरण महतो को उपाध्यक्ष, प्रदीप कुमार साहू और गोपाल प्रजापति को महासचिव तथा अंकित लोहरा और भरत प्रजापति को सचिव बनाया गया। प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कि शेष पदाधिकारियों की घोषणा अगली बैठक में की जाएगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा पंचायत और बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई। जल्द ही पंचायत और ग्राम स्तर पर कमेटियों का विस्तार करने की बात कही गई। बैठक में पलामू प्रमंडल उपाध्यक्ष पप्पू यादव, जिला उपाध्यक्ष चंदन बड़ाईक, जितेंद्र सिंह, विकास भगत, जावेद खान, नासरीन खातून समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सेवा संकल्प अभियान के यात्रियों का दुबियाखाड़ में स्वागत

जशपुर से वाराणसी की सेवा यात्रा पर निकले यात्रियों का पलामू में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी तक की यात्रा पर निकले सेवा यात्रियों का पलामू की धरती पर स्वागत किया गया। राजा मेदिनीराय चौक, दुबियाखाड़ में पलामू भाजपा के कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत और अभिनंदन किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत निकली यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए वाराणसी पहुंचेगी। यात्रा के दौरान सेवा, सामाजिक सरोकार और जनसंपर्क से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवा यात्रियों के पलामू पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। राजा मेदिनीराय की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने यात्रियों से मुलाकात की और उनकी यात्रा की जानकारी ली। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सेवा और समाज के प्रति समर्पण की भावना से निकली ऐसी यात्राएं लोगों को सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूक करने का काम करती हैं। दुबियाखाड़ स्थित राजा मेदिनीराय चौक पर हुए स्वागत कार्यक्रम में भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही। कार्यकर्ताओं ने सेवा यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और अभियान की सफलता की कामना की। सेवा संकल्प अभियान से जुड़े यात्रियों ने भी पलामू में मिले स्वागत के प्रति आभार जताया। इसके बाद यात्रा अपने निर्धारित मार्ग से वाराणसी के लिए आगे रवाना हुई।

दृष्टिपात

मां दुर्गा की पूजा में किन्नर समाज ने दिया 5,100 रुपए का सहयोग

चिनिया। बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर के दुर्गा मंडप में रविवार को गढ़वा मंगलमुखी किन्नर समाज की ओर से दुर्गा पूजा समिति को 5,100 रुपये की सहयोग राशि दी गई। राधा गुरु के नेतृत्व में समाज के सदस्य पूजा मंडप पहुंचे और आयोजन में सहयोग किया। राधा गुरु ने कहा कि कई वर्षों से चिनिया पहुंचकर दुर्गा पूजा में सहयोग करने की इच्छा थी, जो अब पूरी हुई। उन्होंने कहा कि मंगलमुखी किन्नर समाज जरूरतमंद और गरीब परिवारों की मदद के लिए आगे आता रहा है। बेटी की शादी, बच्चों की पढ़ाई या बीमारी जैसी जरूरतों में समाज अपनी क्षमता के अनुसार सहायता करता है। उन्होंने जरूरतमंद लोगों से किसी भी परेशानी में समाज के सदस्यों के माध्यम से संपर्क करने की अपील की। मौके पर दुर्गा पूजा समिति के राकेश तूरी, उमेश सिंह, अशोक प्रसाद गुप्ता, दीपक प्रसाद, रामप्रवेश रवि, अरविंद प्रसाद गुप्ता, रामाशंकर प्रसाद, गणेश साह, रामलाल शाह और भोले शंकर प्रसाद शाह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

खरौंधी में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की तैयारी तेज

खरौंधी (गढ़वा)। खरौंधी प्रखंड मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए 12 अक्टूबर को भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी के लिए गांव-गांव जाकर आमंत्रित किया जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम में भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। झामुमो नेता ताहिर अंसारी और जिला परिषद सदस्य सह झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य धर्मराज पासवान सहित अन्य जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को मझिगावां गांव में ग्रामीणों को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। आयोजकों के अनुसार, प्रखंड मुख्यालय में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। प्रतिमा के माध्यम से समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के उनके विचारों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

चमत्कारी इलाज के दावों की जांच हो, हुसैनाबाद को स्थायी स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिए : कर्नल संजय सिंह

हुसैनाबाद (पलामू)। जपला में आयोजित काली कंबल वाले बाबा के आरोग्य शिविर को लेकर कर्नल (डॉ.) संजय कुमार सिंह ने उपचार संबंधी दावों, मरीजों को दी जा रही दवाओं और उनके कर अनुपालन की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, हृदय रोग, बीपी, लकवा और सुनने-बोलने में असमर्थता जैसी बीमारियों को कंबल ओढ़ाकर ठीक करने के दावों के वैज्ञानिक प्रमाण सार्वजनिक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि भीड़, मरीजों का अनुभव या तत्काल राहत को स्थायी उपचार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कर्नल सिंह ने दवाओं, चूर्ण और तेल के घटक, निर्माता, निर्माण लाइसेंस, बैच नंबर, समाप्ति तिथि और आवश्यक अनुमतियों की जांच की मांग की। उन्होंने अधिकृत औषधि निरीक्षक से नमूने लेकर मान्य प्रयोगशाला में परीक्षण कराने तथा दवाओं की कीमत, बिल और वास्तविक वसूली की भी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि जहां जीएसटी या अन्य कर लागू हों, वहां पंजीकरण, बिल और कर भुगतान का सत्यापन संबंधित विभाग करे। उन्होंने चमत्कारिक उपचार संबंधी दावों और दवाओं की वैधता की जांच की मांग करते हुए लोगों से निर्धारित इलाज बंद नहीं करने की अपील की। कर्नल सिंह ने हुसैनाबाद में नियमित डॉक्टर, दवाएं, जांच, एंबुलेंस और आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग की।

जहां किताबों के साथ सपनों को मिल रहे पंख हैदरनगर की 'उड़ान' बनी युवाओं का ठिकाना

हैदरनगर। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों का रुख करने वाले हैदरनगर के युवाओं को अब अपने शहर में भी अध्ययन का बेहतर माहौल मिल रहा है। अमित अग्रवाल के मकान में संचालित 'उड़ान लाइब्रेरी' विद्यार्थियों के लिए अध्ययन केंद्र के रूप में पहचान बना रही है। लाइब्रेरी के संस्थापक आर्यन शर्मा के अनुसार, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को शांत और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की गई है। यहां अलग-अलग केबिन, एसी, हाई स्पीड वाई-फाई, सीसीटीवी, आरओ वाटर और इन्वर्टर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। लाइब्रेरी सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होती है। जेपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस और शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी यहां पहुंच रहे हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों का कहना है कि कम खर्च में स्थानीय स्तर पर अध्ययन की सुविधा मिलने से अब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए बाहर जाने की जरूरत कम होगी। सांसद प्रतिनिधि डॉ. अजय जायसवाल, मुकेश कुमार मेहता सहित स्थानीय अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की। उनका कहना है कि ऐसे अध्ययन केंद्र कस्बाई क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने में मददगार हो सकते हैं।

मंडल कारा में डीसी-एसपी की औचक छापेमारी, नहीं मिली प्रतिबंधित सामग्री

जेल के वार्ड, बैरक और अन्य स्थानों की हुई सघन तलाशी

● सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने दिखाई सख्ती

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। विधि-व्यवस्था और जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने शनिवार देर रात गढ़वा मंडल कारा में औचक छापेमारी की। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी पशुपति नाथ मिश्रा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के संयुक्त नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने जेल के विभिन्न वार्डों, बैरकों और अन्य स्थानों की सघन तलाशी ली। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री बरामद नहीं हुई। तलाशी के दौरान जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों से संबंधित व्यवस्थाओं और संभावित प्रतिबंधित वस्तुओं की उपलब्धता की जांच की गई। अधिकारियों ने जेल परिसर की स्थिति को सामान्य और संतोषजनक पाया। अभियान में अपर समाहर्ता विकास कुमार राय, अनुमंडल पदाधिकारी कुमार मयंक भूषण, बीडीओ गढ़वा कुमार नरेंद्र नारायण, अंचल अधिकारी मेराल यशवंत नायक, अंचल अधिकारी गढ़वा ओम प्रियदर्शी गुप्ता, कार्यपालक दंडाधिकारी राजेश कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी श्रीकांत बारहड़े, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आवश्यकता के अनुसार आगे भी तलाशी अभियान जारी रहेंगे

प्रशासन की ओर से बताया गया कि जेल के सभी वार्डों और बंदियों की समय-समय पर तलाशी सुनिश्चित करने का निर्देश पूर्व में भी दिया गया है। इसी क्रम में 3 अक्टूबर की रात विशेष सघन तलाशी अभियान के लिए दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। जिला प्रशासन ने कहा कि जेल की सुरक्षा, अनुशासन और विधि-व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। आवश्यकता के अनुसार आगे भी औचक निरीक्षण और सघन तलाशी अभियान जारी रहेंगे।

चौकी पर सो रहे व्यक्ति को करैत सांप ने डंसा

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के अरंगी गांव में चौकी पर सो रहे 50 वर्षीय रंगीला महतो को करैत सांप ने डस लिया। स्वजन ने उन्हें इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सक के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार रंगीला महतो शनिवार की रात घर में चौकी पर सो रहे थे। रात करीब दो बजे करैत सांप चौकी पर चढ़ गया और उनके बाएं हाथ तथा बाएं कान में डस लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्वजन उन्हें तत्काल सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के बाद चिकित्सकों ने उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई है।

जरूरतमंद मरीज के लिए फैजान आलम ने किया रक्तदान

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर/गढ़वा। रहबर वेलफेयर सोसाइटी गढ़वा और एलईओ क्लब ऑफ गढ़वा ब्लॉसम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जरूरतमंद मरीज के लिए एक यूनिट रक्तदान किया गया। संस्था के सचिव फैजान आलम ने स्वयं रक्तदान कर मरीज की मदद की। जानकारी के अनुसार, रक्त उपलब्ध नहीं होने से मरीज के परिजन परेशान थे। इसकी जानकारी मिलने पर ऊंचरी निवासी आरजू कुरैशी ने संस्था से संपर्क किया। इसके बाद फैजान आलम ने स्वयं रक्तदान करने का निर्णय लिया और एक यूनिट रक्त उपलब्ध कराया। इस पहल की लोगों ने सराहना की। मौके पर आरजू कुरैशी, अलाउद्दीन अंसारी, गुलाम मुस्तफा अंसारी, अख्तर राजा, छोटू कुरैशी, राजा खान, अशद खान (समीर), अमन अंसारी और अरशद अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दुर्गा पूजा में यातायात व्यवस्था को लेकर बस-टेम्पो एजेंटों के साथ बैठक

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। दुर्गा पूजा के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू और सुरक्षित रखने को लेकर रविवार को गढ़वा थाना परिसर में बस और टेम्पो एजेंटों के साथ बैठक हुई। बैठक अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिल्लू लोहरा के नेतृत्व में हुई। इसमें थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी मौजूद रहे। बैठक में एसडीपीओ ने बस और टेम्पो एजेंटों को यातायात नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से शहर में यातायात का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में वाहनों को निर्धारित और व्यवस्थित स्थानों पर ही खड़ा किया जाए, ताकि जाम की स्थिति नहीं बने। यात्रियों को चढ़ाने और उतारने के दौरान भी यातायात बाधित नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों और एजेंटों से आपसी समन्वय बनाकर काम करने की अपील की, ताकि श्रद्धालुओं और राहगीरों को परेशानी न हो। बैठक में एजेंटों ने परिचालन और यातायात से जुड़ी समस्याएं भी रखीं। पुलिस अधिकारियों ने समस्याओं को सुना और उचित स्तर पर समाधान का आश्वासन दिया। पुलिस ने दुर्गा पूजा के दौरान प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी तरह की अफवाह या समस्या की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। यातायात व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाएगी।

बिशुनपुरा में अधूरी सड़क से उड़ रही धूल, राहगीर और दुकानदार परेशान

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। बिशुनपुरा प्रखंड की मुख्य सड़क पर निर्माण कार्य अधूरा छोड़े जाने से राहगीरों और सड़क किनारे के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर गिट्टी और डस्ट बिछाकर काम लंबे समय से अधूरा छोड़ दिया गया है। वाहनों के गुजरने पर धूल का गुबार उठता है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार लगातार उड़ रही धूल से राहगीरों, दुकानदारों और स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है। कई लोगों ने खांसी, सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन की शिकायत की है। सड़क किनारे की दुकानों और घरों में धूल की परत जमने से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। खासकर खाने-पीने की दुकानों में सामान खराब होने से दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों और व्यवसायियों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव नहीं कराया जा रहा है। उनका कहना है कि रोजाना पानी का छिड़काव होने से धूल से काफी हद तक राहत मिल सकती है। शशि गुप्ता, विकास शर्मा, अनिल पाल, इंद्रदेव पाल और विक्रम ठाकुर समेत अन्य लोगों ने सड़क निर्माण जल्द पूरा कराने और नियमित पानी का छिड़काव कराने की मांग की है।

एनएच-343 पर पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रंका। थाना क्षेत्र के एनएच-343 स्थित भदुआ मुख्य सड़क पर रविवार दोपहर करीब 1 बजे अज्ञात पिकअप की टक्कर से बाइक सवार शंकर उरांव की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार कुंदन उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक जयनगर बुड़ीवीर का निवासी बताया गया है। जानकारी के अनुसार शंकर उरांव और कुंदन उरांव किसी काम से भदुआ फुआ गए थे। दोनों बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान भदुआ मुख्य सड़क के पास अज्ञात पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में शंकर उरांव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुंदन उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रंका थाना पहुंचाया। अज्ञात पिकअप की पहचान और तलाश की जा रही है।

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापित करने की मांग, अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिला संयोजक राजा यादव के नेतृत्व में शहर के चिनिया मोड़ पर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने चिनिया मोड़ को शहर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल बताते हुए यहां प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है। जिला संयोजक राजा यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और सेवा का संदेश दिया। प्रमुख स्थल पर उनकी प्रतिमा स्थापित होने से युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा मिलेगी। प्रदेशिक विश्वविद्यालय कार्य संयोजक मंजुल शुक्ल ने कहा कि यह मांग युवाओं की भावना से जुड़ी है। प्रतिमा स्थापित होने से शहर को नई पहचान मिलने के साथ युवाओं को विवेकानंद के विचारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। ज्ञापन में नगर परिषद से आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने, उचित स्थल का चयन करने और प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया गया। मौके पर विभाग संयोजक प्रिन्स सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सचिन चौबे, शुभम तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सेवा संकल्प अभियान के सदस्यों का हुरदाग में स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

रंका। सोनदाग पंचायत स्थित हुरदाग महावीर अखाड़ा में रविवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी जा रहे करीब 50 लोगों का भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने स्वागत किया। अभियान से जुड़े लोगों के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, रंका-गढ़वा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी, पलामू के पूर्व सांसद घूरन राम समेत भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी, संजय सेठ और विष्णु दयाल राम ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ाया। सोनदाग पंचायत की मुखिया रीमा देवी ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी को बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने अभियान से जुड़े लोगों की यात्रा की सफलता की शुभकामना दी।

श्री बंशीधर व्यवसायी संघ का गठन चैंबर चुनाव के बहिष्कार का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। चैंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यप्रणाली और चुनाव प्रक्रिया को लेकर नाराज व्यवसायियों ने रविवार को अलग संगठन बनाने का निर्णय लिया। अनिकेत पैलेस में हुई बैठक में 'श्री बंशीधर व्यवसायी संघ' के गठन पर सहमति बनी। साथ ही आगामी चैंबर चुनाव के बहिष्कार और चैंबर से इस्तीफा देने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता रवि प्रकाश ने की। बैठक में व्यवसायियों ने चैंबर की कथित कार्यप्रणाली, चुनाव प्रक्रिया और निर्णय लेने के तरीके पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नए संगठन में छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े कारोबारी और ठेला-खोमचा संचालकों तक सभी को समान अधिकार और सम्मान दिया जाएगा। व्यवसायियों ने जीएसटी पंजीकृत, बिना जीएसटी वाले और बिना लाइसेंस कारोबार करने वाले व्यवसायियों को भी संघ की सदस्यता तथा चुनाव में भाग लेने का अवसर देने की बात कही। संगठन का कार्यकाल दो वर्ष रखने और एक बार पदाधिकारी बनने के बाद लगातार दूसरी बार चुनाव नहीं लड़ने का प्रस्ताव रखा गया। पदाधिकारियों का चयन प्रत्यक्ष मतदान से कराने और सदस्यता शुल्क 100 रुपये निर्धारित करने पर सहमति बनी। सदस्यता अभियान 7 अक्टूबर 2026 से शुरू करने की घोषणा की गई। पूर्व चुनाव अधिकारी धर्मचंद लाल अग्रवाल ने चैंबर की कार्यप्रणाली और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि नगर को एक सशक्त व्यवसायी संगठन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब उनकी बातों को नहीं सुना जा रहा तो ऐसी व्यवस्था में बने रहने का औचित्य नहीं है। रवि प्रकाश ने व्यवसायियों से मतभेद भुलाकर एकजुट होने की अपील की। शमीम खान ने भी संगठन में सभी व्यवसायियों की भागीदारी और समानता सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में अजीत कुमार, राकेश विश्वकर्मा, आनंद कमलापुरी, विनीत कुमार शरद, महावीर विश्वकर्मा, तौकीर आलम, शैलेन्द्र कुमार, विकास कुमार, अनिल कुमार, धीरज कुमार, अमित पासवान और धनंजय पासवान समेत बड़ी संख्या में व्यवसायी मौजूद थे।

ताली में 26 अक्टूबर से होगा सप्तकुंडी विष्णु महायज्ञ

3 नवंबर को पूर्णाहुति, संगीतमय प्रवचन और रासलीला रहेगी आकर्षण

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड के ताली गांव स्थित पंडा नदी तट पर 26 अक्टूबर से सप्तकुंडी विष्णु महायज्ञ का आयोजन होगा। 3 नवंबर को पूर्णाहुति होगी। महायज्ञ को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। ताली, बक्शीपुर, परसोडीह और सिंहपुर गांव के ग्रामीणों के संयुक्त सहयोग से आयोजन किया जा रहा है। यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष अनुज कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनीष कुमार गुप्ता, सचिव इंद्रदेव गुप्ता और सदस्य शिवबरण साह हैं। मुकुंदपुर पंचायत के मुखिया मूंगा साह और पप्पू राज को संरक्षक बनाया गया है। संरक्षक सह मुखिया मूंगा साह ने बताया कि महायज्ञ श्री श्री 1008 ब्रह्मऋषि योगीराज जंगली बाबा के तत्वावधान में होगा। यज्ञशाला के निर्माण, प्रवेश और निकास द्वार बनाने के साथ रास्ते की साफ-सफाई व मरम्मत का काम चल रहा है। महायज्ञ में भागवताचार्य रामदयाल मणि त्रिपाठी, सुरेश शास्त्री और साधना पांडेय संगीतमय प्रवचन करेंगे। वृंदावन की आंशु महाराज की रासलीला मंडली की ओर से प्रतिदिन शाम रासलीला प्रस्तुत की जाएगी। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से महायज्ञ में शामिल होने की अपील की है।

कुम्भीकोना में करम महोत्सव पारंपरिक नृत्य में झूमे ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

बड़गड़। प्रखंड के कुम्भीकोना गांव में शनिवार को करम महोत्सव पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। स्थानीय सहित आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पर्व मनाया। व्रतधारियों ने जंगल से करम डाली लाकर अखाड़े में स्थापित की और युवतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान कथाकार ने कर्मा-धर्मा की कथा सुनाई और करम पर्व के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। मुख्य अतिथि मेदिनीनगर के मुख्य डाकघर अधीक्षक क्रिस्टोफर तिर्की तथा विशिष्ट अतिथि एएसआई विशुन कुजूर और एएसआई योगेंद्र उरांव उपस्थित थे। ग्राम प्रधान रामदास मिंज ने कहा कि करम पर्व भाई-बहन के प्रेम और आपसी सद्भाव का पर्व है। यह प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। उन्होंने लोगों से पुरखों की विरासत और परंपरा को बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में मांदर की थाप पर पारंपरिक गीत-संगीत और करम नृत्य प्रस्तुत किया गया।

तीन माह बाद खुला अखरा-जगरनाथपुर मार्ग, ग्रामीणों को मिली राहत

● मुखिया मनोज कुमार साहु की पहल पर वन विभाग ने ट्रेंच भरकर बहाल कराया आवागमन

नवीन मेल संवाददाता

कुंदा (चतरा)। प्रखंड के कुंदा पंचायत अंतर्गत अखरा से जगरनाथपुर होते हुए प्रतापपुर जाने वाले बायपास मार्ग पर करीब तीन माह से बाधित आवागमन रविवार को बहाल हो गया। वन विभाग ने पौधारोपण और वन संरक्षण के उद्देश्य से सड़क पर ट्रेंच काट दिया था, जिससे मार्ग से आवागमन पूरी तरह बंद था। इससे अखरा, टिकैतबांध, नावाडीह, टिकुलिया समेत आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को परेशानी हो रही थी।

ग्रामीणों ने समस्या की जानकारी मुखिया सह मुखिया संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार साहु को दी। इसके बाद मुखिया ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर वन विभाग के अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया। मुखिया और ग्रामीणों ने पीसीसीएफ, सीसीएफ, डीएफओ, एसीएफ और रेंजर को आवेदन देकर आवागमन बहाल कराने की मांग की।

लगातार प्रयास के बाद वन विभाग ने जेसीबी से सड़क पर काटे गए ट्रेंच को भरवाकर मार्ग को आवागमन योग्य कराया। मार्ग खुलने के बाद ग्रामीणों ने राहत जताते हुए वन विभाग और मुखिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों ने बताया कि अखरा गांव में लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए सड़क किनारे निजी खर्च से ट्रेंच खोदा गया था। सड़क के दोनों ओर बांस की बल्लियों के सहारे कंटीले तार भी लगाए गए थे। मुखिया ने इसमें आर्थिक सहयोग किया था, जबकि ग्रामीणों ने चंदा और श्रमदान किया। मुखिया मनोज कुमार साहु ने कहा कि वन संरक्षण जरूरी है, लेकिन इसके साथ ग्रामीणों के आवागमन की सुविधा भी बनी रहनी चाहिए। मौके पर उपमुखिया अमलेश भारती, संजय भारती, अजय भारती, वार्ड सदस्य गहन भोक्ता, नगीना सिंह भोक्ता, राजू भोक्ता, बोधि भारती, नारायण भारती, रोहन भारती, अरुण भारती, अजित भारती, सुरेश गंझु, निर्मल गंझु समेत अन्य मौजूद थे।

लातेहार के विवेक उरांव का भारतीय टीम में चयन का रास्ता साफ, गोवा में देंगे ट्रायल

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले के प्रतिभावान एथलीट विवेक उरांव भारतीय टीम के चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए गोवा रवाना हुए। बंबोलिम, उत्तर गोवा में 4 से 8 अक्टूबर तक आयोजित चयन प्रक्रिया में देशभर के प्रतिभावान खिलाड़ियों के बीच भारतीय टीम के लिए चयन होगा।

विवेक खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, लातेहार में प्रशिक्षण ले रहे हैं और 11वीं कक्षा के छात्र हैं। चयन ट्रायल में सफल होने पर उन्हें 3 से 8 दिसंबर 2026 तक ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होने वाले आईएसएफ वर्ल्ड स्कूल गेम्स 2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकता है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स समेत विभिन्न खेलों के मुकाबले होंगे।

प्रशिक्षक आलोक कुमार सिंह ने कहा कि विवेक का चयन ट्रायल के लिए जाना जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि विवेक ने मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास से अपनी प्रतिभा को निखारा है। अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर से आगे अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर मिला है।

उपायुक्त संदीप कुमार ने भी विवेक को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिले के खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय स्तर की चयन प्रक्रिया तक पहुंचना गर्व का विषय है। उन्होंने विवेक से पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई।

विवेक के रवाना होने पर जिला खेल पदाधिकारी अनिमेश त्रिपाठी, प्रशिक्षक आलोक कुमार सिंह, प्रवीण मिश्रा, लखेश्वर मंडल समेत खेलप्रेमियों और जिलेवासियों ने शुभकामनाएं दीं।

गिट्टी पर बाइक फिसलने से घायल सोमर भारती की मौत, परिजनों ने किया सड़क जाम

प्रतापपुर (चतरा)। सड़क पर बिखरी गिट्टी पर बाइक फिसलने से घायल सोमर भारती की इलाज के दौरान मौत के बाद रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने प्रतापपुर महावीर चौक के समीप सड़क जाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि करीब 11 दिन पहले कुबड़ी-लिपता क्षेत्र में सड़क पर गिट्टी गिराकर छोड़ दी गई थी, जिससे बाइक फिसलने के कारण सोमर भारती गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। घायल सोमर भारती का पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां शनिवार को उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए सड़क जाम किया। सूचना पर प्रशासन मौके पर पहुंचा और परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत की। बातचीत के बाद जाम समाप्त कर दिया गया और आवागमन सामान्य हो गया।

दुर्गा पूजा को लेकर चंदवा थाना में शांति समिति की बैठक आज

चंदवा। दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को अपराह्न 3 बजे चंदवा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में पूजा के दौरान शांति एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा आवश्यक सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। पुनि सह थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह ने पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों के अलावा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों से बैठक में शामिल होने की अपील की है।

मनातू से एक टन लोहे की प्लेट लदे टाटा मैजिक जब्त

बारियातू। थाना पुलिस ने मनातू स्थित त्रिवेणी कंपनी की साइडिंग से लोहे की प्लेट चोरी कर ले जा रहे एक टाटा मैजिक वाहन को जब्त किया है। वाहन पर करीब एक टन लोहे की प्लेट लदी थी। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास ने बताया कि त्रिवेणी कंपनी की साइडिंग से लोहे की प्लेट चोरी कर टाटा मैजिक (जेएच 01 एफबी 2091) से ले जाई जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया। मामले में बारियातू थाना कांड संख्या 57/2026, दिनांक 3 अक्टूबर 2026 के तहत बीएनएस की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार्रवाई में थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

हाथियों के झुंड ने पांच एकड़ में लगी धान की फसल रौंदी

बारियातू। प्रखंड क्षेत्र के फूलसु पंचायत अंतर्गत मतकोमा गांव के हेठार टोला में जंगली हाथियों के झुंड ने पांच एकड़ में लगी धान की फसल को नुकसान पहुंचाया। किसानों के अनुसार, 14 हाथियों का झुंड मध्यरात्रि में गांव के पास पहुंचा और खेतों में लगी धान की फसल को खाकर तथा पैरों से रौंदकर बर्बाद कर दिया। भुक्तभोगी किसान कमलेश गंझु, राजमनी देवी, जागृति देवी और कुलदीप गंझु ने बताया कि हाथियों के झुंड के आने से पांच एकड़ में लगी धान की फसल नष्ट हो गई। किसानों ने वन विभाग से नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ढोढ़ी-मधनिया में झूमर की धुन पर झूमे ग्रामीण

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड प्रखंड के ढोढ़ी-मधनिया गांव में आश्विन नवमी के अवसर पर झूमर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पारंपरिक गीत-संगीत के बीच महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने हिस्सा लिया। झूमर की धुन पर ग्रामीण देर तक झूमते रहे। पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति से गांव में उत्सवी माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को लोक संस्कृति और पारंपरिक संगीत से जोड़ने का अवसर मिलता है।

एमएसीटी-एनडीपीएस मामलों में जांच में चूक न हो : शेषनाथ सिंह

● जिला स्तरीय कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों को केस डायरी, साक्ष्य संकलन और जब्ती प्रक्रिया की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। व्यवहार न्यायालय परिसर में रविवार को मोटर वाहन दुर्घटना दावा और स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम से जुड़े मामलों को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों को दोनों तरह के मामलों में अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और न्यायालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष शेषनाथ सिंह ने कहा कि एमएसीटी और एनडीपीएस मामलों में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। सड़क दुर्घटना के मामलों में पीड़ित परिवारों को समय पर न्याय दिलाने के लिए सटीक और त्वरित अनुसंधान जरूरी है। वहीं नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश के लिए एनडीपीएस मामलों में कानूनी प्रक्रिया का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक सह डालसा सदस्य कुमार गौरव ने सड़क दुर्घटनाओं और नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए पुलिस की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मिश्रा ने मोटर दुर्घटना दावा वाद से जुड़े कानूनी पहलुओं की जानकारी दी।

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुनील दत्ता द्विवेदी और जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय दीपक कुमार ने केस डायरी तैयार करने, साक्ष्यों के सही संकलन, एनडीपीएस मामलों में जब्ती की प्रक्रिया और निर्धारित समय पर न्यायालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जानकारी दी। अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार ने मोटर वाहन दुर्घटना दावा से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर जानकारी दी। जिला रोड सेफ्टी मैनेजर तनवीर हुसैन और हेड असिस्टेंट सरोज तेलरा ने सड़क सुरक्षा से संबंधित विषयों पर चर्चा की। कार्यशाला में बीएनएसएस, बीएनएस और बीएसए के प्रावधानों पर भी चर्चा हुई। मौके पर सीजेएम विक्रम आनंद, डालसा सचिव शिवम चौरसिया, जिला अभियोजक शिवशंकर राम, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

संत टेरेसा चर्च ने पूरे किए 50 वर्ष, स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित

चतरा। संत टेरेसा चर्च की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित किया गया। वर्ष 1976 में स्थापित चर्च के समारोह में बिशप आनंद जोजो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशेष प्रार्थना और धार्मिक कार्यक्रम में करीब 2,000 श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। समारोह में चर्च की पांच दशक की यात्रा को याद किया गया और इससे जुड़े धार्मिक सेवकों, सदस्यों तथा सहयोगियों के योगदान को स्मरण किया गया। बिशप आनंद जोजो ने कहा कि धार्मिक आस्था का उद्देश्य मानवता की सेवा, प्रेम, शांति और भाईचारे को बढ़ावा देना होना चाहिए। उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता और मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में चर्च की सेवा, शिक्षा और सामाजिक कार्यों की यात्रा को याद करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे के साथ कांग्रेस सेवा दल ने केंद्र पर साधा निशाना

● चयन सिंह सांवले ने कहा- संविधान की रक्षा के लिए बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करें कार्यकर्ता

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। कांग्रेस सेवा दल ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ राजनीतिक अभियान तेज करने का आह्वान किया है। रविवार को सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में झारखंड प्रभारी चयन सिंह सांवले ने केंद्र सरकार पर संविधान और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संविधान खतरे में है। इस दौरान 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की गई।

जिलाध्यक्ष बृंद बिहारी यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में चयन सिंह सांवले ने कहा कि लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के लिए कार्यकर्ताओं को मजबूती से अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने सेवा दल को बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश स्तर तक मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से होती है।

गांधी जयंती के अवसर पर सत्य और अहिंसा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने को लेकर भी चर्चा हुई। कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति कुजूर ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर मिले निर्देश के तहत कई दिनों तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जिलाध्यक्ष बृंद बिहारी यादव ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए मिले निर्देशों को जिले में धरातल पर उतारा जाएगा। बैठक की शुरुआत महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण से हुई।

मौके पर पलामू की कार्यकारी अध्यक्ष अनीता पाल, महासचिव मो. आरिफ समेत जिला एवं प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ओबीसी अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा झारखंड के तत्वावधान में रविवार को पुलिस लाइन स्थित टाउन हॉल में प्रमंडल स्तरीय ओबीसी जागरूकता सह अधिकार सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में ओबीसी समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और संगठित होने का आह्वान किया गया। जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम निर्धारित करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

सम्मेलन में लातेहार, पलामू और गढ़वा से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई। इसके बाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता रवि भूषण, राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल, प्रदेश अध्यक्ष देवचरण दांगी और जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। मुख्य वक्ता रवि भूषण ने कहा कि ओबीसी समाज को अपने अधिकारों के लिए जागरूक होना होगा। जनगणना में अलग कॉलम नहीं होने से ओबीसी की वास्तविक आबादी का आंकड़ा सामने आने में परेशानी होती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी विकास पटेल ने कहा कि जनगणना में ओबीसी की आबादी का वास्तविक आकलन जरूरी है। उन्होंने अलग कॉलम निर्धारित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि इसी मांग को लेकर 25 अक्टूबर को रांची में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष देवचरण दांगी ने नियोजन में 27 प्रतिशत आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए विधायिका में भी ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की। सम्मेलन को जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद, रमेश गुप्ता, उमेश कुमार सोनी, मोहर यादव समेत अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। मौके पर नीरज भोक्ता, विजय प्रताप भारती, दशरथ ठाकुर, प्रवीण कुमार अग्रवाल, अयोध्या जायसवाल, गोपाल प्रसाद, रवि भूषण कुशवाहा, मनोज चंद्रवंशी, राजू रंजन प्रसाद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

बेंगलुरु से फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

बारियातू। बारियातू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त मनोज कुमार उर्फ मनोज राम को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को न्यायिक हिरासत में लातेहार जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास ने बताया कि टोंटी हेसला गांव निवासी मनोज कुमार उर्फ मनोज राम के खिलाफ बारियातू थाना में 18 मई 2026 को मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को उसके बेंगलुरु में रहने की सूचना मिली थी। एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम गठित कर बेंगलुरु भेजी गई, जहां कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस उसे बारियातू थाना लेकर पहुंची। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कार्रवाई में सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार और पुलिस बल के जवान शामिल थे।

22 वर्षों से लग रहा चटुआग का जिउतिया जतरा, लोक संस्कृति के रंग में रंगा गांव

● मांदर-नगाड़ों की थाप पर झूमे युवक-युवतियां, हजारों ग्रामीणों ने जतरा में लिया हिस्सा

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। कामता पंचायत के आदर्श ग्राम चटुआग में रविवार को ऐतिहासिक जिउतिया जतरा मेला पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजित हुआ। देवीमंडप परिसर में आयोजित जतरा में आसपास के गांवों से हजारों ग्रामीण पहुंचे। दिनभर यहां आस्था, लोक संस्कृति और परंपरा का संगम देखने को मिला।

ग्रामीणों के अनुसार देवीमंडप में जिउतिया के दूसरे दिन विशेष पूजा-अर्चना की परंपरा कई पीढ़ियों पुरानी है। वहीं वर्तमान स्वरूप में जतरा मेला पिछले 22 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है।

पाहन-पुजार के नेतृत्व में देवीमंडप में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा हुई। ग्रामीणों ने क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद जतरा शुरू हुआ।

जतरा का मुख्य आकर्षण आदिवासी लोक संस्कृति रही। मांदर, ढोल और नगाड़ों की थाप पर युवक-युवतियों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य और गीत में ग्रामीण भी शामिल हुए। पूरा देवीमंडप परिसर लोक संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया।

ग्रामीणों ने कहा कि चटुआग का जिउतिया जतरा क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। आधुनिकता के दौर में भी पारंपरिक पूजा, लोक संगीत और सामूहिक सहभागिता ने इसकी पहचान कायम रखी है। जतरा को सफल बनाने में अध्यक्ष जगेश्वर गंझु, सचिव राजेंद्र भगत, जगमोहन गंझु, जगन भगत, महेंद्र गंझु, द्वारिका गंझु, मुखिया नरेश भगत, पंडा मुंडा, संतोष गंझु समेत ग्रामीणों की भूमिका रही।

जिउतिया पर्व पर मेले और झूमर से गुलजार रहा चतरा

चतरा/कान्हाचट्टी/इटखोरी। जीवित्पुत्रिका यानी जिउतिया पर्व पर शनिवार और रविवार को चतरा जिले के विभिन्न हिस्सों में मेले और पारंपरिक झूमर कार्यक्रम आयोजित किए गए। संतान की दीर्घायु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर माताओं ने निर्जला व्रत रखा और रविवार को विधि-विधान से व्रत का पारण किया। सिमरिया, सदर चतरा, इटखोरी और कान्हाचट्टी सहित कई क्षेत्रों में लगे मेलों में महिलाओं और बच्चों की भीड़ रही। मिट्टी के खिलौने, झूले और खान-पान की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ जुटी। कई ग्रामीण क्षेत्रों में ढोल, ढाक और मांदर की थाप पर झूमर कार्यक्रम हुए। प्रशासन की ओर से मेले में सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर निगरानी रखी गई।

जिउतिया पर्व पर पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता रोमी गांव पहुंचे

● झूमर मेले में मांदर की थाप पर झूमे, ग्रामीणों से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

इटखोरी (चतरा)। जिउतिया पर्व के अवसर पर पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता रविवार को रोमी गांव पहुंचे। वे राजद युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष सैनिक कुमार सिंह के आवास पर पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। इस दौरान राजद के जिला अध्यक्ष नागेश्वर यादव, प्रखंड अध्यक्ष जागेश्वर यादव और जिला परिषद सदस्य सरिता देवी भी मौजूद रहीं।

इसके बाद पूर्व मंत्री अपने समर्थकों के साथ शहरजाम स्थित झूमर मेले में पहुंचे। उन्होंने मांदर की थाप पर झूमर में हिस्सा लिया और मेले में मौजूद लोगों से मुलाकात की। बताया गया कि जिउतिया पर्व के अवसर पर पूर्व मंत्री प्रत्येक वर्ष सैनिक कुमार सिंह के घर पहुंचते हैं।

उग्रवादियों से मुठभेड़ में शहीद हुए थे एसपी अजय कुमार सिंह

26वीं पुण्यतिथि पर अजय उद्यान में श्रद्धांजलि सभा, परिजनों को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शहीद अजय कुमार सिंह की 26वीं पुण्यतिथि पर बरवाटोली स्थित अजय उद्यान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शहर के लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद अजय कुमार सिंह के पिता रामश्रय सिंह और परिजनों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद उपायुक्त संदीप कुमार

मीणा, पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी समेत अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी। पुलिस बल की ओर से शहीद को सलामी दी गई। जिला प्रशासन की ओर से शहीद के परिजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अजय कुमार सिंह 4 अक्टूबर 2000 को उग्रवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हुए थे। उनकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष 4 अक्टूबर को शहादत दिवस के रूप में मनाया जाता है। ट्रस्ट के सचिव चंद्रशेखर प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि अजय उद्यान लोहरदगा की सामूहिक कृतज्ञता और श्रद्धा का प्रतीक है। कार्यक्रम में एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, नगर परिषद प्रशासक मुक्ति केरकेट्टा समेत अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

शहीद अजय कुमार सिंह जिला प्रशासन के लिए आज भी प्रेरणा हैं

उपायुक्त संदीप कुमार मीणा ने कहा कि शहीद अजय कुमार सिंह जिला प्रशासन के लिए आज भी प्रेरणा हैं। उनके परिवार के सुख-दु:ख में जिला प्रशासन हमेशा साथ खड़ा रहेगा।

शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता : एसपी

एसपी सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता। उनकी शहादत को हमेशा याद रखा जाएगा और उनके बताए मार्ग पर जिले की शांति और विकास के लिए काम किया जाएगा। शहीद की स्मृतियों को संजोने के लिए 23 सितंबर 2004 को शहीद अजय कुमार सिंह ट्रस्ट का गठन किया गया था। ट्रस्ट शिक्षा, नारी सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता, खेल और सामाजिक सौहार्द के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

भंडरा। थाना क्षेत्र के हाटी अंबेरा गांव में शनिवार देर शाम 17 वर्षीय नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान गांव निवासी स्वर्गीय जितन महतो की पुत्री रूपा कुमारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर भंडरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। ग्रामीणों के अनुसार रूपा घर में अकेली रहती थी, जबकि उसके अन्य स्वजन दूसरे घर में रहते थे। देर शाम तक रूपा के घर से बाहर नहीं निकलने पर ग्रामीणों ने जाकर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था। अंदर रूपा फंदे से लटकी मिली। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- घर के अंदर फंदे से लटका मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

बांडी बगड़ू में झामुमो जिलाध्यक्ष ने लगाया जनता दरबार

नवीन मेल संवाददाता

किस्को/लोहरदगा। किस्को प्रखंड के बगड़ू पंचायत अंतर्गत बांडी गांव में रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से जनता दरबार लगाया गया। इसमें ग्रामीणों ने पेयजल, आवास, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली समेत मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं झामुमो जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के समक्ष रखीं। जिलाध्यक्ष ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर संबंधित लोगों से बात कर समाधान की पहल की। अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर कार्रवाई कराने का भरोसा दिलाया। मोजम्मिल अहमद ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता क्षेत्र में सक्रिय हैं। जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद कर समस्याओं को समझने और उनके समाधान की दिशा में पहल की जा रही है। मौके पर झामुमो महिला जिलाध्यक्ष सह सेन्हा प्रखंड की जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की, नगर अध्यक्ष आकाश साहू, प्रखंड अध्यक्ष विनेश कुमार गुप्ता समेत पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्रद्धा के साथ मनाया गया जिउतिया पर्व

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा (लोहरदगा)। भंडरा क्षेत्र में जिउतिया पर्व श्रद्धा और निष्ठा के साथ मनाया गया। संतान की लंबी आयु, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर सैकड़ों माताओं ने निर्जला उपवास रखकर भगवान जीउतवाहन की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भंडरा बाजारटांड़ मंदिर परिसर समेत प्रखंड के विभिन्न गांवों में व्रतधारी महिलाओं की भीड़ रही। इस दौरान आदिवासी और सदान समुदाय की महिलाओं ने एक साथ पूजा-अर्चना कर सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। रविवार सुबह व्रती महिलाओं ने पारण किया और संतान को जिउतिया धागा पहनाया। भंडरा में पूजा के बाद पंडित आनंद दुबे ने व्रतधारी महिलाओं को जिउतिया व्रत की कथा सुनाई। उन्होंने जीमूतवाहन, चील और सियारिन की कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जिउतिया मां और संतान के अटूट प्रेम, त्याग और ममता का प्रतीक है।

देर रात तक पूजा के बाद हुआ नाच-गान

पूजा और कथा श्रवण के बाद महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीत गाए और ढोल-मांदर की थाप पर नृत्य किया। धनामुंजी और टोटो गांव में रविवार रात आदिवासी समुदाय ने जितिया करम की पूजा की। इसके बाद अखाड़े में खोड़हा नृत्य का आयोजन हुआ। सोमवार को जितिया करम वासी मनाया जाएगा। पर्व में शामिल होने के लिए दूर-दराज के गांवों से रिश्तेदार भी पहुंचे।

माताओं ने निर्जला उपवास कर किया जिउतिया व्रत

लोहरदगा। अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर जिलेभर में जिउतिया पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। माताओं ने संतान की लंबी आयु, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला उपवास रखा। व्रती महिलाओं ने भगवान जीमूतवाहन सहित अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की और चिल्हो-सियारो की कथा सुनी। व्रती महिलाओं ने अष्टमी से पहले नहाय-खाय की परंपरा पूरी की। इसके बाद निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा की। नवमी तिथि को पारण के बाद मां और संतान के गले में जिउतिया धागा पहनाने की परंपरा निभाई गई।जिउतिया पर्व को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल रही। व्रत में उपयोग होने वाली सब्जियों और पूजा सामग्री की खरीदारी के लिए महिलाओं की भीड़ रही।

कैरो और सिंभूटोली में जिउतिया जतरा, 21 खोड़हा दलों ने दिखाई पारंपरिक संस्कृति

नृत्य-संगीत और लोक कला की प्रस्तुति, सिंभूटोली में खोड़हा दलों को किया गया पुरस्कृत

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय कैरो और गुड़ी पंचायत के सिंभूटोली में रविवार को जितिया जतरा का आयोजन किया गया। कैरो जतरा में उतका, खंडा, नरौली, महुवरी, चाल्हो, एडादोन और सुकुरहुट्टू समेत 13 खोड़हा दलों ने हिस्सा लिया। वहीं सिंभूटोली जतरा में गढ़टोली, चिपो, कुम्हारिया, उदरंगी और फुदकी टोली समेत आठ गांवों के खोड़हा दल शामिल हुए। विभिन्न खोड़हा दलों ने पारंपरिक नृत्य-संगीत और लोक कला की प्रस्तुति देकर आदिवासी संस्कृति की झलक पेश की। सिंभूटोली

में मुख्य अतिथि देवनाथ उरांव ने शामिल खोड़हा दलों को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया। देवनाथ उरांव ने कहा कि जितिया जतरा आदिवासी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। जितिया पर्व में माताएं बच्चों की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर पूजा-अर्चना करती हैं। जतरा के माध्यम से पारंपरिक नृत्य-संगीत और लोक कला को जीवंत रखने का प्रयास किया जाता है। मेले में मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर भीड़ रही। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, जंपिंग पैड समेत अन्य साधन लगाए गए थे। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

172 बटालियन सीआरपीएफ को गढ़वा में यथावत रखने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

बड़गड़-भंडरिया। गढ़वा, भंडरिया और बड़गड़ क्षेत्र में तैनात 172 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को गढ़वा से हटाकर अरुणाचल प्रदेश भेजे जाने के आदेश पर पुनर्विचार की मांग की गई है। इस संबंध में रविवार को भंडरिया प्रखंड के अंडामहुआ स्थित नीलांबर-पितांबर प्रतिमा स्थल के समीप रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को आवेदन सौंपा गया। आवेदन में कहा गया है कि गढ़वा जिला भौगोलिक और रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील है। इसकी सीमाएं बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से जुड़ी हैं। भंडरिया और बड़गड़ भी सीमावर्ती क्षेत्र में आते हैं। पूर्व में यह क्षेत्र नक्सली गतिविधियों से प्रभावित रहा है। ऐसे में 172 बटालियन की तैनाती से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और लोगों में सुरक्षा का विश्वास कायम हुआ है। आवेदन देने वालों में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी, जितेंद्र चंद्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि ओमप्रकाश, अरविंद जायसवाल और रामनरेश सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे। आवेदकों ने कहा कि बटालियन के हटने से नक्सली और आपराधिक तत्वों के फिर सक्रिय होने की आशंका है। उन्होंने गढ़वा की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए स्थानांतरण आदेश पर पुनर्विचार कर 172 बटालियन की तैनाती यथावत रखने का आग्रह किया।

शांति समिति की बैठक, दुर्गापूजा की तैयारियों पर चर्चा

सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील, असामाजिक तत्वों पर रहेगी नजर

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा/लोहरदगा। शारदीय नवरात्र और दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर सेन्हा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूजा पंडालों की व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था पर चर्चा की गई। पूजा समितियों ने अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया। सेन्हा मेन चौक दुर्गापूजा समिति ने सड़क पर नाली का गंदा पानी बहने की समस्या का समाधान कराने की

मांग की। इसके अलावा बिजली, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने का आग्रह किया। पुलिस प्रशासन ने पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने का भरोसा दिलाया। पूजा पंडालों में निगरानी सुनिश्चित करने तथा आवश्यक सेवाओं के टोल फ्री नंबर प्रदर्शित करने की जानकारी दी गई। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने तथा ऐसी सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की। बैठक में पूजा समितियों और शांति समिति के सदस्यों ने शांतिपूर्ण आयोजन में प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। मौके पर बीडीओ संग्राम मुर्मू, पुलिस निरीक्षक पुष्पलता, सांसद प्रतिनिधि नंदकिशोर शुक्ला, उपप्रमुख पॉल पन्ना, पूर्व जिला परिषद सदस्य रामलखन प्रसाद साहू, मुखिया धनवाज उरांव, राजश्री उरांव समेत जनप्रतिनिधि, पूजा समिति और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

जय श्रीराम समिति की नगर कमेटी का विस्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जय श्रीराम समिति, जिला लोहरदगा की बैठक रविवार को हटिया गार्डन स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष बजरंग करूवा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 14 अक्टूबर को प्रस्तावित शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों और नगर कमेटी के विस्तार पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से दीपक साहू को नगर अध्यक्ष, श्वेत कुमार को महामंत्री तथा आकाश वर्मा, सूरज सिंह, गुंजन भारती और जमुना कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। मोहित शर्मा, अजय गोप, राहुल साहू और आशीष साहू को उपाध्यक्ष, दिग्गज सिंह को सह कोषाध्यक्ष तथा आयुष गोयल को नगर मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में दक्षिण किस्को प्रखंड अध्यक्ष शंकर साहू को सम्मानित किया गया। जिला संरक्षक लक्ष्मी भगत और शैलेश कुमार कुशवाहा ने कहा कि 14 अक्टूबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई है। जिलाध्यक्ष बजरंग करूवा ने कहा कि संगठन को मजबूत करने और समाज को एकजुट करने के लिए सभी पदाधिकारी मिलकर कार्य करेंगे। बैठक में जिला संरक्षक परमेश्वर साहू, लक्ष्मी नारायण भगत, अजय सोनी, कन्हैया करूवा, महिला जिलाध्यक्ष इंदिरा प्रधान, महामंत्री जान्हवी गोयल, गुड़िया देवी, अनुज कुमार महतो, उदय महतो, विक्की कसेरा, नवीन साहू समेत समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बड़की चापी में पारंपरिक जिउतिया जतरा खोड़हा दलों ने पेश की सांस्कृतिक झलक

नवीन मेल संवाददाता

कुड़ू। प्रखंड के बड़की चापी बाजारटांड़ में पारंपरिक जिउतिया जतरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पाहन एतवा उरांव और मुनी उरांव ने जितिया डाली की पूजा-अर्चना कर की। पाहन ने बताया कि बड़की चापी में वर्षों से जितिया जतरा का आयोजन होता आ रहा है। जितबाहन भगवान की पूजा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की जाती है। जतरा का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुड़ू प्रखंड प्रमुख मुनि देवी ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि जतरा सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है और इसके आयोजन

से समाज में भाईचारा और एकजुटता मजबूत होती है। आदिवासी छात्र संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश उरांव ने कहा कि जतरा और खोड़हा के माध्यम से सभ्यता एवं संस्कृति के संरक्षण का प्रयास होता है। पूर्व प्रखंड प्रमुख परिखा मुंडा ने कहा कि समाज और संस्कृति के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपनी सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज और संस्कारों को बनाए रखने की अपील की। आयोजन समिति की ओर से खोड़हा दलों को सम्मानित किया गया। मेले में खिलौने, मिठाई और फल की दुकानें लगी थीं। बच्चों और महिलाओं समेत ग्रामीणों ने मेले का आनंद लिया। मौके पर प्रखंड प्रमुख मुनि देवी, पंचायत के जनप्रतिनिधि, अवधेश उरांव, अमित उरांव, परिखा मुंडा, प्रेम चंद उरांव, संजय गंझू, अनूप भगत, रतन लाल प्रजापति, रामजीत प्रजापति, विनोद मुंडा, शंकर प्रजापति, मिथलेश प्रजापति, गायक धनेश लोहरा, एतवा पाहन, मुनि पाहन, राजू रोनित उरांव, एतवा उरांव, सुधांशु भगत पाहन, भूपाल पाठक, ओम प्रकाश कुजूर, लखन राम, प्रकाश उरांव, मुस्तकीम अंसारी, गन्दरू उरांव, दीपू भारती, अवधेश पाठक, फलिंदर यादव, इंदर मुंडा, मनोज मुंडा और सुरेश उरांव समेत ग्रामीण मौजूद थे।

जिउतिया करम पर महिलाओं के बीच पारंपरिक साड़ियों का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिउतिया करम के अवसर पर रविवार को भड़गांव पंचायत के पारही बसार टोली स्थित अखाड़ा में महिलाओं के बीच आदिवासी एवं पारंपरिक सांस्कृतिक साड़ियों का वितरण किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सह चाला इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर सुखैर भगत के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में डाड़ी टोली की महिलाओं को भी साड़ियां दी गईं।सुखैर भगत ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और पहचान अमूल्य धरोहर

है। जितिया करम जैसे पर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने का माध्यम हैं। पारंपरिक परिधान संस्कृति से जुड़े हैं और महिलाओं को सांस्कृतिक साड़ी देना परंपरा व विरासत के प्रति सम्मान का प्रयास है। उन्होंने कहा कि गांव के अखाड़े सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के केंद्र हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकजुटता मजबूत होती है। साड़ी मिलने पर महिलाओं ने खुशी जताते हुए आयोजन के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, जिला महासचिव सलीम अंसारी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव, बसंती उरांव, शुशांति उरांव, ग्राम प्रधान समेत ग्रामीण और महिलाएं मौजूद थीं।

दुर्गापूजा को यादगार बनाने के लिए एकजुट होकर काम करें : रमेश कुमार साहू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। केंद्रीय दुर्गापूजा समिति, लोहरदगा की ओर से दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में समिति कार्यालय में विभिन्न पूजा पंडालों के अध्यक्ष और सचिवों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष रमेश कुमार साहू ने पूजा समितियों के अध्यक्ष और सचिवों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। रमेश कुमार साहू ने कहा कि दुर्गापूजा धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का अवसर भी है। पूजा के दौरान स्वच्छता, सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा और अनुशासन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बैठक में शहर में पूजा को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने पर सहमति बनी। केंद्रीय समिति ने प्रशासन, पूजा समितियों और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। पूजा समितियों के पदाधिकारियों ने आयोजन में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मौके पर सुमित राय, रितेश सिंह, कुणाल वर्मा, बसंत साहू, नंदकिशोर साहू, श्यामा चरण सिन्हा, सुमित घोष, रोहित ओझा, दिव्यांशु कुमार, अंकित गुप्ता, सोमनाथ दत्ता, विक्की गुप्ता, रोहित कुमार, अमर कुमार, शशांक कुमार, शैलेश महतो, भीम कुमार यादव, राणा प्रताप सिंह, पवन प्रजापति, मिथिलेश कुमार, दीपक कुमार साहू, मुरलीधर कुमार, अजय कुमार मित्तल, धीरज जी, अनुराग कुमार, सुधीर महतो, चतुर्भुज महतो, रितिक कुमार, रोहित कुमार साहू, प्रवीण तमेडा, हिमांशु केशरी, आनंद ठाकुर, नीरज कुमार, आशुतोष पाठक, निखिल राज, कृतिक महतो, श्रेयांश सिद्धार्थ और हेमंत कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

लोहरदगा में प्रांतीय संस्कृति महोत्सव का शुभारंभ

परंपराओं से जुड़े बिना सशक्त समाज का निर्माण संभव नहीं : राम अवतार नारसरिया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में विद्या भारती झारखंड के तत्वावधान में दो दिवसीय प्रांतीय संस्कृति महोत्सव का शुभारंभ हुआ। 5 अक्टूबर तक चलने वाले आयोजन में राज्य के विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या मंदिरों के छात्र-छात्राएं, आचार्य और दीदियां शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन, मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन और वंदना से हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव

कुमार झा ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्या विकास समिति, झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने महोत्सव के उद्देश्य की जानकारी देते हुए कहा कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपरा और मानवीय संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। मौके पर कार्यक्रम संयोजक शशिधर लाल अग्रवाल, विवेक नयन पाण्डेय, विनोद राय, अजय प्रसाद, रमेश कुमार सिंह, संतोष कुमार पाठक, मनोज दास, जिला प्रचारक दीपक कुमार समेत विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। आयोजकों के अनुसार महोत्सव के दौरान लोकनृत्य, समूह गान, भाषण, चित्रकला समेत अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

विद्यार्थियों से सत्य, शांति, धर्म और सद्भाव जैसे जीवन-मूल्यों को आचरण में उतारने की अपील

मुख्य अतिथि विद्या विकास समिति, झारखंड के क्षेत्रीय मंत्री राम अवतार नारसरिया ने कहा कि जिस समाज में गुरु और माता-पिता का सम्मान होता है, वह समाज मजबूत और संस्कारवान बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सत्य, शांति, धर्म और सद्भाव जैसे जीवन-मूल्यों को आचरण में उतारने की अपील की। उद्घाटन सत्र में छात्रा समृद्धि सिन्हा ने एकल गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रजेश कुमार सिंह ने किया

सकरौली वन क्षेत्र में वन विभाग की कार्रवाई, सीमेंट के पिलर ध्वस्त

ग्रामसभा की शिकायत के बाद विभाग ने किया स्थल निरीक्षण, ग्रामीणों ने वनभूमि की सुरक्षा का स्वागत किया

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। प्रखंड के राजस्व ग्राम सकरौली के वन क्षेत्र में कथित कब्जे के प्रयास की शिकायत के बाद वन विभाग ने कार्रवाई की। विभागीय टीम ने स्थल निरीक्षण के बाद वनभूमि पर लगाए गए सीमेंट के पिलरों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने वनभूमि की सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम का स्वागत किया।

ग्रामीणों के अनुसार, सकरौली मंगुटोली निवासी ईरकन लकड़ा द्वारा वनभूमि पर कथित रूप से कब्जे का प्रयास किया जा रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने ग्रामसभा कर मामले का विरोध किया था। ग्रामसभा की प्रति वन विभाग और अंचल अधिकारी को सौंपकर वनभूमि की जांच और उसे अतिक्रमण से बचाने की मांग की गई थी।

शिकायत के बाद वन विभाग की टीम ने संबंधित स्थल का निरीक्षण किया। वहां सीमेंट के पिलर पाए गए, जिन्हें विभागीय कार्रवाई के तहत ध्वस्त कर दिया गया। ग्रामीणों ने वन क्षेत्र में अतिक्रमण रोकने के लिए नियमित निगरानी और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

कार्रवाई के दौरान डीएफओ आदर्श शरण, प्रभारी वनपाल राकेश कुमार मिश्रा, प्रधान वनरक्षी रतीश कुमार भगत, रजत किरण डुंगडुंग, प्रवीण तिर्की सहित सिसई क्यूआरटी के बैरागी उरांव, अभय कुमार सिंह, सत्यम लोहरा, राजकुमार सिंह, संजीत लोहरा व जुल्फान अंसारी मौजूद थे। गुमला क्यूआरटी से प्रदीप महतो, विराज एक्का, प्रेमचंद कुमार और संजय साहू के अलावा वन रक्षा समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीण भी उपस्थित थे।

ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलन का ऐलान मशाल जुलूस आज और छह को घाघरा बंद

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा (गुमला)। केंद्रीय पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति, झारखंड के बैनर तले रविवार को घाघरा हाई स्कूल मैदान में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर बैठक हुई। समिति के सदस्यों ने सिमडेगा, गुमला, खूंटी, रांची और लोहरदगा में ओबीसी आरक्षण शून्य किए जाने का आरोप लगाते हुए चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की। समिति ने नौकरी में ओबीसी आरक्षण, राजनीति में पिछड़ा वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने और जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम शामिल करने की मांग उठाई। सदस्यों ने कहा कि मांगों को लेकर आंदोलन को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा।

समिति के अनुसार, आंदोलन के पहले चरण में 5 अक्टूबर की शाम घाघरा चांदनी चौक पर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। 6 अक्टूबर को घाघरा बंद और चक्का जाम तथा 7 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों में सांकेतिक धरना दिया जाएगा। धरना के बाद उपायुक्त के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार को ज्ञापन सौंपने की बात कही गई। बैठक में शिवनारायण साहू, मनोज साहू, अमित ठाकुर, दिनेश जायसवाल, धनकुंवर साहू, बिपिन साहू, भुनेश्वर यादव, अरविंद जायसवाल, सुंदर साहू, बिंदेश्वर साहू और लक्ष्मण गोप सहित कई सदस्य मौजूद थे।

झड़गांव में पूर्व कार्डिनल तेलेस्फोर पी. टोप्पो को श्रद्धांजलि

- पुण्यतिथि पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि मिसा पूजा, फुटबॉल टूर्नामेंट का भी हुआ शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर प्रखंड की रामपुर पंचायत के झड़गांव में पूर्व कार्डिनल तेलेस्फोर पी. टोप्पो की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। उनके पैतृक गांव में विशेष श्रद्धांजलि मिसा पूजा हुई, जिसमें स्थानीय श्रद्धालुओं, धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में गुमला विधायक भूषण तिर्की, जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा और चैनपुर प्रखंड प्रमुख ओलोभा कांता कुजूर शामिल हुए। अतिथियों और जनप्रतिनिधियों ने स्व. कार्डिनल टोप्पो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने समाज सेवा, शिक्षा और मानव कल्याण के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। मिसा पूजा और सभा के बाद अतिथियों ने गांव में फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इसके बाद विधायक भूषण तिर्की समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्व. कार्डिनल टोप्पो के परिजनों से उनके पैतृक आवास पर मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। कार्डिनल तेलेस्फोर पी. टोप्पो का निधन 4 अक्टूबर 2023 को रांची जिले के मांडर स्थित कॉन्स्टेंट लिवेन्स अस्पताल में हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर हर वर्ष झड़गांव में मिसा पूजा के साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सरना धर्म कोड और परिसीमन के विरोध में गुमला में महारैली

गुमला। सरना प्रार्थना सभा एवं आदिवासी छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में सरना धर्म कोड लागू करने और परिसीमन के विरोध में पालकोट रोड स्थित सरना मैदान में महारैली आयोजित की गई। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा, शिबू सोरेन और स्वर्गीय कार्तिक उरांव के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संबोधन में चमरा लिंडा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए सरना धर्म कोड लागू करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मांग को लेकर जरूरत पड़ने पर झारखंड से दिल्ली तक आंदोलन किया जाएगा। परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आदिवासियों के आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित करने की साजिश की जा रही है।

पेनाल्टी शूटआउट में रुगूटोली लापुंग ने जीता जोड़ा खस्सी हॉकी टूर्नामेंट

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। मरासिली पंचायत के खरतंगा गांव स्थित खेल मैदान में सरना संगम क्लब खरतंगा के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय जोड़ा खस्सी हॉकी टूर्नामेंट का रविवार को फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ। फाइनल में रुगूटोली लापुंग ने मोरगांव भरनो को पेनाल्टी शूटआउट में एक गोल से हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। इसके बाद पेनाल्टी शूटआउट में रुगूटोली लापुंग ने बाजी मारी। विजेता टीम को दो खस्सी और उपविजेता टीम को एक खस्सी पुरस्कार के रूप में दिया गया।

फाइनल मुकाबले से पहले विधायक जिगा सुसारन होरो के निजी सहायक अभिषेक लकड़ा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जॉनसन बाड़ा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश उरांव और राजेंद्र उरांव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेलप्रेमी मौजूद रहे।

समापन समारोह में अभिषेक लकड़ा ने युवाओं से खेल और शिक्षा पर ध्यान देने तथा नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आयोजन में सोमरा उरांव, भुनेश्वर उरांव, परमेश्वर उरांव, राजेंद्र मुंडा, गुंदुरा मुंडा, मनोज उरांव, राजेंद्र उरांव सहित आयोजन समिति के सदस्यों की भूमिका रही।

चरका टांगर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने लगाए फलदार व छायादार पौधे

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को गुमला प्रखंड के चरका टांगर गांव में 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर फलदार और छायादार पौधे लगाए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व अभियान के संयोजक मंगल सिंह भोगता और सह-संयोजक शंभू सिंह ने किया। पौधारोपण के बाद कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। मंगल सिंह भोगता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भी समाज और राष्ट्र की सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण में भागीदारी निभाने की अपील की। शंभू सिंह ने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए। कार्यक्रम में संजय वर्मा, धीरज लोहरा, धीरेंद्र लोहरा, महावीर लोहरा, फगुआ बड़ाईक, मसद गोप, दीपेंद्र साहू, राजेश साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे।

गुमला थाना कांड में प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

गुमला। गुमला थाना पुलिस ने थाना कांड संख्या 388/26 के प्राथमिकी अभियुक्त भैयाराम लोहरा (25), पिता स्वर्गीय मकरू लोहरा, ग्राम खोरा, को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 4 अक्टूबर को दर्ज इस मामले में भैयाराम को प्राथमिकी अभियुक्त बनाया गया था। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पितृपक्ष में बाला नदी में श्रद्धापूर्वक किया जा रहा पितरों का तर्पण

नवीन मेल संवाददाता

रायडीह (गुमला)। भाद्रपद पूर्णिमा के साथ पितृपक्ष शुरू होने के बाद लोग अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति और श्रद्धा के लिए नदी, तालाब व अन्य जलाशयों में तर्पण कर रहे हैं। झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित बाला नदी में भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पितरों को जल अर्पित कर रहे हैं।

रविवार को जनकपुर धाम, नेपाल से आए महंत मामा जी बैजू झा सहित शंख मोड़, मांझाटोली निवासी अमरेश कुमार झा, कमलेश कुमार झा और राकेश कुमार झा ने आचार्य सुनील कुमार पाठक के मंत्रोच्चारण के बीच तर्पण किया। आचार्य ने बताया कि भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक पितृपक्ष माना जाता है। इस दौरान तर्पण, श्राद्ध कर्म और दान की परंपरा है।

लोदाम क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाला नदी पहुंचे। आचार्य दिनेश पांडेय ने कहा कि पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक जलांजलि, तिलांजलि व पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ जरूरतमंदों और ब्राह्मणों को यथासंभव अन्न, वस्त्र व द्रव्य का दान करने की परंपरा है। तर्पण के बाद नदी तट पर भोले बाबा को जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई और प्रसाद वितरित किया गया।

रायडीह में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के कटकाया गांव में शनिवार को 37 वर्षीय युवक ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कटकाया निवासी सुबोध एक्का (37) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना के समय परिवार के सभी सदस्य खेती-बाड़ी के काम से बाहर गए हुए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे परिजन खेत से लौटे तो सुबोध को घर के अंदर फंदे से लटका पाया। इसके बाद घटना की सूचना रायडीह थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। एएसआई विनय कुमार ने शव का पंचनामा तैयार किया। रविवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार, सुबोध अविवाहित था और पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान रहता था। हालांकि, उसके आत्महत्या करने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क-पेयजल की समस्या से जूझ रहा डिपाटोली गांव

- खराब सड़क और चापाकल से ग्रामीण परेशान, मंगलवार को उपायुक्त के जनता दरबार में देंगे सामूहिक आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। रायडीह प्रखंड के सुदूरवर्ती कोब्जा क्षेत्र स्थित डिपाटोली गांव में सड़क और पेयजल की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बेहतर सड़क नहीं होने से आवागमन प्रभावित है, जबकि पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से रोजमर्रा की जरूरतों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है। इससे प्रखंड मुख्यालय समेत अन्य स्थानों तक आने-जाने में परेशानी होती है। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाना भी चुनौती बन जाता है। पेयजल को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि कुछ समय पूर्व गुमला विधायक भूषण तिर्की की पहल पर गांव में बोरिंग कराई गई थी, लेकिन बोरिंग सफल नहीं हुई। गांव का चापाकल भी लंबे समय से खराब है। मरम्मत के लिए कई बार आग्रह किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। समस्याओं की जानकारी मिलने पर युवा समाजसेवी कमल किशोर किसान और झामुमो के सक्रिय सदस्य बसंत केरकेट्टा गांव पहुंचे और ग्रामीणों से जानकारी ली। उन्होंने समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर समाधान की पहल का भरोसा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार को सामूहिक रूप से गुमला उपायुक्त के जनता दरबार में आवेदन दिया जाएगा। इसमें सड़क निर्माण, खराब चापाकल की मरम्मत और स्थायी पेयजल व्यवस्था की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव का स्थल निरीक्षण कर समस्याओं के समाधान के लिए ठोस पहल करने की मांग की है। मौके पर कमल किशोर किसान, बसंत केरकेट्टा, संजय केरकेट्टा सहित किसुन खड़िया, कृष्णा खड़िया, विश्वनाथ खड़िया, मोहन खड़िया, बिरसु खड़िया, बंधनु खड़िया, अघनु खड़िया, सोमरा खड़िया, कलिंदर खड़िया, सुरेंद्र खड़िया समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में गांधी और शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

- सत्य, अहिंसा, सादगी और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर 2 अक्टूबर को गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रशासनिक भवन स्थित मुख्य कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. शिबा नारायण साहू, मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी अजीत कुमार शुक्ल, विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को याद किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा को प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दोनों नेताओं के जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने और समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

जिउतिया पर्व पर आस्था में डूबी सिसई की माताएं

- संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए रखा निर्जला व्रत, जिउतिया गीतों से गूंजे गांव

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना को लेकर सिसई प्रखंड में माताओं ने श्रद्धा के साथ जिउतिया पर्व मनाया। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना की और संतान की मंगलकामना की। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से जितिया की कथा सुनी और पारंपरिक गीत गाए। जिउतिया गीतों से गांवों का माहौल भक्तिमय बना रहा। पर्व को लेकर सिसई बाजार में भी चहल-पहल रही। फल, फूल, पूजा सामग्री और मिठाई की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही। जिउतिया पर्व झारखंड की लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा पर्व है। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक विधियों और लोकगीतों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाया।

जिउतिया पर्व श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया

गुमला। संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर रविवार को गुमला जिले में जिउतिया पर्व श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। माताओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और जिउतिया व्रत की कथा सुनी। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों और पूजा स्थलों पर धार्मिक माहौल रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा की और पारंपरिक गीत गाए। बुजुर्ग महिलाओं ने नई पीढ़ी को जितिया व्रत से जुड़ी परंपराओं और मान्यताओं की जानकारी दी। गुमला शहर सहित पालकोट, सिसई, बसिया, भरनो, चैनपुर, घाघरा, रायडीह, डुमरी, जारी और कामडारा के बाजारों में भी चहल-पहल रही। फल, फूल, पूजा सामग्री और मिठाई की दुकानों पर खरीदारी के लिए भीड़ रही। जिउतिया पर्व धार्मिक आस्था के साथ पारिवारिक और सामाजिक परंपराओं से भी जुड़ा है। महिलाओं के सामूहिक पूजा और कथा श्रवण के दौरान लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली।

घाघरा में रक्तदान शिविर 11 यूनिट रक्त संग्रह

- दुर्गा पूजा समिति चांदनी चौक के आयोजन में युवाओं ने किया रक्तदान, ब्लड बैंक की टीम ने दिया सहयोग

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा (गुमला)। दुर्गा पूजा समिति चांदनी चौक के तत्वावधान में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्थानीय युवाओं और समिति के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कुल 11 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान करने वालों में मनोज महापात्र, दीपक कुमार गुप्ता, बबलू सिंह, सुरेश कुमार, अर्षराज गुप्ता, ऋषभ बड़ाईक, जीवन कुमार सिंह, शिवम कुमार गुप्ता, मिहिर झा, अमित कुमार सिंह और हेमंत कुमार झा शामिल रहे। सदर अस्पताल गुमला के ब्लड बैंक की मेडिकल टीम ने रक्त संग्रह में सहयोग किया। टीम में राकेश कुमार, अंजू किंडो, रवि प्रसाद, अशोक और सुनील शामिल थे। समिति के अध्यक्ष अमित नाग ने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। समिति ने रक्तदाताओं और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति आभार जताया। मौके पर बिपिन बिहारी सिंह, सदय प्रताप जायसवाल, राजेश कुमार, मुरली मनोहर सिंह, दिलीप दास, सुरेश चौरसिया, राकेश चौरसिया, पंकज कुमार, नीरज जायसवाल सहित अन्य मौजूद थे।

विचार प्रवाह मैं यह पवित्र शपथ लेता हूं: हे प्रभु! मेरे प्रेम की तेजोमय दृष्टि, कभी भी आपके विचार के क्षितिज से नीचे नहीं उतरेगी। मैं अपने नेत्रों की उर्ध्व-दृष्टि को आपके सिवा किसी अन्य वस्तु पर नहीं डालूंगा। मैं कभी भी ऐसा कुछ नहीं करूंगा जो मुझे आपका स्मरण न कराए। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

विमान क्रैश से बचाने वाले पर चुप्पी

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

अभी लगभग पूरी दुनिया में फ्लाईदुबई के विमान को क्रैश कराने के प्रयास और भारतीय पायलट की बहादुरी के किस्से राजनीति से लेकर सोशल मीडिया में छाए हुए हैं साथ ही दुनिया भर में अपनी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र के लिए पहचाने जाने वाले इजरायल की अपनी ही सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी खामी अब सवालों के घेरे में है। उड़ान के दौरान ओमानी सह-पायलट ने भारतीय कप्तान स्मित मच्छार पर हमला किया और विमान को अपने नियंत्रण में लेकर उसे गिराने की कोशिश की। विमान कुछ ही सेकंड में हजारों मीटर नीचे आ गया। घायल कप्तान ने किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद 174 यात्रियों में से कुछ साहसी लोगों और विमान में मौजूद अन्य पायलटों ने हमलावर को काबू किया। 2020 के अब्राहम समझौते के बाद बनाए गए इजरायली सुरक्षा नियमों में उन देशों के पायलटों को इजरायल आने वाली उड़ानें संचालित करने से रोकने का प्रावधान था, जिनके इजरायल से राजनयिक संबंध नहीं हैं। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान के कॉकपिट में हुए घटनाक्रम ने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि जब इजरायल के नियम ऐसे देशों के पायलटों को उसके यहां उड़ान संचालित करने की इजाजत ही नहीं देते, जिनके साथ उसके राजनयिक संबंध नहीं हैं, तो फिर ओमान का पायलट हमाम अल हमामी आखिर इजरायल जाने वाली उड़ान को उड़ाता हुआ तेल अवीव तक पहुंच कैसे गया? ओमान का इजरायल से राजनयिक संबंध नहीं है। इसके बावजूद रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में दर्जनों ओमानी पायलट फ्लाईदुबई जैसी विदेशी एयरलाइनों के साथ इजरायल आ चुके थे। रिपोर्ट के अनुसार, शिन बेट ने विदेशी एयरलाइनों के पायलटों की राष्ट्रीयता और पृष्ठभूमि की स्वतंत्र जांच करने की बजाय एयरलाइनों पर भरोसा किया कि वे ऐसे पायलटों को इजरायल न लाएं। यानी जिस व्यवस्था को अंतिम सुरक्षा दीवार होना चाहिए था, वहां भरोसा जांच का विकल्प बन गया। अब यह भी जांच के घेरे में है कि विमानन सुरक्षा संचालन केंद्र और परिवहन मंत्रालय ने विदेशी एयरलाइनों के चालक दल की निगरानी कैसे की? दिलचस्प बात यह भी है कि राज्य नियंत्रक कार्यालय ने 2024 में ही हवाई यात्रा से जुड़ी सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा की सिफारिश की थी। सवाल केवल राष्ट्रीयता का नहीं है आरोपी ओमानी सह-पायलट को कथित तौर पर ओमान में उड़ान से पहले सुरक्षा जोखिम माना गया था और उसे कट्टरपंथ संबंधी चिंताओं के कारण विमानन प्रशिक्षण से हटाया गया था। इसके बावजूद बाद में उसे फ्लाईदुबई में नौकरी मिली। इस घटना ने इजरायल की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के सामने भी असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों एजेंसियां शिन बेट और मोसाद अब जांच में शामिल हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल अलग-अलग स्तर पर जांच कर रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात के संघीय अभियोजक ने अब इस घटना को संभावित आतंकी कृत्य मानकर जांच शुरू की है और यह पता लगाया जा रहा है कि हमला पहले से योजनाबद्ध था या किसी बाहरी संगठन अथवा व्यक्ति के निर्देश पर किया गया।वहीं इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि आरोपी ने कथित तौर पर इस्लामी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर प्रशिक्षण पाया था और वह विमान गिराने के इरादे से आगे बढ़ा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच में यह पता लगाया जाएगा कि उसके पीछे कोई सहयोगी था या ईरान की कोई भूमिका थी। हालांकि ईरानी संलिप्तता का अब तक कोई पुष्ट प्रमाण सामने नहीं आया है और जांच जारी है। इस पूरी घटना में भारतीय कप्तान स्मित मच्छार और यात्रियों की भूमिका निर्णायक रही। घायल होने के बावजूद कप्तान ने कॉकपिट खोलने में सफलता पाई, जबकि यात्रियों और विमान में मौजूद अतिरिक्त पायलटों ने हमलावर को दबोचकर विमान को बचाने में मदद कर एक सराहनीय कार्य किया है। एक पायलट कॉकपिट में हथियार या शीशा तोड़ने के औजार से हमला करे, विमान को हजारों फुट नीचे ले जाए और यात्रियों को खुद अपनी जान बचाने के लिए कॉकपिट में घुसना पड़े, यह सामान्य चेतावनी नहीं, बल्कि लाल अलार्म है। क्योंकि हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित बनाई जाती है जिसमें यदि जाति, धर्म राष्ट्रीयता जैसी बातों के आधार पर यदि चयन किया जाएगा तो क्या होगा? 4 अगस्त 2026 को फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट अचानक हवा में करीब 300 फीट नीचे गोता लगा गई थी, जिससे 17 से अधिक यात्री और क्रू मेंबर घायल हो गए थे। पायलट के डोप (ड्रग) टेस्ट में मारिजुआना (गांजा) की मौजूदगी पाई गई। एयर इंडिया ने उस मुख्य पायलट को तुरंत प्रभाव से नौकरी से निकाल दिया। यहां जान पर खेलकर विमान को क्रैश होने से बचाने वाले को पीएम मोदी बधाई दे रहे हैं और विपक्ष चुप है। साहित्यिक पृष्ठभूमि वाली एक वरिष्ठ पत्रकार घटना पर ही संदेह व्यक्त कर रहीं हैं। स्मित मच्छार को जाति के आधार पर समर्थन देने वाले भी हैं।

नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी व भारत के विकास का अगला चरण

आज की बात

निर्मला सीतारमण
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री

विकसित भारत बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहीं से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। 'नेक्स्ट- जेनरेशन का जीएसटी' नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और राज्यों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट -जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थी: कर दरों को कम व तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुए। प्रक्रियात्मक सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चितता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। राज्य इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला। मैं इस प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूँ। जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है। इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8% की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त दोनों को संबल प्रदान करना है।

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6% अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15% की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4% की वृद्धि हुई। इस प्रकार, करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है। इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाज़ारों में भाग लेने का अवसर देती है, और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोज़गार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है। सुधार के बाद की अवधि की तुलना में उपभोक्ताओं को की गई प्रत्यक्ष बिक्री (बी2सी) में भी 26.7% की बढ़ोतरी हुई। जब कर राहत का प्रभाव कीमतों में दिखाई देता है, तो परिवारों के पास अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने या बचत करने के लिए अधिक गुंजाइश होती है। उपभोक्ता राहत और उद्यम विकास आपस में गहराई से जुड़े हैं: परिवारों की क्रय शक्ति व्यवसायों द्वारा दी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की मांग को बनाए रखती है। इसका लाभ परिवार से लेकर खुदरा विक्रेता, आपूर्तिकर्ता और उत्पादक तक सभी तक पहुंचता है। लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक राष्ट्रीय बाज़ार तभी सार्थक होता है जब वह उनके स्थानीय परिवेश से परे ग्राहकों तक पहुँचने का व्यावहारिक मार्ग प्रशस्त करे। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के व्यवसायों को स्थानीय स्तर पर निवेश और रोज़गार जारी रखते हुए ऐसे संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, इन शहरों में विस्तार करने वाले उद्यम स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के लिए नए अवसर सृजित कर सकते हैं। जीएसटी का साझा ढांचा इन कड़ियों को सुदृढ़ करता है; और सरल प्रशासनिक व्यवस्था को इन्हें बनाए रखना और भी सहज बनाना होगा। इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। अगस्त के अंत तक केंद्र और राज्य क्षेत्राधिकारों के अंतर्गत कुल जीएसटी पंजीकरण लगभग 1.71 करोड़ तक पहुंच गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 15% अधिक हैं। अप्रैल-जुलाई 2026 की कर अवधियों के लिए, निर्धारित तिथि तक दाखिल किए गए जीएसटीआर- 3बी रिटर्न पिछले वर्ष की समान अवधियों की तुलना में 12.6% अधिक थे। ये सुधार प्रशासन पर एक समान दायित्व भी डालते हैं: नियमित अनुपालन को विश्वसनीय सेवा, स्पष्ट मार्गदर्शन और समस्याओं के समयबद्ध समाधान द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

इनपुट टैक्स क्रेडिट की कार्यप्रणाली इस अनुभव का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुधार-उपरांत आंकड़े दर्शाते हैं कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से चुकाई गई कर देयता का अनुपात बढ़ा है, जबकि कर-योग्य आपूर्ति के सापेक्ष संचित क्रेडिट में कमी आई है। यह उन व्यवसायों के लिए उत्साहवर्धक है जो पात्र क्रेडिट के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करते हैं। किसी छोटे उद्यम के लिए उसकी कार्यशील पूंजी ही यह तय करती है कि वह कितनी सुगमता से कच्चा माल खरीद सकता है, कोई ऑर्डर पूरा कर सकता है और अगला काम हाथ में ले सकता है। कर वापसी (रिफंड) भी उतनी ही प्रासंगिक है। अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये की धनराशि रिफंड के रूप में लौटाई गई। व्यवसायों के प्राप्य बकाये को वापस लौटाना एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली का अनिवार्य अंग है। इस प्रक्रिया में अधिक निश्चितता और पूर्वानुमेयता उद्यमों को अधिक आत्मविश्वास के साथ खरीद और उत्पादन की योजना बनाने में सहायता करेगी। किसी करदाता को देय रिफंड प्राप्त होने का अनुभव प्रशासनिक दक्षता का एक प्रमुख पैमाना होता है।

राज्यों की राजस्व स्थिति भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान एकीकृत माल और सेवा कर (आईजीएसटी) निपटान में उनके हिस्से सहित राज्यों की कुल एसजीएसटी प्राप्तियों में लगभग 16% की वृद्धि हुई। ये संसाधन बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश को गति प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों और उद्यमों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहतर परिवेश मिलता है। इस प्रकार, ये लाभ एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैं: परिवारों को मिलने वाली राहत मांग को बढ़ावा देती है, उद्यम आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ करते हैं, और सार्वजनिक राजस्व विकास को निरंतर बनाए रखने में सहायक होता है। यह अनुभव भविष्य में किए जाने वाले कार्यों को भी रेखांकित करता है। एक विकासशील प्रणाली को इस बात के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए कि छोटे प्रतिभागियों पर इसका कितना आर्थिक व समय संबंधी भार पड़ता है। उनका समय और संसाधन सीमित होते हैं। रिटर्न दाखिल करने, क्रेडिट या रिफंड की व्यवस्था में प्रत्येक सुधार से ऐसे संसाधनों की अधिक से अधिक बचत होनी चाहिए, ताकि उनका उपयोग व्यवसाय के संचालन और विस्तार में किया जा सके।

7 अक्टूबर को जीएसटी परिषद के समक्ष रखे जाने वाले प्रस्ताव राज्यों के साथ निरंतर विचार-विमर्श और समन्वय के माध्यम से तैयार किए गए हैं। ये प्रस्ताव अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करने के उद्देश्य से पंजीकरण, रिटर्न, रिफंड, विवादों के निपटारे और इनपुट टैक्स क्रेडिट के सुगम प्रवाह से जुड़े हैं । करदाताओं का अनुभव ही इसके क्रियान्वयन का मुख्य मार्गदर्शक बना रहना चाहिए। जीएसटी की बढ़ती परिपक्वता हमें सुधारों के अगले चरण के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करती है। स्पष्टता, निश्चितता और करदाता के प्रति सम्मान की यही प्रतिबद्धता प्रत्यक्ष करों से जुड़े हमारे कार्य को भी दिशा देती है। एक भरोसेमंद कर प्रणाली उद्यमों को अपने तात्कालिक दायित्वों से आगे बढ़कर योजना बनाने तथा ऐसे अवसरों में निवेश करने में सक्षम बनाती है जिनके फलने-फूलने में समय लगता है। वे चाहे कहीं भी कार्य कर रहे हों, उन्हें यह भरोसा दिलाना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप एक 'विकसित भारत' की आर्थिक शक्ति के निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।

छंद के व्याकरण को सहजता से समझाती है पुस्तक 'सीपी छंदालय : लेखनी छंद की ओर'

पुस्तक समीक्षा

संगीता यादव

आज के दौर में जबकि ज्यादातर कविताएं गद्यात्मक ही लिखी जा रही हैं, अतुकांत कविताओं का बाहुल्य है, ऐसे में खुशबू बरनवाल सीपी रचित 'सीपी छन्दालयः लेखनी छंद की ओर' पुस्तक का आना एक सुखद एहसास है। छंदों के व्याकरण को समझाती यह पुस्तक 'श्वेत वर्ण प्रकाशन' द्वारा प्रकाशित है जिसका आवरण पृष्ठ स्वयं खुशबू जी की सुपुत्री देशना खुशराज द्वारा चित्रित है जो बेहद ही आकर्षक बन पड़ा है। पेपर बैक कवर में उपलब्ध इस पुस्तक का मूल्य मात्र 249 रुपए है। 'सीपी छन्दालय : लेखनी छंद की ओर' खुशबू बरनवाल जी की चौथी पुस्तक है। इससे पहले उनकी तीन पुस्तक - 'कविताओं की खुशबू ', 'सीपी मुक्तावली' एवं 'सुगंधित सोपान' प्रकाशित हो चुकी हैं जिसमें से प्रथम दो उनकी छंद मुक्त कविताओं का संग्रह है। तीसरी पुस्तक 'सुगंधित सोपान' छन्दबद्ध

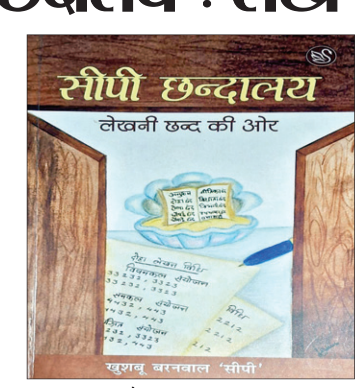

काव्य- संग्रह है जिसे लिखने में उन्हें (उनके शब्दों में) काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा क्योंकि छंदबद्ध कविता ऐसी होती है जिसमें तुकबंदी और लय के नियमों का पालन वर्णों और मात्राओं के प्रयोग द्वारा की जाती है जो विधान आधारित होती है। छंदों की रचना में निश्चित चरण, गति, लय, वर्ण, मात्रा, यति, तुक और गण का ध्यान रखना पड़ता है। छंद की विभिन्न विधाओं-श्लोक, दोहे, चौपाई, सवैया, कुंडलियां आदि की संरचना के अनुसार उसके अंदर विशेष मात्राओं और वर्णों का पालन करना होता है जिससे कविता में लयबद्धता और संगीतात्मकता उत्पन्न हो सके। इन नियमों को सीखना और पालन करना अत्यंत कठिन कार्य प्रतीत होता है परंतु 'सीपी छन्दालय' छंद की विविध विधाओं और उनके व्याकरण को बेहद आसान शब्दों में समझाने में सक्षम है। हर विधा को समझाने के लिए खुशबू जी ने स्वरचित रचनाएं प्रस्तुत की हैं जो पुस्तक को और भी रोचक बनाती हैं। छंद लिखने में उनकी दक्षता ऐसी की पुस्तक शुरू से अंत तक छंदों में ही प्रस्तुत और समर्पित है। गुरुजनों को समर्पण हो, इनका जीवन- वृत अथवा जीवन में उनकी उपलब्धियां, सबको छंद में रच कर इन्होंने पुस्तक में प्रस्तुत किया है। कमियों की बात करें तो कहीं भी कोई कमी नहीं मिली। कुछ एक प्रिंटिंग की गलतियां हैं, इसके अतिरिक्त कहीं कुछ भी नहीं। जो भी छंद में लिखना चाहते हैं, ऐसे रचनाकारों और अध्येताओं के लिए यह पुस्तक अवश्य संग्रहणीय एवं पठनीय है। आशा है खुशबू जी की इस पुस्तक को पाठकों का भरपूर स्नेह मिलेगा और उनकी लेखनी ऐसे ही और ऊंचाइयों को छुए,नित नए सोपान गढ़े और चढ़े; ऐसी शुभकामना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

जिंदगी के साथ ही या जिंदगी के बाद भी

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

जीवन बीमा का नाम सुनते ही मन में एक भरोसा पैदा होता है, अगर कल मैं नहीं रहा, तो मेरे परिवार का क्या होगा? यही चिंता किसी व्यक्ति को अपनी आज की कमाई में से कुछ हिस्सा काटकर बीमा की किस्त भरने के लिए प्रेरित करती है। बीमा दरअसल भविष्य की अनिश्चितता के सामने परिवार के लिए खड़ी की गई आर्थिक दीवार है। लेकिन हाल में सामने आए आंकड़े इस दीवार की मजबूती से ज्यादा एक असहज सवाल खड़ा करते हैं, क्या जीवन बीमा वास्तव में जीवन की सुरक्षा पर केंद्रित है, या वह धीरे-धीरे एक बिक्री-केंद्रित वित्तीय उत्पाद बनता जा रहा है? आईआरडीएआई के हालिया कंसल्टेशन पेपर में दिए आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में जीवन बीमा कंपनियों ने कुल 6.3 लाख करोड़ रुपए के लाभ/भुगतान किए। इसमें 37 प्रतिशत यानी करीब 2.33 लाख करोड़ रुपए सरेंडर/पॉलिसी बीच में छोड़ने वालों को गए, जबकि मृत्यु दावों का हिस्सा केवल 7 प्रतिशत यानी करीब 47 हजार करोड़ रुपये रहा। मैच्योरिटी भुगतान का हिस्सा 35 प्रतिशत और एन्युटी/पेंशन तथा अन्य भुगतान का करीब 20 प्रतिशत रहा। यह आंकड़ा अपने आप में बीमा कंपनियों को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि जीवन बीमा केवल मृत्यु-लाभ वाला उत्पाद नहीं है। इसमें बचत, पेंशन और परिपक्वता जैसे उत्पाद भी शामिल हैं। लेकिन 37 प्रतिशत सरेंडर और केवल 7 प्रतिशत मृत्यु दावा एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक सवाल जरूर पूछते हैं, लोग पॉलिसियां आखिर इतनी बड़ी संख्या में बीच में क्यों छोड़ रहे हैं? और यहीं दूसरा आंकड़ा और अधिक चिंता पैदा करता है। आईआरडीएआई के अनुसार, जीवन बीमा पॉलिसियों की 61वें महीने की persistency केवल 48 प्रतिशत है। यानी पांच साल के आसपास पहुंचने तक आधे से ज्यादा पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसियां जारी नहीं रख पा रहे हैं। इसके विपरीत, सीधे ऑनलाइन खरीदी गई पॉलिसियों में यही persistency लगभग 71 प्रतिशत बताई गई है। कुछ कंपनियों में दसवें वर्ष तक चालू रहने वाली पॉलिसियों का अनुपात केवल 8 प्रतिशत तक रह जाता है। यह अंतर केवल एक संख्या नहीं है; यह बीमा बेचने के तरीके पर सवाल है। जब कोई परिवार अपनी मेहनत की कमाई से पॉलिसी खरीदता है, तो उसे केवल एक दस्तावेज नहीं मिलता, उसे भरोसा मिलता है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के भविष्य को थोड़ा सुरक्षित कर लिया है। लेकिन यदि कुछ वर्षों बाद वही परिवार पॉलिसी छोड़ने के लिए मजबूर हो जाए और उसे अपनी जमा रकम का पूरा लाभ भी न मिले, तो सवाल ग्राहक की समझ पर ही नहीं, उसे पॉलिसी समझाने वाले तंत्र पर भी उठना चाहिए।

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

आधुनिक जगत है ज्ञान की विजय का युग

श्रीअरविंद

श्रीअरविन्द अपनी पूरी आध्यात्मिक प्रभावशीलता से भारतीय समाज की इस कमज़ोरी को न केवल उजागर करते हैं बल्कि आध्यात्मिक रूप से उसका उपचार भी करना चाहते हैं। भारत की आंतरिक कमजोरियों पर मंथन करते हुए उन्होंने एक सबसे बड़ी कमज़ोरी जिस पर प्रकाश डाला वह यह है कि भारत के लोग थॉट फोबिया यानी विचार करने की अक्षमता से ग्रसित हैं। उन्हें जीवन में नवीनता के आगमन से भय लगता है। वे खुशी खुशी से पीढ़ियों की रूढ़ियों को ढोने में आत्मतुष्ट हैं। जबकि प्रगति का स्वर्णिम सूत्र है नित्य नवीनता का स्वागत करना और हमेशा कुछ नया करने, पाने, होने, रचने, पढ़ने और गढ़ने के लिए तैयार रहना। अपने अनुज और महान क्रांतिकारी बारीन्द्र कुमार घोष को लिखी एक लंबी चिट्ठी में श्रीअरविन्द भारतीय समाज की इस कमज़ोरी को इस तरह सामने रखते हैं -- मेरी यह धारणा है कि भारत की दुर्बलता का प्रधान कारण पराधीनता नहीं, दरिद्रता नहीं, आध्यात्मिकता या धर्म का अभाव नहीं है बल्कि इसका कारण है चिंतनशक्ति का ह्रास-- ज्ञान की जन्मभूमि में अज्ञान की व्यापकता। मैं भारत में सर्वत्र विचार की अक्षमता और अनिच्छा अथवा थॉट फ़ोबिया देखता हूं... आधुनिक जगत है ज्ञान की विजय का युग। जो जितना अधिक विचार करता है, अन्वेषण करता है, परिश्रम कर विश्व के सत्य को गहराई में पैठ जान सकता है, उतनी ही उसकी शक्ति बढ़ती है। यूरोप को देखोगे तो तुम दो चीजें पाओगे -- अनंत विशाल चिंतन का समुद्र और प्रकांड वेगवती पर सुश्रृंखल शक्ति का खेल... फिर देखो भारत की तरफ़। कुछ इक्का दुक्का प्रतिभाशाली महापुरुषों के अतिरिक्त सर्वत्र ही सीधे-सरल मनुष्य हैं। औसत मनुष्य जो विचार करना नहीं चाहते, विचार ही नहीं सकते और जिनमें सिवाय क्षणिक उतेजना के बिंदु मात्र भी शक्ति नहीं है। श्रीअरविन्द का एक-एक शब्द सत्य की सुवास से भरा हुआ है।

-पूर्णयोगेश्वर श्रीअरविंद से साभार

आज का दोहा

जादूगर करने लगा, नित-नित नए प्रयोग।
परेशान वे लोग हैं, जिनके छूटे भोग।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आदिवाणी : वंचितों के लिए तकनीक

देश की बात

रंजना चोपड़ा
सचिव-जनजातीय कार्य मंत्रालय

भारत 700 से अधिक जनजातीय समुदायों और 100 से भी ज़्यादा विशिष्ट जनजातीय भाषाओं और बोलियों का घर है, फिर भी इनमें से बहुत कम के पास अपनी लिपि, शब्दकोश या ऑनलाइन उपस्थिति है। स्वास्थ्य संबंधी किसी सरकारी परामर्श को पढ़ने की कोशिश कर रहे गोंडी भाषी किसान के लिए या पाठ्यपुस्तक में किसी शब्द को खोज रहे संथाली छात्र के लिए डिजिटल दुनिया ने अब तक उनकी भाषा में बात नहीं की थी। 'आदिवाणी' एक-एक वाक्य, एक-एक रिकॉर्डिंग और एक-एक अनूदित पृष्ठ के माध्यम से इस स्थिति को बदल रही है। आदिवाणी एक एआई-आधारित अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकी मंच है, जिसे जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सीधा और स्पष्ट है: ऐसे उपकरण तैयार करना जो अंग्रेजी और हिंदी को जनजातीय भाषाओं के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएं, और जनजातीय भाषाओं को भी लिखित और मौखिक दोनों माध्यमों में उनका उत्तर देने की सुविधा दें। आदिवाणी चार भाषाओं-संथाली, मुंडारी, भीली और गोंडी-के साथ लाइव हो चुकी है। इसके ठीक पीछे कुई और गारो भाषाएं हैं, जबकि अगले चरण के लिए कातकरी, कोया, कोकबोरोक, बेट्टा कुरुबा, चोधरी, थाडो कुकी और तांगखुल सहित आठ अन्य भाषाओं को तैयार किया जा रहा है। आदिवाणी केवल एक अनुवादक न होकर एक ही छत के नीचे संपूर्ण टूलकिट उपलब्ध कराती है। यह टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट ट्रांसलेशन की सुविधा देती है, जो अंग्रेजी या हिंदी पाठ को तुरंत जनजातीय भाषा में और जनजातीय भाषा को वापस हिंदी या अंग्रेजी में बदल देता है; स्पीच-टू-टेक्स्ट, जो बोली जाने वाली जनजातीय भाषा को लिखित रूप में परिवर्तित करता है और ऐसी भाषाओं के लिए जीवनरेखा का काम करता है जिनके पास धाराप्रवाह पढ़ने वालों की संख्या बहुत कम या न के बराबर है; टेक्स्ट-टू-स्पीच, जो लिखे हुए पाठ से प्राकृतिक जनजातीय वाणी (ऑडियो) तैयार करता है ताकि निरक्षर व्यक्ति भी सुनकर जानकारी प्राप्त कर सकें; और स्पीच-टू-स्पीच, जो एक ऐसी बहु-चरणीय प्रणाली है जिससे अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले दो लोग लगभग वास्तविक समय में एक-दूसरे की बात समझ सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म में 'ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन' की सुविधा भी है, जो केवल कागजों पर मौजूद पुरानी पाठ्यपुस्तकों, लोक पांडुलिपियों, प्राथमिक पुस्तकों और शब्दकोशों को डिजिटाइज़ करती है-जो अक्सर किसी बोली के अंतिम बचे हुए दस्तावेज़ होते हैं। इसके साथ ही एक सार्वजनिक मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल भी उपलब्ध कराया गया है, जिसमें निरंतर सुधार के लिए शब्दकोश, सीखने के मॉड्यूल और फीडबैक तंत्र मौजूद हैं। दशकों से भारत की जनजातीय भाषाएं देश के डिजिटल और प्रशासनिक जीवन के हाशिए पर रही हैं। मौखिक इतिहास, पारिस्थितिक ज्ञान और सांस्कृतिक स्मृतियों से समृद्ध होने के बावजूद वे इंटरनेट, एआई प्रणालियों और अक्सर नीतियों से लगभग अदृश्य रही हैं। आदिवाणी इस स्थिति को बदल रही है। कल्याणकारी योजनाओं की अधिसूचनाएं, स्वास्थ्य परामर्श या एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के अध्याय जो कभी केवल हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध थे, अब संथाली या भीली में सटीकता और सम्मान के साथ रूपांतरित किए जा सकते हैं और किसी निरक्षर व्यक्ति को बोलकर सुनाए जा सकते हैं। दूसरी ओर, सरकारी अधिकारी, शिक्षक और स्वास्थ्य कार्यकर्ता भी यह समझ सकते हैं कि कोई जनजातीय नागरिक अपनी भाषा में क्या कहना चाह रहा है। यह संवाद दोनों तरफ से होता है और यही इसकी मुख्य विशेषता है: आदिवाणी सिर्फ जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा तक पहुंच प्रदान नहीं कर रही है, बल्कि मुख्यधारा को भी जनजातीय भारत तक पहुंच उपलब्ध करा रही है। यह परियोजना जनजातीय भाषाओं को एआई के लिए केवल डेटा स्रोत नहीं मानती, बल्कि उन्हें मौखिक परंपरा, कृषि, पारिस्थितिकी और सामुदायिक पहचान से जुड़ी जीवंत ज्ञान प्रणालियों के रूप में देखती है। आदिवाणी का दायरा केवल जनजातीय परिवारों तक ही सीमित नहीं है। शोधकर्ताओं और भाषाविदों को दुनिया की सबसे कम प्रलेखित भाषाओं के लिए एक प्रामाणिक और उपयोगी डेटासेट मिलता है। जनजातीय जिलों में तैनात सिविल सेवकों, डॉक्टरों, शिक्षकों और एनजीओ के फील्ड कार्यकर्ताओं को (जिनमें से अधिकांश स्वयं जनजातीय नहीं हैं) एक रियल-टाइम अनुवादक साथी मिल जाता है, जो असहज और त्रुटिपूर्ण संचार को एक सार्थक संवाद में बदल देता है। भाषाविज्ञान और नृविज्ञान के छात्रों को ऐसी डिजिटाइज़्ड पांडुलिपियां और मौखिक अभिलेखागार मिलते हैं, जो अन्यथा स्थानीय पुस्तकालयों में बिना देखे नष्ट हो जाते। इसके अलावा प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रिकॉर्ड में एक महत्वपूर्ण सुधार का लाभ मिलता है: जो भाषाएं केवल स्मृति में जीवित रहने के खतरे का सामना कर रही थीं, अब उन्हें ऑनलाइन सर्च करने, बोलने और सिखाने के लिए एक मंच मिल गया है। यही बात आदिवाणी को एक साधारण अनुवाद ऐप से कहीं अधिक बनाती है; यह समावेशन का एक ऐसी सार्वजनिक अवसंरचना है जिसे समुदाय को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, न कि केवल एक प्राप्तकर्ता के रूप में।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : डॉ राणा अरुण सिंह*, प्रधान कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।)

अब पलायन नहीं, अपनी माटी में हुनर दिखा रहे कारीगर : योगी

एजेंसी। भदोही

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में कभी कारीगर और हस्तशिल्पी रोजी-रोजगार के लिए पलायन को मजबूर थे, आज उन्हें अपनी ही माटी में हुनर दिखाने का मंच मिल रहा है। तकनीक, डिजाइन और बाजार के साथ बेहतर कनेक्टिविटी और सुरक्षा मिली है। भदोही का कालीन आज दुनिया के बाजार में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री रविवार को संत रविदास नगर, भदोही के कारपेट एक्सपो मार्ट में 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण का शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फीता काटकर एक्सपो का शुभारंभ किया और स्टॉलों पर जाकर कारीगरों व हस्तशिल्पियों के उत्पाद देखे। एक्सपो में 227 से अधिक एग्जीबिटर्स और 65 देशों के 450 से अधिक विदेशी बायर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें ब्रिक्स देशों के 106 बायर्स हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में उपद्रव, कर्फ्यू और दंगा नहीं होते। कोई माफिया खुली जीप में पिस्टल लहराकर किसी को धमका नहीं सकता और बेटी व व्यापारी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। 15 लाख करोड़ रुपए के प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है और साढ़े सात लाख करोड़ रुपए के उद्योग बहुत जल्द धरातल पर उतरने जा रहे हैं।

भदोही के कालीन का दुनिया में बढ़ा कारोबार

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हताशा और निराशा थी। दंगा, कर्फ्यू, उपद्रव और माफियागिरी के कारण कारोबार का माहौल नहीं था। कारीगर को काम नहीं मिलता था और देशी-विदेशी खरीदार भी नहीं आते थे। सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना में भदोही के कालीन को शामिल कर कारीगरों को तकनीक, डिजाइन और बाजार से जोड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास नगर और सिल्क क्लस्टर से 6,100 करोड़ रुपए का निर्यात हो रहा है। देश के कुल कालीन निर्यात में संत रविदास नगर, मिर्जापुर और वाराणसी के सिल्क क्लस्टर की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। अकेले संत रविदास नगर में 2,500 एमएसएमई यूनिट हैं, जिनका वार्षिक टर्नओवर 10 हजार करोड़ रुपए है। इस उद्योग से पांच लाख से अधिक लोगों को सीधे रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि जनपद में निर्मित 90 प्रतिशत कालीन अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन समेत विभिन्न देशों को निर्यात किए जाते हैं। भदोही के हस्तनिर्मित कालीन को जीआई टैग भी मिला है। कारपेट और टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में तकनीकी शिक्षा, डिजाइनिंग और डाइंग के प्रशिक्षण के लिए भदोही में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी स्थापित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी का सीधा लाभ कालीन उद्योग को मिल रहा है।

'मेक इन इंडिया' के नाम पर पैदा हुई तानाशाही को खत्म कर देंगे : उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को मुंबई में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के कामकाज पर सीधा हमला बोला। ठाकरे ने पीएम मोदी की 'मेक इन इंडिया' पहल का जिक्र करते हुए कहा, "जब वे पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने 'मेक इन इंडिया' की घोषणा की। हमने उस विजन का समर्थन किया। लेकिन अगर आप 'मेक इन इंडिया' के नाम पर तानाशाही पैदा कर रहे हैं, तो हम आज यहां उस तानाशाही को दफनाने के लिए खड़े हैं। 'मेक इन इंडिया' के तहत बाकी सब ठीक है, लेकिन अगर आप तानाशाह बनने की कोशिश करते हैं, तो समझ लीजिए कि आपकी तानाशाही दफन हो गई है।" शिवसेना (यूबीटी) द्वारा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख (मनसे) राज ठाकरे के साथ मुंबई में आयोजित 'गर्जना मोर्चा' को संबोधित करते हुए, उद्धव ठाकरे ने व्यवस्थित चुनावी धांधली और लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार और ईसीआई पर तीखा हमला किया। उन्होंने इस प्रदर्शन को "भारत के संवैधानिक ढांचे और नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान" के रूप में परिभाषित किया और चेतावनी दी कि यदि संस्थागत अतिक्रमण जारी रहा तो जनता का असंतोष जल्द ही सड़कों पर उतर सकता है। उद्धव ठाकरे ने मतदाता सूची में हेराफेरी को लेकर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि देशभर में 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारी भीड़ से पूछा, "यह आंकड़ा महाराष्ट्र की पूरी आबादी के बराबर है।

म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जयशंकर ने समझाया नया वर्ल्ड ऑर्डर, कहा-

अब विचार नहीं, साझा हितों से बन रहे गठबंधन

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका-चीन मुकाबले पर कहा कि दुनिया 'गोल्डीलॉक्स सिनेरियो' में है, जहां हालात न ज्यादा गर्म हों न ज्यादा ठंडे। उन्होंने कहा कि उभरती और मध्यम ताकतें अब अपने विकल्प बढ़ाने और जोखिम कम करने पर फोकस कर रही हैं और हितों में सीधा टकराव न होने पर वे आपस में सहयोग को तैयार हैं, जिसका उदाहरण 'क्वाड' है।जयशंकर ने कहा कि खासकर अमेरिका और चीन के बीच मुकाबले के संदर्भ में देखें, तो मुझे लगता है कि हम उस स्थिति की ओर देख रहे हैं जिसे अक्सर 'गोल्डीलॉक्स सिनेरियो' कहा जाता है। यानी आप नहीं चाहते कि हालात बहुत ज्यादा गर्म हों, न ही बहुत ज्यादा ठंडे। आप चाहते हैं कि स्थिति इन दोनों के बीच सही संतुलन में रहे तो ऐसे में उभरती हुई और मध्यम ताकत वाले देशों के लिए क्या स्थिति बनती है?

जयशंकर ने कहा कि अब इस तरह के सहयोग के कुछ उदाहरण देखते हैं। एक उदाहरण, जिससे ज्यादातर भारतीय अच्छी तरह परिचित होंगे और राजदूत महोदय, आपने भी हिंद-प्रशांत का जिक्र किया, वह है 'क्वाड'। अगर आज हम समुद्री क्षेत्र और हिंद-प्रशांत को देखें, तो 'क्वाड' एक ऐसा उदाहरण है, जहां उभरती और मध्यम ताकतें एक स्थापित बड़ी ताकत के साथ मिलकर सहयोग कर रही हैं।

ऐसे ही आईएमईसी पहल (इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर), इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर या पोलर रूट (नॉर्दर्न सी रूट), ये सभी सहयोग के विषय हो सकते हैं। अगर आप ग्लोबल ऑर्डर में अपनी आवाज को मजबूत करने के नजरिए से देखें, तो 'ब्रिक्स' एक अच्छा उदाहरण है। असल में 'ब्रिक्स' इस बात का उदाहरण है कि आज कई देश महसूस करते हैं कि उनकी सामूहिक आवाज उनकी अलग-अलग आवाजों की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत है। अगर मैं रिसोर्स या टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की बात करें तो 'पैक्स सिलिका' एक नया उदाहरण है। अगर आप ग्लोबल भलाई के नजरिए से बड़े पैमाने पर सोचें, तो इंटरनेशनल सोलर अलायंस या कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजीलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) जैसे उदाहरण हैं। इन दोनों की शुरुआत भारत ने की थी और ये बहुत सफल रहे हैं; जैसे आज आईएसए के 100 से ज्यादा सदस्य हैं।

अमेरिका-चीन संग सहयोग बढ़ाने की दिशा में देश

जयशंकर ने कहा कि मेरा मानना है कि आज इनमें से ज्यादातर देश हर तरह से अपने विकल्प बढ़ाने और जोखिम कम करने पर ध्यान दे रहे हैं। यह सिर्फ उनकी अर्थव्यवस्था या सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अपनी सप्लाई चेन को भी ज्यादा मजबूत और भरोसेमंद बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कई मायनों में ये देश नई व्यवस्थाएं तैयार कर रहे हैं और अलग-अलग मुद्दों के आधार पर सहयोग बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उभरती हुई और मध्यम ताकतों के लिए साथ काम करने का आधार एक हद तक विचारों और हितों में समानता होना चाहिए और शायद पहले से ऐसा हो भी रहा है। मुझे लगता है कि वे दिन अब पीछे छूट गए हैं, जब देशों के विचार बिल्कुल एक जैसे होना या उनके हितों में बहुत ज्यादा समानता होना जरूरी माना जाता था। आज के समय में यह उम्मीद कुछ ज्यादा ही है। अगर देशों के बीच सहयोग के लिए पर्याप्त साझा मुद्दे हैं, तो उनके लिए मिलकर काम करने के लिए इतना ही काफी है। उन्होंने कहा कि जोखिम कम करने, विकल्प बढ़ाने और अलग-अलग रास्ते खुले रखने की इस प्रक्रिया में धीरे-धीरे एक नया ढांचा तैयार हो रहा है। अब सवाल यह है कि कौन किसके साथ सहयोग करेगा। उभरती हुई और मध्यम ताकतों के बीच अगर हितों का सीधा टकराव नहीं है, तो स्वाभाविक है कि वे आपस में सहयोग मजबूत करना चाहेंगी। साथ ही, यह भी स्वाभाविक है कि वे अमेरिका के साथ और निश्चित रूप से चीन के साथ भी सहयोग करेंगी।

एसआईआर रद्द हो और बैलट पेपर पर चुनाव कराए जाएं : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने रविवार को मुंबई में गर्जना मोर्चा में महाराष्ट्र में एसआईआर को रद्द किए जाने और सभी चुनाव बैलट पेपर पर कराए जाने की मांग की। इससे पूर्व शिवसेना यूबीटी और मनसे का गर्जना विरोध मार्च मेट्रो सिनेमा से शुरू होकर मुंबई नगरपालिका, आजाद मैदान तक गया। राज ठाकरे आज शिवसेना यूबीटी और मनसे की ओर से आजाद मैदान में आयोजित गर्जना मोर्चा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोरात आधि उपस्थित थे। मनसे अध्यक्ष राज ने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में अचानक 40 से 60 लाख वोटर बढ़ गए। इसके बाद एसआईआर के नाम पर महाराष्ट्र में दो करोड़ और पूरे देश में १ * करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए। सब मनमानी तरीके से हो रहा है। सत्ता में जो बैठे हैं, उनसे कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन वे किस तरीके से सत्ता में बैठे हैं, उसे लेकर नाराजगी है।

सैनिक का पार्थिव शरीर लेकर लौट रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त

पुत्र समेत चार लोगों की मौत

- **एक ही परिवार में जवान की मौत के बाद बेटे समेत तीन अन्य की जान गई, रुद्रपुर में पसरा मातम**

एजेंसी। देवरिया

चंडीगढ़ से सेना के जवान सूबेदार सत्यवान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया आ रही एंबुलेंस रविवार सुबह सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एंबुलेंस में सवार जवान के पुत्र राहुल सिंह, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी, उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह और चालक जसपाल की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार में पहले जवान की मौत और इसके बाद उनके पुत्र समेत तीन अन्य लोगों की सड़क हादसे में मौत से रुद्रपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, देवरिया जिले के रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के गहिला-दुधैला गांव निवासी सत्यवान सिंह (50) सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) के पद पर मेरठ में तैनात थे। शुक्रवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें आर्मी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उनका पार्थिव शरीर एंबुलेंस से पैतृक गांव रुद्रपुर लाया जा रहा था।

बताया गया कि एंबुलेंस में चालक जसपाल के अलावा सत्यवान सिंह के पुत्र राहुल सिंह, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी और उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह सवार थे। रविवार सुबह सुलतानपुर जिले के हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अचानक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही परिवार और परिचितों में कोहराम मच गया। जिस परिवार में कुछ ही घंटे पहले सत्यवान सिंह के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, उसी परिवार को उनके पुत्र राहुल सिंह की मौत की खबर ने झकझोर दिया। परिवार के तीन अन्य सदस्य निजी वाहन से एंबुलेंस के पीछे आ रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही वे घटनास्थल की ओर रवाना हुए। हादसे में जान गंवाने वाले राम सुमित सिंह रुद्रपुर क्षेत्र के तरसारा डाकघर में बड़े बाबू के पद पर कार्यरत थे। उनके निधन की खबर मिलते ही डाक विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में शोक छा गया।

केरल के गृह मंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े 2006 के मामले में जांच के दिए आदेश

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विजिलेंस जांच के नए आदेश दिए। यह जांच राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान लगे आरोपों से जुड़ी है और इसके लिए कांग्रेस नेता मलयिनकीझु वेणुगोपाल ने याचिका दायर की थी। यह मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर लीसी बीन से जुड़ा है, जिन्होंने नवंबर 2006 में केरल से लौटने के बाद कुआलालंपुर में आत्महत्या कर ली थी। वह पीएचीआई-बीईएल कंसोर्टियम से जुड़े थे, जो केरल राज्य परिवहन परियोजना (केएसटीपी) के तहत एमसी रोड को अपग्रेड करने का काम कर रहा था। खबरों के अनुसार, इंजीनियर के कथित सुसाइड नोट में कुमार का नाम था, जो उस समय पीडब्ल्यूडी सचिव के पद पर थे। यह मामला परियोजना से जुड़ी कथित अनियमितताओं और इन दावों से संबंधित है कि बाहरी दबाव के कारण 2006 में की गई शुरुआती विजिलेंस जांच पटरी से उतर गई थी। इन आरोपों पर कार्रवाई करते हुए राज्य के गृह विभाग ने विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो (वीएसीबी) द्वारा पहले की गई जांच से जुड़ी सभी संबंधित फाइलें मांगी हैं।

लखनऊ में 2,250 रुपए के लिए दोस्त की बिजली का करंट देकर की हत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने सचिन उर्फ राजा उर्फ रामधीरज की हत्या के मामले में 26 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शराब पीने के बाद बेहोश होने पर सचिन की बिजली के करंट का झटका देकर मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस के अनुसार, 1 अक्टूबर को लखनऊ के बिजनौर पुलिस स्टेशन इलाके में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि उसके बेटे सचिन की हत्या बिरजू, तेजू और अन्य साथियों ने गला घोंटकर और बिजली का झटका देकर कर दी है।

पंजाब की हालत के लिए 'आप' जिम्मेदार कांग्रेस एक्सपायर्ड इंजेक्शन : तरुण चुघ

एजेंसी। गांधीनगर

भाजपा के राज्यसभा सदस्य तरुण चुघ ने पंजाब में ड्रग्स की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "आज पंजाब भयानक स्थिति में है, इसके लिए आम आदमी पार्टी की सरकार जिम्मेदार है। पूरा पंजाब भय के वातावरण में है। मुख्यमंत्री भगवंत मान केजरीवाल की खुशामद में मस्त हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही पंजाब के अंदर परफॉर्मेंस देने से चूक गई हैं। तरुण चुघ ने आईएएनएस से कहा कि कांग्रेस पार्टी में इस समय रस्साकस्सी चरम पर है। जब-जब कांग्रेस ने चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन किया, तब-तब कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है। वही हाल परगट सिंह को अध्यक्ष बनाने के बाद भी वहां होने वाला है। आज पंजाब में कांग्रेस एक एक्सपायर्ड इंजेक्शन की तरह है। पंजाब में कांग्रेस पार्टी तीसरे नंबर पर है। बता दें कि कांग्रेस ने 2 अक्टूबर को जालंधर कैंट से विधायक और पूर्व ओलंपियन परगट सिंह को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

आज कल

त्रिपुरा निकाय चुनाव — ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में पुरुष मतदाताओं से ज्यादा महिला मतदाता

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में महिलाओं का दबदबा

एजेंसी। अगरतला

राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा में 21 शहरी स्थानीय निकायों के आगामी चुनावों के लिए जारी मतदाता सूची के ड्राफ्ट में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है। 21 शहरी स्थानीय निकायों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के अनुसार, रजिस्टर्ड वोटर्स की कुल संख्या 6,31,388 है, जिसमें 3,22,360 महिलाएं, 3,08,983 पुरुष और 45 थर्ड-जेंडर वोटर्स शामिल हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में हर 1,000 पुरुषों पर 1,043 महिलाओं का लिंगानुपात दिखता है। एसईसी सचिव अनुराग सेन ने कहा कि 8 अक्टूबर तक ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर दावों और आपत्तियों को अंतिम रूप देने के बाद 15 अक्टूबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी।अगरतला नगर निगम सहित 21 शहरी नागरिक निकायों में से केवल सिपाहीजाला जिले के बिश्रामगंज नगर पंचायत और मेलाघर नगर परिषद में महिला वोटर्स की तुलना में पुरुष वोटर्स की संख्या ज्यादा, क्रमशः 147 और 119 वोटर्स, हैं। अगरतला नगर निगम में 1,85,099 महिला वोटर्स, 1,77,497 पुरुष और 36 थर्ड-जेंडर वोटर्स हैं। सेन ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने अगरतला नगर निगम सहित 21 शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि अगरतला नगर निगम और 20 अन्य शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव इस साल दिसंबर तक कराए जाने हैं।नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में होने वाले आगामी चुनावों से पहले, एसईसी ने पोलिंग स्टेशनों की फाइनल लिस्ट जारी की है। फाइनल लिस्ट में 783 पोलिंग स्टेशन शामिल हैं, जिनमें अगरतला नगर निगम, 13 नगर परिषद और सात नगर पंचायतें आती हैं। अगरतला नगर निगम में सबसे ज्यादा 439 पोलिंग स्टेशन हैं। आठ जिलों में फैले 21 शहरी स्थानीय निकायों में लगभग नौ लाख लोग रहते हैं। इन नौ लाख लोगों में से चार लाख से ज्यादा लोग अगरतला नगर निगम क्षेत्रों में रहते हैं। अगरतला नगर पालिका, जिसका नाम बाद में बदलकर अगरतला नगर निगम कर दिया गया, की स्थापना 1871 में तत्कालीन राजा महाराजा चंद्र माणिक्य (1862-96) के शासनकाल में हुई थी।

दृष्टिपात

भारत में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा उर्दू नहीं

नई दिल्ली। जब भारत में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं की बात आती है तो हिंदी आमतौर पर सूची में सबसे ऊपर होती है। लेकिन दूसरी भाषा कौन सी है? आम धारणा के उलट वह उर्दू नहीं है। 2011 की आधिकारिक जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक बंगाली भारत की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इसके बाद मराठी और तेलुगु का स्थान आता है। यह आंकड़े भारत की बड़ी भाषाई विविधता को भी दर्शाते हैं। यहां लाखों लोग अलग-अलग क्षेत्र और भाषा परिवारों की भाषाएं बोलते हैं। हिंदी पहले स्थान पर आती है और भारत की लगभग 43.63% आबादी इसे अपनी मातृभाषा बताती है। जनगणना में लगभग 528.3 मिलियन मूल वक्ता दर्ज किए गए हैं। जनगणना का वर्गीकरण का एक बड़ा पहलू यह है कि हिंदी भाषा श्रेणी के अंतर्गत कई बोलियों और भाषाई रूपों को शामिल किया गया है। इनमें भोजपुरी, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी और हिमाचली जैसी 50 से ज्यादा बोलियां शामिल हैं। बांग्ला भारत की दूसरी सबसे बड़ी भाषा है। यह लगभग 8.03% आबादी द्वारा बोली जाती है। इसके वक्ताओं की संख्या लगभग 97.2 मिलियन है। पश्चिम बंगाल इसका मुख्य केंद्र है। लेकिन बंगाली त्रिपुरा, असम की बराक घाटी और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी बड़े पैमाने पर बोली जाती है। बंगाली को भारत सरकार से शास्त्रीय भाषा का दर्जा भी मिला है।

नमाज पढ़ी फिर पीछे से जोरदार हमला किया कैप्टन स्मित ने नेतन्याहू को बताई कहानी

नई दिल्ली। फ्लाइट के 174 यात्रियों की जान बचाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बातचीत की। इस दौरान कैप्टन मच्छर ने उस दिन फ्लाईदुबई विमान के कॉकपिट में हुई पूरी घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कैप्टन स्मित मच्छर ने बताया कि उड़ान बिल्कुल सामान्य तरीके से चल रही थी। इसी दौरान को-पायलट ने प्रार्थना यानी नमाज पढ़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि वहां कई लोग प्रार्थना करते हैं, इसलिए उन्हें यह बात असामान्य नहीं लगी। कैप्टन मच्छर के मुताबिक, को-पायलट जब प्रार्थना कर रहा था, तब सम्मान के तौर पर वह पीछे की ओर नहीं देख रहे थे। करीब 4 से 5 मिनट बाद अचानक उनके सिर के पीछे जोरदार प्रहार हुआ। शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद विमान को कोई बड़ा नुकसान हुआ है और कोई गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने बताया कि इसके बाद एक के बाद एक कई वार किए गए। तभी उन्हें एहसास हुआ कि विमान में तकनीकी खराबी नहीं हुई है, बल्कि कॉकपिट में मौजूद दूसरा व्यक्ति ही उन पर हमला कर रहा है। कैप्टन मच्छर ने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बताया कि उस समय उन्हें समझ आ गया था कि स्थिति बेहद गंभीर है। इसके बावजूद उन्होंने विमान को संभालने और उसमें सवार सभी 174 यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा।

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना राहुल की आदत, सीईसी पर आरोप राजनीति : अर्जुन

बीकानेर। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर लग रहे आरोपों को लेकर कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार पलटवार किया है। बीकानेर में पत्रकारों से बात करते हुए मेघवाल ने कहा, "सीईसी ने सब कुछ पूरी तरह साफ कर दिया है। यह सब राजनीतिक कारणों से हो रहा है, वे हमारे मुख्य चुनाव आयुक्त पर आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे भारत की अच्छी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करें जो अच्छा काम कर रही हैं। इसके अलावा, न तो उनका कोई और मकसद है और न ही कोई असली मुद्दा।" उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण को लेकर जो सवाल उठाए हैं, विपक्ष उनका जवाब नहीं दे रहा है। मेघवाल ने कहा, "सीईसी ने पूछा था कि क्या जो वोटर अब जीवित नहीं हैं, यानी जिनका निधन हो चुका है, उन्हें वोटर लिस्ट में बने रहना चाहिए, लेकिन वे इसका जवाब नहीं देते। क्या जो लोग कहीं और चले गए हैं, उन्हें लिस्ट में बने रहना चाहिए? वे इसका भी जवाब नहीं देते। आरोप लगाना, झूठ बोलना और भाग जाना, यही उनकी फितरत बन गई है। दरअसल, विपक्ष लगातार चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और चुनाव में धांधली के आरोप लगा रहा है।

कर्नाटक : बेलगावी में वोटर लिस्ट से 198 मुस्लिम वोटर्स के नाम हटाने का आरोप

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट से नाम हटाने के मामले में सियासी घमासान मचा हुआ है। इस मामले में भाजपा नेता डॉ रवि पाटिल को गिरफ्तारी के डर से राहत मिल गई है। बेलगावी की दूसरी अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी है। दरअसल, डॉ रवि पाटिल पर 198 मुस्लिम वोटर्स के नाम एसआईआर के जरिए डिलीट कराने का आरोप लगा था। इस मामले में डॉ रवि पाटिल समेत 20-25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। डॉ रवि बी पाटिल ने वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बेलगावी उत्तर (बेलगाम उत्तर) निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उनके खिलाफ मार्केट पुलिस स्टेशन में वार्ड 12 के बीएलओ की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया था। केस दर्ज होते ही भाजपा नेता डॉ। रवि पाटिल अंडरग्राउंड हो गए थे। मार्केट पुलिस स्टेशन अपराध संख्या 218/2026 के तहत डॉ. रवि पाटिल, विजय हॉस्पिटल के स्टाफ प्रशांत मुंदिनमनी और शंकर नायक समेत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

साइबर हमलों से बैंकों के ग्राहकों का डेटा लीक, दक्षिण कोरियाई ने दिए जांच के आदेश

सोल। दक्षिण कोरिया में हाल में हुए साइबर हमलों में हाना बैंक, केबी कूकमिन बैंक और शिनहान बैंक समेत कई वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों की जानकारी लीक होने के मामले सामने आने के बाद रविवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने संस्थानों पर हुए लगातार साइबर हमलों की पूरी जांच करने का आदेश दिया। इन हमलों में ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, राष्ट्रपति की प्रवक्ता कांग यू-जुंग ने एक प्रेस रिलीज में कहा, "राष्ट्रपति ली को हाल में वित्तीय और सरकारी संस्थानों में हुए डेटा लीक और उनसे निपटने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने अधिकारियों को इस मामले को गंभीरता से लेने, पूरी जांच करने और समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है। गुरुवार को शिनहान बैंक ने बताया कि उसके करीब 25 हजार ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है। इसमें ग्राहकों के नाम, फोन नंबर और सालाना आय जैसी जानकारियां शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक, बैंक पर हमला करने वाले हैकरों ने एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का इस्तेमाल किया था।

सना में सऊदी अरब का बड़ा हवाई हमला हूती समूह के ठिकानों को बनाया निशाना

रियाद। यमन में हूती समूह के कब्जे वाली राजधानी सना में शनिवार देर रात कई जोरदार धमाके हुए। हूती के अल-मसीरा टीवी की जानकारी के अनुसार, सऊदी अरब ने शहर पर एक बार फिर हवाई हमले किए हैं। सना के एक निवासी ने सन्हिुआ न्यूज एजेंसी को बताया कि आसमान में लड़ाकू विमानों की आवाज सुनाई दे रही थी और पूरे शहर में जोरदार धमाके हो रहे थे। धमाकों की वजह से खिड़कियां हिलने लगीं और इमारतों में भी कंपन महसूस हुआ। स्थानीय निवासी ने कहा, "धमाके इतने तेज थे कि हमारे पैरों के नीचे जमीन हिलने लगी। ऐसा लगा जैसे भूकंप आया हो। हमारी खिड़कियां कांप रही थीं और बच्चे डरकर जाग गए। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन हवाई हमलों में हूती समूह के ठिकानों को निशाना बनाया गया। फिलहाल इस हमले में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। इससे पहले शनिवार को हूती समूह ने दावा किया था कि उसने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अरामको की एक फैसिलिटी पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। हूती ने कहा कि यह हमला यमन पर सऊदी अरब के तेज हुए हमलों के जवाब में किया गया। सन्हिुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों के दौरान यमन में 60 हवाई और मिसाइल हमले किए गए।

आरक्षण पर वाघेला का 'कचरा दांव'

सामाजिक अपमान या गुजरात में नई बहुजन राजनीति ?

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। राजनीति में भाषा जब अचानक अनगढ़ व आक्रामक हो जाए, तो समझ लेना चाहिए कि निशाना कोई तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि सत्ता के लिए नई व्यवस्था है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला द्वारा सागबारा के आदिवासी मंच से यह कहना कि 'पटेल, बनिया और ब्राह्मण यदि कचरा उठाएं तो वे उन्हें 50 हजार रुपए महीना देंगे', किसी बुजुर्ग नेता (86 वर्षीय) की जीभ फिसलना नहीं है। यह गुजरात के उस शांत सामाजिक सागर में जानबूझकर फेंका गया विस्फोटक है, जिससे वे एक खास किस्म का सामाजिक असंतोष उबालना चाहते हैं । इस बयान के गर्भ में छिपे दो सबसे बड़े बुनियादी सवाल हैंः पहला, भारतीय समाज में योग्यता और अधिकार का मापदंड क्या है और दूसरा, क्या गुजरात का बहुजन समाज मौजूदा सत्ता तंत्र द्वारा खुद को छला हुआ महसूस कर रहा है?

'आर्थिक आधार' और 'योग्यता' का दांव

सवर्ण समाज की तरफ से आरक्षण का विरोध हमेशा 'आर्थिक आधार' और 'योग्यता' के नाम पर किया जाता रहा है। वाघेला ने ठीक इसी दलील की जड़ पर कुल्हाड़ी चलाई है।उनका तर्क यह है कि आरक्षण कोई गरीबी हटाने का पैकेज नहीं है, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की भरपाई है जो एक वर्ग विशेष पर थोपा गया। 50 हजार रुपए की पेशकश करके उन्होंने सीधे तौर पर यह चुनौती दी है कि अगर सारा झगड़ा केवल पैसे और आजीविका का है, तो क्या विशेषाधिकार प्राप्त जातियां उस अमानवीय काम को अपनाने के लिए तैयार हैं, जिसे दलित और शोषित समाज पीढ़ियों से 'अपनी नियति' मानकर करने को मजबूर किया गया? यहाँ वाघेला उस दांव को आजमाना चाहते हैं जिसे मायावती शुरूआती दौर में आजमाती थी कि जाति केवल श्रम का विभाजन नहीं है, बल्कि श्रमिकों का श्रेणीबद्ध विभाजन है, जहाँ प्रतिष्ठा पहले से तय है।

क्या इतिहास ऐसा है या भाजपा के शासन में ही वंचितों से छल हुआ है?

वाघेला का निशाना गांधीनगर व दिल्ली के सत्ता प्रतिष्ठान की ओर है। इस बयान के पीछे बढ़ती हिंदू एकता को तोड़ने की गंभीर कूटनीति हैः

1. प्रतीकों का सम्मान बनाम संसाधनों की लूटः जिस सागबारा (नर्मदा) की धरती पर यह बयान दिया गया, वह देश के सबसे बड़े आदिवासी वनाधिकार संघर्ष का केंद्र है। भाजपा शासन ने प्रतीकात्मक राजनीति में राष्ट्रपति पद से लेकर बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं तक आदिवासियों को आगे रखा, जबकि आरोप है कि जंगल, जमीन और जल के अधिकार कॉरपोरेट परियोजनाओं और पर्यटन के नाम पर छीने जा रहे हैं। वाघेला इसी विसंगति को 'छलावा' कह रहे हैं—कि पूजा प्रतीकों की हो रही है, लेकिन बेदखल इंसान हो रहे हैं।

2. बिना संविधान बदले आरक्षण का खात्माः सरकारी तंत्र में निजीकरण की अंधी दौड़, तृतीय-चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में आउटसोर्सिंग (ठेका प्रथा) और उच्च शिक्षण संस्थानों में रोस्टर की तकनीकी बाजीगरी ने आरक्षित वर्ग के पढ़े-लिखे युवाओं में यह बात बैठा दी है कि सरकारी नौकरियों के दरवाजे पिछले दरवाजे से बंद किए जा रहे हैं। इसे ही वाघेला सत्ता द्वारा किया गया छल मानते हैं—कि कागजों पर आरक्षण बरकरार है, पर नौकरियां ही खत्म की जा रही हैं।

3. सवर्ण-पूंजी गठजोड़ की मोनोपॉलीः गुजरात का मॉडल मूलतः हिंदू एकता से बंधे व्यापारिक और सवर्ण (पाटीदार-बनिया) पूंजी की धुरी पर टिका है। वाघेला का कहना है कि राज्य के 70 फीसदी बहुजन (ओबीसी, आदिवासी, दलित) आबादी केवल वोट बैंक हैं, नीति-निर्माण और सत्ता की मलाई पर आज भी उनका कब्जा नहीं है।

2027 का राजनीतिक चक्रव्यूहः भाजपा के सामने दोधारी तलवार-

वाघेला अपने आक्रामक रुख से भाजपा को उकसा रहे हैं।

पूर्व भाजपाई और अब मोदी के कट्टर विरोधी वाघेला जानते हैं कि यदि भाजपा उनके इस अपमानजनक बयान का तीखा विरोध करते हुए सवर्णों (पाटीदार, ब्राह्मण) के साथ खड़ी दिखती है, तो विपक्ष तुरंत उसे 'आरक्षण विरोधी और बहुजन विरोधी' घोषित कर देगा।

चुप रहना अपने ही कोर वोट को खोनाः देश में जैसी आरक्षण विरोधी हवा बनाई जा रही है उसमें यदि भाजपा खामोश रहती है, तो उसका तीन दशक पुराना निष्ठावान सवर्ण मतदाता खुद को असुरक्षित और उपेक्षित महसूस करेगा।

यज्ञेश दवे द्वारा वाघेला को '5 लाख लेकर घर की सफाई' करने का पलटवार इस बात का सबूत है कि वाघेला की बात ने उस दुखती रग को छुआ है जहां से तर्क खत्म होते हैं और अहंकार टकराता है।शंकर सिंह वाघेला ने गुजरात की राजनीति को 2027 के चुनाव से पहले भाजपा को 'सर्वसमावेशी' राजनीति से जातिगत दलदल के पुराने मैदान में खींच लाने की एक बेहद सोची-समझी कूटनीतिक चाल कितनी सफल होती है देखना है क्योंकि संविधान समानता के सिद्धांत पर आधारित है न कि पूर्व की घटनाओं के मुआवजे के लिए और आज के मशीनी युग में सर पर मैला ढोने की प्रथा है ही नहीं ।

अमेरिका ने न्यूयॉर्क से ईरान के दो राजनयिकों को निकाला

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया। दोनों संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे और महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्य (राजनयिक) न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को इस बारे में ईरानी मिशन सूचित किया।

इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया।

भारत और कनाडा के बीच होगी 5वें दौर की व्यापार वार्ता

नई दिल्ली । भारत और कनाडा सोमवार को ओटावा में अपने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के लिए पांचवें दौर की बातचीत शुरू करेंगे, क्योंकि दोनों पक्ष 2026 के अंत तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य रख रहे हैं। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के नेतृत्व में पांच दिवसीय दौर 9 अक्टूबर तक जारी रहेगा। पिछला दौर 18 सितंबर को नई दिल्ली में संपन्न हुआ था, और अब अधिकारी अंतिम समझौते की दिशा में तेजी से प्रगति पर जोर दे रहे हैं। व्यापार वार्ता को अतिरिक्त गति मिली है।

हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में बोले सीएम धामी

विपक्ष गढ़ता है मनगढ़ंत मुद्दे रैली में शराब की बोतलें फेंकी गईं थीं

एजेंसी । बनबसा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को पहली बार बनबसा में कैबिनेट बैठक की। इसके बाद समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि युवराज भारत की संस्कृति और भारत के संस्कार से अनभिज्ञ हैं, उनके व्यवहार में नहीं है, उनके संस्कार में नहीं है। नहीं तो जब प्रधानमंत्री बुजुर्ग माता को कुर्सी देते हैं तो वे उसकी कॉमेडी करते हैं। वह लीडर नहीं रह गए, कॉमेडियन बनना चाह रहे हैं और कॉमेडी बन गए हैं। अजीत डोभाल साहब हमारे देश के गौरव हैं, उत्तराखंड के लाल हैं। उन्होंने पूरा जीवन भारत की सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और भाई सुरक्षा में लगाया है। हमें गर्व हैं उन पर, उनके बारे में जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं, देशवासी या उत्तराखंड वासी इनको कभी माफ नहीं करेंगे। हमारे राज्य के जनरल बिपिन रावत, जो पहले सीडीएस थे, उनके बारे में गली के गुंडे जैसा शब्द का प्रयोग करना, उनकी पार्टी के लोग करते थे, उनके नेता करते थे। हल्द्वानी में अनुसूचित समाज के शिल्पकार भाई, वाल्मीकि भाई शुद्धि हवन करते हैं क्योंकि वहां पर जिहादी नारे लगते हैं। रैली में गंदगी होती है, शराब की बोतलें फेंकी जाती हैं और अन्य कूड़ा कचरा किया जाता है, उस इस मुद्दे कोराजनीतिक रूप दिया जाता है। हम किसी भी जाति और धर्म अपमान नहीं करते विपक्ष ने कार्यक्रम से पहले न कोई प्रेस विज्ञप्ति और न कोई वीडियो जारी किया था। दलित समाज के लोग उसमें शामिल थे। जब उसकी सच्चाई सामने आई, तो कांग्रेस पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। उनके पास कोई मुद्दे नहीं है, इसलिए मनगढ़ंत मुद्दे बनाते हैं। दो चार दिन बाद उनको मुंह की खानी पड़ती है। इस बार गलत लोगों का नाम हटाए जा रहे हैं, घुसपैठियों के वोट हटाए जा रहे हैं और जिनके तीन-चार जगह पर वोट हैं, उनको हटाया जा रहा है। ये लोग वोटों के चुनाव को प्रभावित करते थे।

नेपाल में टाइफस से 22 मरे, 90872 संक्रमित

काठमांडू। नेपाल के इनर मधेश के जिलों को दहला चुका स्क्रब टाइफस देशभर में फैल गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 से शनिवार तक नेपाल में 9,872 लोग स्क्रब टाइफस से संक्रमित पाए गए हैं। महामारी विज्ञान एवं रोग नियंत्रण महाशाखा के रोग निगरानी एवं अनुसंधान शाखा के प्रमुख हेमराज पाण्डे के अनुसार, डोल्पा, मनांग और मुगु को छोड़कर 74 जिलों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इस अवधि में स्क्रब टाइफस से 22 लोगों की मौत हो गई।

बलोचिस्तान की महिलाओं ने पाकिस्तानी सेना के 18 अधिकारी मार गिराए

एजेंसी । नई दिल्ली

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान, 04 अक्टूबर (हि.स.)। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) की महिला शाखा करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीजन और हरावल दस्ते की कुर्बान यूनिट ने पहली अक्टूबर को संयुक्त रूप से वाशक के मशकिल गुरिंदर इलाके में फ्रंटियर कोर (एफसी) की 58वीं विंग के मुख्य मिलिट्री कैंप को हमला कर तबाह कर दिया। इस दौरान कैंप के 18 अधिकारी मारे गए। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने दावा किया कि कैंप को घेर कर रॉकेट, ग्रेनेड लॉन्चर और स्वचालित हथियारों से हमला किया गया। इस हमले में पाकिस्तान सेना के 18 अधिकारी मारे गए और कई घायल हो गए।

इस दौरान सेना के रई जवान कैंप छोड़कर भाग गए। सेना की मदद के लिए पहुंचे अतिरिक्त बल को भी निशाना बनाया गया। इस दौरान कई जवान मारे गए। अतिरिक्त बल को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया गया। बलोच ने कहा कि सेना मृतकों की संख्या छुपा रही है, लेकिन बाद में सेना ने शव हेलीकॉप्टर से पंजगुर पहुंचाए।

भदोही बना संत रविदास नगर दलित-राजभर को संदेश, सीएम योगी ने एक नाम में जोड़ी दो विरासत

एजेंसी । संत रविदास नगर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भदोही को 'संत रविदास नगर भदोही' नाम देने की बात दोहराकर इतिहास के साथ राजनीतिक संदेश भी दिया है। संत रविदास का नाम जिले की पहचान में वापस लाने से दलित समाज की आस्था और सम्मान जुड़ा है, वहीं 'भदोही' को बरकरार रखने से भार राज से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान भी कायम रहेगी। पूर्वांचल के सामाजिक समीकरण में अहम दलित और राजभर समाज के लिहाज से भी इस फैसले के मायने हैं। सीएम योगी ने पहली बार 29 जुलाई 2026 को वाराणसी में भदोही का नाम बदलने की घोषणा की थी। रविवार को भदोही की धरती से उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट किया कि जनपद 'संत रविदास नगर भदोही' के नाम से जाना जाएगा।

112 प्रोजेक्ट्स का किया शुभारंभ

दरअसल, योगी आदित्यनाथ भदोही में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने 1,340 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 112 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण का किया शुभारंभ : वहीं सीएम योगी ने एक्स हैंडल पर लिखा, "जनपद भदोही में आज एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हस्तनिर्मित कालीन व्यापार मेला 'इंडिया कारपेट एक्सपो' के स्वर्ण जयंती संस्करण का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कालीन उद्योग से जुड़े निर्यातकों, विक्रेताओं एवं प्रमुख उद्यमियों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री 1,340 करोड़ रुपए से अधिक की 112 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने 30 जून 1994 को वाराणसी से अलग कर भदोही को नया जनपद बनाया। इसके तीन साल बाद 4 दिसंबर 1997 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के सम्मान में भदोही का नाम बदलकर 'संत रविदास नगर' करने का नोटिफिकेशन जारी किया। करीब 17 साल बाद 6 दिसंबर 2014 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कैबिनेट की बैठक के माध्यम से 'संत रविदास नगर' का नाम बदलकर फिर 'भदोही' कर दिया। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'संत रविदास नगर' और 'भदोही' दोनों को जिले के नाम में स्थान दिया है। भदोही का इतिहास जिला बनने से सदियों पुराना है। जिला प्रशासन के आधिकारिक इतिहास के अनुसार इसका नाम यहां के 'भार राज्य' से पड़ा, जिसने भदोही को अपनी राजधानी बनाया था। क्षेत्र में भार शासकों से जुड़े पुराने टीले और तालाब भी बताए गए हैं। अकबर के शासनकाल में भदोही को दस्तुर बनाकर इलाहाबाद (प्रयागराज) सरकार में शामिल किया गया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को रामगढ़ स्थित जिमखाना क्लब जाकर आचार्य मृदुल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा प्रस्तुत श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया।

सेल के एमटीआई में अधिकारियों और कर्मियों ने किया श्रमदान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई), रांची में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यपालक निदेशक (एमटीआई एवं एसएसओ) संजय धर ने अधिकारियों एवं कर्मियों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक कर की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक कार्य-संस्कृति का हिस्सा बनाना जरूरी है। इसके बाद अधिकारियों एवं कर्मियों ने एमटीआई परिसर और आसपास स्थित श्यामली कॉलोनी में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर एमटीआई के मुख्य महाप्रबंधक श्रीमंत मल्लिक ने कहा कि स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अपने कार्यस्थल और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एमटीआई के अधिकारियों और कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस पर समारोह को आयोजन

माता-पिता को वृद्धाश्रम नहीं, परिवार में दें सम्मान : राधाकृष्ण किशोर

नवीन मेल संवाददाता

- **वित्त मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस पर बुजुर्गों की सेवा को बताया संतान का कर्तव्य**
- **नगड़ी के ओल्ड एज होम में बुजुर्गों को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित, अनाथ बच्चों को भी मिला स्नेह**

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि माता-पिता की सेवा करना संतान का कर्तव्य है। वृद्धावस्था में उन्हें वृद्धाश्रम भेजने के बजाय परिवार में सम्मान के साथ रखने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने यह बात रविवार को नगड़ी स्थित विहार समाज कल्याण संस्थान के ओल्ड एज होम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मां-बाप जीवन के सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं। उनके लालन-पालन, संस्कार और मार्गदर्शन से ही संतान जीवन में आगे बढ़ती है। सभ्य समाज में वृद्धाश्रम की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। संयुक्त परिवार के टूटने और बिखरने से वृद्धाश्रम की जरूरत पैदा होती है। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में माता-पिता की सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव से अपनी संस्कृति को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आनेवाले समय में हम सभी भी वृद्धावस्था में पहुंचेंगे, इसलिए बुजुर्गों की पीड़ा और जरूरतों को समझना जरूरी है।

मंत्री ने संस्थान की ओर से बुजुर्गों की सेवा को सराहनीय बताया। कहा कि रांची के उपायुक्त सहित प्रशासनिक अधिकारी भी समय निकालकर वृद्धाश्रम पहुंचते हैं और बुजुर्गों की सेवा करते हैं। जब अधिकारी बुजुर्गों के लिए समय निकाल सकते हैं तो संतान अपने माता-पिता की सेवा क्यों नहीं कर सकती। समारोह में नगड़ी प्रखंड की आंगनबाड़ी सेविकाओं ने झारखंडी रीति-रिवाज से अतिथियों का स्वागत किया। वित्त मंत्री ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया। अनगड़ा प्रखंड के सेहदा गांव से पहुंचे महर्षि वाल्मीकि पब्लिक स्कूल के अनाथ बच्चों को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण अमोल चक्रवर्ती, संचालन प्रकाश कुमार और धन्यवाद ज्ञापन पंकज कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कुंदन कुमार, प्रखंड बाल विकास पदाधिकारी लक्ष्मी भारती, रांची ग्रामीण दुर्गापूजा समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी तपेश्वर केसरी, संस्थान के सचिव पंकज कुमार सिन्हा, हाजी शाकिर अहमद, लक्ष्मी नारायण सिंह, प्रदीप सिंह, रामकुमार केशरी, पूनम कुमारी सहित आश्रम के सभी बुजुर्ग मौजूद थे।

एसआईआर, एमएमडीआर व ओबीसी कॉलम के मुद्दे पर राजद ने फूंका पुतला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत रविवार को रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल की ओर से एसआईआर, एमएमडीआर विधेयक और जातीय जनगणना के प्रारूप से ओबीसी कॉलम हटाए जाने के विरोध में पुतला दहन किया गया। धुर्वा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले का दहन किया गया। कार्यक्रम में राजद प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव, महासचिव मनोज पांडेय, रामकुमार यादव, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र महतो और ऊषा यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की घोषणा पार्टी ने पहले ही की थी। राजद प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि एमएमडीआर विधेयक लागू होने से झारखंड सरकार को प्रतिवर्ष करीब 13 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इससे मंईयां सम्मान योजना समेत राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार राज्यों के अधिकारों का हनन कर रही है। एसआईआर को लेकर यादव ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने तथा बिहार, पश्चिम बंगाल समेत एसआईआर के कारण प्रभावित राज्यों में दोबारा मतदान कराने की मांग की। एसआईआर को लेकर देशभर में राजनीतिक विवाद जारी है और चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत किया जा रहा है। यादव ने जातीय जनगणना के प्रारूप से ओबीसी कॉलम हटाए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद केंद्र सरकार जातीय जनगणना के लिए तैयार हुई, लेकिन ओबीसी कॉलम हटाना जनहित में उचित नहीं है। राजद ने घोषणा की कि इन मुद्दों को लेकर 8 अक्टूबर को धुर्वा बस स्टैंड से जेपी मार्केट होते हुए पूरे एचईसी नगर क्षेत्र में पदमार्च और मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

बाबूलाल मरांडी ने शासन व्यवस्था में सुधार की दी सलाह

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन को शासन व्यवस्था में सुधार और अपने कार्यकाल की परिस्थितियों पर गंभीरता से चिंतन करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती और जनहित में व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री मरांडी ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री को अपने कार्यकाल से जुड़े विभिन्न मामलों और उनसे उत्पन्न परिस्थितियों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने जमीन घोटाला, ईडी अधिकारियों से जुड़े मामले, शराब नीति, पत्थर घोटाला और पेपर लीक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों में अदालतों में विभिन्न स्तर पर गंभीर बातें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने विश्वस्त लोगों और अधिकारियों को भ्रष्टाचार से रोक सकते थे। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा प्रभावी तरीके से क्यों नहीं किया गया।

भाजपा की सह प्रभारी निवेदिता सिंह का स्वागत, जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा झारखंड प्रदेश की नव नियुक्त सह-प्रभारी एवं बिहार विधान परिषद की सदस्य निवेदिता सिंह के झारखंड आगमन पर पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने उनका शॉल ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के द्वारा उनका स्वागत करते हुए उन्हें नए दायित्व की बधाई देते हुए उनके सफल एवं मंगलमय प्रवास हेतु शुभकामनाएं दी गई। वहीं निवेदिता सिंह ने स्वागत के लिए पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी, प्रदेश मंत्री शालिनी बैसिखियार, मनीर उरांव, शैलेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक विरंची नारायण, हेमन्त दास, सूरज चौरसिया, प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, सीमा सिंह, सूरज शाहदेव, रमेश सिंह, वरुण साहू, माया सिंह सिसोदिया, निशि जायसवाल, राजू सिंह, जितेंद्र वर्मा, सुनील साहू, ऋषिकेश राणा, देवराज सिंह, दिनेश साहू, रंजीता सिंह, यश परमार सहित सैकड़ों की संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी उनका स्वागत किया।

बीआईटी मेसरा के 300 छात्रों ने 24 घंटे में सुलझाईं एआई चुनौतियां

एड्रोसोनिक बिल्ड में 21 टीमों ने दिखाई तकनीकी प्रतिभा

डीपफेक और बीमा धोखाधड़ी पर छात्रों ने तैयार किए एआई समाधान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीपफेक और बीमा क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी चुनौतियों के समाधान के लिए बीआईटी मेसरा के 300 से अधिक छात्र 24 घंटे की तकनीकी प्रतियोगिता 'एड्रोसोनिक बिल्ड' में शामिल हुए। एड्रोसोनिक की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में छात्रों ने जनरेटिव एआई, धोखाधड़ी की पहचान और बीमा विश्लेषण से जुड़ी वास्तविक उद्योग समस्याओं के समाधान तैयार किए।

प्रतियोगिता के लिए 106 से अधिक टीमों ने पंजीकरण कराया था। प्रत्येक टीम में करीब तीन छात्र थे। इनमें से 21 टीमों का चयन अंतिम चरण के लिए किया गया। 3 अक्टूबर से शुरू हुए 24 घंटे के निर्माण चरण में चयनित टीमों ने निर्धारित विषयों पर समाधान तैयार किए और उनका प्रदर्शन किया। 4 अक्टूबर को विजेता टीमों की घोषणा की गई।

प्रतियोगिता के तहत छात्रों ने जनरेटिव एआई के लिए अधिक सटीक सूचना खोज प्रणाली, कृत्रिम पहचान और डीपफेक के जरिए किए जाने वाले बीमा दावों में धोखाधड़ी की पहचान तथा बीमा कंपनियों के लिए एआई आधारित स्टेटमेंट ऑफ वैल्यूज विश्लेषण प्रणाली जैसे विषयों पर काम किया। एड्रोसोनिक और बीआईटी मेसरा के बीच उद्योग-शिक्षा सहयोग 2022 से जारी है। इसी क्रम में 2024 में बीआईटी मेसरा में डिजिटल इनोवेशन लैब स्थापित की गई, जिस पर करीब पांच करोड़ रुपये का निवेश किया गया। प्रयोगशाला में छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, बड़े भाषा मॉडल और डेटा साइंस जैसी तकनीकों पर काम करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

डिजिटल इनोवेशन लैब के प्रमुख एवं क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स एंड डेटा साइंस विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष कुमार पांडेय ने कहा कि चुनौती केवल ज्ञान की नहीं, बल्कि उसे वास्तविक और जटिल परिस्थितियों में लागू करने की है। वहीं एड्रोसोनिक के नवाचार प्रमुख कमलेश यादव ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक समस्याओं पर परखने का अवसर मिलता है। इससे टीमवर्क, समस्या समाधान और समाधान को लागू करने की क्षमता विकसित होती है। 'एड्रोसोनिक बिल्ड' का उद्घाटन 2 अक्टूबर को प्रो. विशाल एच. शाह, डॉ. मनीष कुमार पांडेय और डॉ. किशोर कुमार सिनापति की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर एड्रोसोनिक के नेतृत्वकर्ता और बीआईटी मेसरा के शिक्षक भी उपस्थित थे।

खेलकूद | राज्य स्तरीय खेलो झारखंड में एथलेटिक्स में हजारीबाग और लातेहार का दबदबा

हॉकी के बालक व बालिका दोनों वर्गों में सिमडेगा बना चैंपियन

- **राज्य स्तरीय अंडर-17 प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर किया गया सम्मानित**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से रांची के खेलगांव अभ्यास मैदान एवं मोरहाबादी स्थित हॉकी मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय खेलो झारखंड 2026-27 की दो दिवसीय अंडर-17 एथलेटिक्स एवं हॉकी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स के बालिका वर्ग में हजारीबाग और बालक वर्ग में लातेहार ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, हॉकी के बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में सिमडेगा की टीम विजेता बनी।

अंडर-17 बालिका एथलेटिक्स में हजारीबाग ने प्रथम, रांची ने द्वितीय और पश्चिमी सिंहभूम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में लातेहार ने पहला, साहिबगंज ने दूसरा और खूंटी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

अंडर-17 हॉकी बालिका वर्ग में सिमडेगा ने विजेता का खिताब जीता। रांची दूसरे और हजारीबाग तीसरे स्थान पर रहा। व्यक्तिगत पुरस्कारों में सिमडेगा की बर्टिला केरकेट्टा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, संदीपा कुमारी को प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तथा रांची की प्रीति बारला को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया। बालक वर्ग में भी सिमडेगा प्रथम, खूंटी द्वितीय और गुमला तृतीय स्थान पर रहा। व्यक्तिगत पुरस्कारों में हजारीबाग के रितेश टोपनो को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सिमडेगा के अनुकेत केरकेट्टा को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सिमडेगा के ऋषभ कुल्लू को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया।

मौके पर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने कहा कि राज्य स्तरीय खेलो झारखंड का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं, बल्कि विभिन्न जिलों में छिपी स्कूली खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर मंच, प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। एथलेटिक्स और हॉकी में खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा। सभी विजेता एवं उपविजेता जिलों की समग्र विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार एवं सम्मान राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग, झारखंड राज्य एथलेटिक्स संघ के महासचिव शिवकुमार पांडेय, हॉकी संघ के विजय शंकर सिंह और रजनीश कुमार ने प्रदान किए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी मनोज कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग सहित राज्य खेल कोषांग के सदस्यों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

दृष्टिपात

एमएमडीआर संशोधन कानून राज्यों के अधिकारों पर हमला : लाल किशोर नाथ

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने एमएमडीआर (खान एवं खनिज विकास और विनियमन) संशोधन कानून को संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार एक साजिश के तहत झारखंड की मंईयां सम्मान योजना समेत कई कल्याणकारी योजनाओं को बंद कराना चाहती है। शाहदेव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एमएमडीआर कानून में किए गए संशोधन राज्यों के अधिकारों पर सीधा हमला हैं। झारखंड जैसे खनिज संपदा से समृद्ध राज्य का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन केंद्र की नीतियों के कारण राज्य अपने जायज अधिकार और राजस्व से वंचित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार खनन क्षेत्रों का केंद्रीकरण कर राज्य सरकारों के अधिकार और नियंत्रण को कमजोर कर रही है। इससे संघीय ढांचा प्रभावित हो रहा है। संशोधन का उद्देश्य स्थानीय लोगों और जल-जंगल-जमीन की रक्षा करने के बजाय चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों और उद्योग घरानों को लाभ पहुंचाना है। कांग्रेस नेता ने कहा कि स्थानीय सहमति और पर्यावरणीय प्रभावों की पर्याप्त चिंता किए बिना कोयला और खनिज ब्लॉकों की नीलामी से आदिवासियों और मूलवासियों के विस्थापन का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों पर राज्य का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए से अधिक का रॉयल्टी बकाया है, लेकिन इसका भुगतान करने में आनाकानी की जा रही है। शाहदेव ने कहा कि भाजपा के झारखंड के नेता इस कानून के खिलाफ आवाज उठाने के बजाय दिल्ली में बैठे अपने नेताओं को खुश करने में लगे हैं। कांग्रेस झारखंड के संसाधनों की लूट और आदिवासी-मूलवासी अधिकारों के हनन के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी तथा केंद्र की खनन नीतियों का विरोध करेगी।

सरकारी अस्पतालों में दवा खरीद पर अजय साह ने उठाए सवाल

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने झारखंड के सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित बिहार, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जिन दवाओं की खरीद कम कीमत पर हो रही है, उन्हीं दवाओं के लिए झारखंड सरकार कई गुना अधिक राशि खर्च कर रही है। अजय साह ने उदाहरण देते हुए कहा कि एमोक्सिसिलिन 500 एमजी की खरीद बिहार में करीब 1.15 रुपये की दर से हो रही है, जबकि झारखंड में इसी दवा के लिए करीब 3.50 रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह 21 ग्राम ओआरएस की कीमत झारखंड में करीब 8.50 रुपये बताई जा रही है, जबकि अन्य राज्यों में इसकी खरीद कम दर पर हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले भी सरकारी अस्पतालों की टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठा चुकी है। आरोप है कि झारखंड के 11 सदर अस्पतालों के 11 टेंडर रांची के एक ही परिवार से जुड़ी फर्मों को दिए गए। इन टेंडरों में बाजार दर से कई गुना अधिक कीमत पर खरीद किए जाने के आरोप भी सामने आए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। एक ओर एम्बुलेंस व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए जरूरी दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले भी एक्सपायरी दवाओं और दवाओं के नष्ट किए जाने से संबंधित मामले सामने आते रहे हैं। अजय साह ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं की राजनीतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने टेंडर, एम्बुलेंस, मोतियाबिंद ऑपरेशन और दवा खरीद से जुड़े मामलों की जांच की मांग करते हुए मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए।

भाजपा नेताओं के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा द्वारा राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। श्री शाहदेव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी पर बीजेपी आदतन हमलावर रहती है । लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के बयानों पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं के पास न तो कोई ठोस मुद्दा बचा है और न ही वे तथ्यों की सही जानकारी रखते हैं। वे केवल जनता का ध्यान भटकाने के लिए मीडिया में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव झारखंड में दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की खरीद पूरी तरह से पारदर्शी और निर्धारित नियमों के तहत होती है। किसी भी दवा की दरें गुणवत्ता, पैकेजिंग, सप्लाई चेन और डिलीवरी शर्तों के आधार पर तय की जाती हैं। भाजपा शासित राज्यों के केवल चुनिंदा उदाहरणों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना पूरी तरह से हास्यास्पद है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा की आदत बन चुकी है कि जब भी उनके पास विकास और काम के नाम पर बोलने को कुछ नहीं होता, तो वे टेंडर और प्रक्रियाओं में भी धार्मिक और सांप्रदायिक कोण ढूंढने लगते हैं। किसी फर्म या परिवार के नाम पर अनर्गल आरोप लगाना उनकी नकारात्मक मानसिकता को दर्शाता है।

पेज एक के शेष

प्रतिभा से खिलाड़ियों ने...

मुख्यमंत्री का खिलाड़ियों के प्रति व्यवहार आत्मीय और एक अभिभावक जैसा रहा। उन्होंने चारों खिलाड़ियों के परिवार और उनकी खेल यात्रा के बारे में भी जानकारी ली तथा उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। इससे पहले, जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम को 44 वर्षों बाद स्वर्ण पदक दिलाने वाली झारखंड की चारों बेटियां रविवार को रांची लौटीं। भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग का बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर खेलप्रेमियों और समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। मौके पर खिलाड़ियों के साथ हॉकी झारखंड के डीजी विजय शंकर सिंह, महासचिव मनोज कोनबेगी, अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कोच एवं सीईओ झारखंड रजनीश कुमार एवं जेनरल सेक्रेटरी मनोज कुमार प्रसाद भी उपस्थित थे।

चुनाव आयोग के...

डॉ अजय कुमार का दावा है कि इसके चलते बिना पर्याप्त भौतिक सत्यापन के बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। पूर्व सांसद ने इस पूरे मामले को चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए डिजिटल साक्ष्यों, इलेक्ट्रॉनिक लॉग और अन्य ऑडिट रिकॉर्ड को तत्काल सुरक्षित रखने की मांग की है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की भी मांग की है। शिकायत में उन्होंने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318, 336 और 340 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 72 और 72ए के तहत कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, ईआरओ के अधिकारों में कथित कटौती, वोटर रजिस्ट्रेशन सिस्टम में बदलाव और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड से संभावित छेड़छाड़ की आशंका की जांच की मांग की है। इधर, रविवार को गोलमुरी थाना प्रभारी प्रशांत कुमार ने कहा कि पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार की ओर से लिखित शिकायत मिली है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

कार्यकर्ता संवाद से...

कार्यक्रम में अनुमंडल सांसद प्रतिनिधि संजय कुमार जायसवाल, मंडल सांसद प्रतिनिधि भुनेश्वर सिंह, हिंदू महासभा अध्यक्ष मनोज कुमार जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार जायसवाल, प्रशांत सिंह, आनंद किशोर, नाथ शाह, मोहन यादव, संजय राय, दिलीप प्रसाद और रामकुमार जायसवाल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। कुरुनद घाटी में स्वागत के बाद नेताओं ने स्थानीय कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान संगठन की गतिविधियों और क्षेत्र में पार्टी की सक्रियता को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद भी हुआ।

277 कराटे खिलाड़ियों का बेल्ट ग्रेडेशन, उत्कृष्ट खिलाड़ियों को किया सम्मानित

शोतोकान कराटे-डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

- रातू रोड स्थित श्री अरविंदो सोसाइटी कराटे केंद्र में विशेष कराटे प्रशिक्षण शिविर
- फेडरेशन के मुख्य प्रशिक्षक हंसी मानस सिन्हा ने शिविर का नेतृत्व किया
- सफेद से भूरे बेल्ट तक के खिलाड़ियों का परीक्षण व ग्रेडेशन

रांची। शोतोकान कराटे-डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में रातू रोड स्थित श्री अरविंदो सोसाइटी कराटे केंद्र में एक दिवसीय विशेष कराटे प्रशिक्षण सह बेल्ट ग्रेडेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व फेडरेशन के मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवं मुख्य तकनीकी निदेशक हंसी मानस सिन्हा ने किया। उन्होंने सफेद बेल्ट से भूरे बेल्ट तक के कराटे खिलाड़ियों का परीक्षण कर ग्रेडेशन किया। शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 277 कराटे खिलाड़ियों को ग्रेडेशन में उत्तीर्ण घोषित किया गया और उन्हें औपचारिक रूप से बेल्ट प्रदान किए गए।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ियों को श्री अरविंदो सोसाइटी हेसल शाखा के सचिव रमेश भाई ने पदक पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित खिलाड़ियों में अभया श्रेष्ठ, आदित्या राज, अस्तुति कुमारी, अविषा चौधरी, श्लोक कुमार राऊथ, श्रृष्ठी कुमारी, सुषमा कुमारी, डॉल्सी प्रिया, अव्यान मिश्रा, इशिता चन्द्रा, राधे राम, अपूर्व वर्मा, पलक गोयंका, श्रेया, महिमा कुमारी, राजेश कुमार, श्रद्धा सोनी, भव्या राज, कनक सिंह, हर्ष कुमार, दीपिका महतो, आशिवि कपूर, अभिनव सिंह, श्रेया चौधरी, आरोही शर्मा, ब्रिजय राज, दीप लक्ष्मी प्रजापती, श्रेया डे और आर्यन कुमार लोहरा शामिल हैं। शिविर के संचालन और बेल्ट ग्रेडेशन में शिहान रीतेश कुमार बॉबी, सेंशी संजय कुमार, शिहान संजय मिश्रा, शिहान राज किशोर, राम कृष्णा साव, उमेश रजक, नंद किशोर महतो, संजीव सिन्हा, मनीष कुमार एवं संदीप यादव का विशेष योगदान रहा।

एशियन गेम्स की चैंपियन बेटियों के स्वागत में झूमा झारखंड

ढोल-नगाड़ों से गूंजा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, सलीमा, निक्की, ब्यूटी और दीपिका का हुआ भव्य अभिनंदन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से हराकर 44 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में झारखंड की चार बेटियों का अहम योगदान रहा। स्वर्ण पदक विजेता टीम की कप्तान झारखंड की सलीमा टेटे के साथ ओलंपियन निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग और युवा स्टार दीपिका सोरेंग रविवार को अपने गृह राज्य झारखंड की राजधानी रांची पहुंचीं। जापान से बेंगलुरु होते हुए रांची पहुंचीं चारों चैंपियन खिलाड़ियों के स्वागत के लिए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हॉकी झारखंड के पदाधिकारी, खिलाड़ी, प्रशिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी ढोल-नगाड़ों के साथ मौजूद थे। जैसे ही चारों खिलाड़ी एयरपोर्ट से बाहर निकलीं, पूरा परिसर ढोल-नगाड़ों की गूंज से झूम उठा। खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों ने हॉकी स्टिक उठाकर तथा फूल-मालाओं के साथ अपनी चैंपियन बेटियों का जोरदार स्वागत किया। सबसे भावुक क्षण उस समय देखने को मिला, जब चारों खिलाड़ियों ने अपने माता-पिता और परिजनों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों ने चारों खिलाड़ियों को फूल-मालाएं पहनाकर, पुष्पगुच्छ देकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस दौरान पूरा एयरपोर्ट परिसर 'भारत माता की जय', 'झारखंड की बेटियां जिंदाबाद' और भारतीय हॉकी के जयघोष से गूंजता रहा।

स्वागत समारोह में हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज कोनबेगी, कोषाध्यक्ष अस्रिता लकड़ा, महानिदेशक विजय शंकर सिंह, एसोसिएट उपाध्यक्ष माइकल लाल, संयुक्त सचिव दुलारी टोपनो, झारखंड राज्य कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार, दक्षिण पूर्व रेलवे खेल संघ के प्रशांत मुखर्जी, झारखंड की पहली अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सावित्री पूर्ति, सुमराय टेटे, हॉकी सिमडेगा के कमलेश्वर मांझी, हॉकी खूंटी के दशरथ महतो, भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्व प्रशिक्षक विश्वनाथ सिंह, हॉकी प्रशिक्षक करुणा पूर्ति, शिक्षा विभाग के चंद्रदेव सिंह सहित चारों खिलाड़ियों के परिजन, सैकड़ों हॉकी खिलाड़ी और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे। 44 वर्षों बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक दिलाने वाली झारखंड की इन चार बेटियों का स्वागत केवल खिलाड़ियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि झारखंड की समृद्ध हॉकी संस्कृति, संघर्ष और उस परंपरा का सम्मान भी रहा, जिसने देश को लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर के सितारे दिए हैं।

'ओलंपिक के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से तैयारी का समय मिलता है', गोल्ड मेडल जीतने के बाद बोले मनप्रीत

काकामिगाहारा। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक 2028 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से भारतीय टीम को लॉस एंजिल्स गेम्स से पहले तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। शनिवार को काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मलेशिया पर शानदार 5-1 से जीत के साथ एशियन गेम्स 2026 का गोल्ड मेडल बरकरार रखते हुए भारतीय पुरुष टीम ने ओलंपिक का टिकट हासिल किया। तीन एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले एकमात्र भारतीय हॉकी खिलाड़ी बने मनप्रीत ने इस बात पर जोर दिया कि इस जीत का महत्व एशियन गेम्स की कामयाबी से कहीं ज्यादा है। गोल्ड मेडल जीतने के बाद मनप्रीत ने 'आईएएनएस' से कहा, "एशियाई खेल हमारे लिए एक अहम टूर्नामेंट था। हमने लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसी वजह से हमें क्वालिफायर राउंड नहीं खेलना होगा और हम खुद पर और उन चीजों पर काम कर सकते हैं जिन पर सुधार की जरूरत है। एशियन गेम्स 2023 में जीत के बाद भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया था। इससे भी भारतीय टीम को तैयारी के लिए कुछ समय मिला और टोक्यो गेम्स 2021 में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद वे एक और ब्रॉन्ज मेडल के साथ लौटे। भारत एकमात्र ऐसी टीम थी जिसने टोक्यो और पेरिस ओलंपिक दोनों में मेडल जीता, जबकि बाकी दो मेडल जीतने वाली टीमें दोनों संस्करणों में अलग-अलग थीं। अगस्त में वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद मिली यह जीत भारत के लिए एक बड़ा सहारा भी है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए। पुरुष टीम ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड जीता जबकि महिला टीम ने भी इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में गोल्ड जीतकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में सीधी जगह पक्की कर ली। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली टीम ने एशियन गेम्स के फाइनल में मौजूदा ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन को 1-0 से हराया। यह पहली बार था जब भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने एक ही एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीता। 1982 के खेलों में मिली जीत के बाद, इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारतीय महिला टीम का यह केवल दूसरा गोल्ड मेडल था।

पीएम मोदी ने पहलवान अंतिम पंघाल व महिला गोल्फ टीम को सिल्वर जीतने पर दी बधाई

एजंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन गेम्स 2026 में शनिवार को कुश्ती में सिल्वर मेडल जीतने वाली अंतिम पंघाल और महिला टीम गोल्फ इवेंट में सिल्वर जीतने वाली अदिति अशोक, प्रणवी शरथ उर्स और दीक्षा डागर को बधाई दी है। पीएमओ ने रविवार को पीएम मोदी के हवाले से अंतिम पंघाल को एक्स पर बधाई देते हुए लिखा, "एशियन गेम्स में अंतिम पंघाल का सिल्वर मेडल सच में बहुत अच्छा था। महिलाओं के 53 किग्रा फ्रीस्टाइल रेसलिंग इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के लिए उन्हें बधाई।

उम्मीद है कि वह देश का नाम रोशन करती रहेंगी और दूसरे एथलीटों को प्रेरित करेंगी।"

पीएमओ ने महिला टीम गोल्फ इवेंट में सिल्वर जीतने वाली खिलाड़ियों को पीएम की तरफ से बधाई देते हुए लिखा, "एशियन गेम्स 2026 में महिला टीम गोल्फ इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर अदिति अशोक, प्रणवी शरथ उर्स और दीक्षा डागर को बधाई। यह सफलता खेल के लिए उनके पक्के इरादे और जुनून को दिखाती है। उम्मीद है कि वे आने वाले समय में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूती रहेंगी।

एशियन गेम्स स्वर्ण विजेता प्रणवी को 10 लाख, रजत विजेताओं को 3 लाख

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) की गवर्निंग काउंसिल ने आइची-नागोया एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड जीतने के लिए प्रणवी उर्स को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसके अलावा, सिल्वर जीतने वाली महिला गोल्फ टीम के प्रत्येक सदस्य को 3-3 लाख रुपये दिए जाएंगे। महिला टीम में प्रणवी के साथ ओलंपियन अदिति अशोक और दीक्षा डागर शामिल हैं। आईजीयू के प्रेसिडेंट ब्रिजिंदर सिंह ने प्रणवी उर्स को बधाई देते हुए कहा, "आपका शानदार प्रदर्शन इंडियन गोल्फ और इंडियन गोल्फ यूनियन में हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है। एशियन गेम्स में गोल्ड जीतना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह आपके टैलेंट, कड़ी मेहनत, पक्के इरादे और खेल के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा, "इंडियन गोल्फ यूनियन की ओर से, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गवर्निंग काउंसिल ने आपके गोल्ड मेडल जीतने वाले प्रदर्शन के लिए 10 लाख रुपये के कैश अवॉर्ड को मंजूरी दी है। इसके अलावा, आईजीयू ने महिला गोल्फ टीम के हर सदस्य को उनके सिल्वर मेडल के लिए 3 लाख रुपये देने की घोषणा की है। ब्रिजिंदर सिंह ने कहा, "ये अवॉर्ड आपके शानदार योगदान और इंडियन गोल्फ को बड़ा सम्मान दिलाने के लिए हमारी सराहना का एक छोटा सा तरीका है।

जापान में दमदार प्रदर्शन कर स्वदेश लौटे भारतीय मुक्केबाज कहा- पदक तालिका में अपना योगदान देख अच्छा लग रहा है

एजंसी । नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने 3 स्वर्ण और 3 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजी दल स्वदेश लौट आया है। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमें इसे आगे जारी रखना है। एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौटे भारतीय मुक्केबाजों और बीएफआई के प्रेसिडेंट ने आईएएनएस से खास बातचीत में जापान के आइची-नागोया में आयोजित 20वें गेम्स में हासिल की गई अपनी उपलब्धियों पर बात की। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के प्रेसिडेंट अजय सिंह ने आईएएनएस से कहा, "यह बहुत गर्व की बात है। हमें लगता है कि भारत इस बार एशियन गेम्स में उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और चीन से आगे नंबर वन पर आया, जिन्हें बॉक्सिंग में बड़ी ताकत माना जाता है। इसलिए, टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, और यह बहुत गर्व की बात है। हमें अति आत्मविश्वास का शिकार नहीं होना है और भविष्य में अपनी कमियों को दूर करने पर काम करना है। उन्होंने कहा, "पहले कहा जाता था कि भारत सिर्फ लाइट वेट में अच्छा प्रदर्शन करता है, हैवी वेट में नहीं करता।

रांची जिला क्रिकेट संघ ने नए सत्र की तैयारियां तेज की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला क्रिकेट संघ की कार्यकारिणी समिति की बैठक संघ के अध्यक्ष अविनाश कुमार की अध्यक्षता में तीन सितंबर 2026 को जेएससीए स्टेडियम स्थित संघ कार्यालय में हुई। बैठक में नए सत्र की शुरुआत की तैयारियों के साथ पिछले सत्र में आयोजित प्रतियोगिताओं की समीक्षा की गई। बैठक में क्लब, विद्यालय एवं क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ियों के पंजीयन की तिथि 11 से 25 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई। खिलाड़ियों का पंजीयन रांची जिला क्रिकेट संघ के कार्यालय में होगा। विलंब शुल्क के साथ पंजीयन प्रपत्र 31 अक्टूबर तक जमा किया जा सकेगा। विलंब शुल्क पंजीयन शुल्क के अतिरिक्त उसकी आधी राशि के बराबर देय होगा। बैठक में जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व सचिव शैलेन्द्र कुमार एवं पूर्व कोषाध्यक्ष सौमित्र पटनायक को दोषमुक्त करने का निर्णय लिया गया। वहीं कार्यकारी कोषाध्यक्ष अंजना दुबे के निजी कारणों से इस्तीफा देने के बाद सहायक सचिव सुनील पाल को कार्यकारी कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष राजू शर्मा, उपाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, सुनील कुमार, विभूति भूषण प्रसाद अमर, कार्यकारी सचिव शम्भु शरण सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्य चंचल भट्टाचार्य, सुरेश कुमार, अनवर मुस्तफा, मुजफर अली, मोहम्मद उजैर, सहायक सचिव सुनील पाल, नंदजी पांडे और माणिक घोष उपस्थित थे।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सतत विकास, बेहतर शिक्षा व मुक्त व्यापार से वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा भारत

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक अर्थशास्त्रियों ने शनिवार को भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए सतत विकास, शिक्षा, मुक्त व्यापार और आय-आधारित कराधान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये कारक भारत को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने में मदद कर सकते हैं। 5वें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी 2026) के साइडलाइन आईएएनएस से बातचीत में स्वीडिश अर्थशास्त्री डेनियल वाल्डेनस्ट्रॉम ने कहा कि भारत ने विकासोन्मुख नीतियों के जरिए प्रभावशाली प्रगति की है और वह आर्थिक विस्तार को व्यापक सामाजिक लाभ में बदलने की अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा, "तेजी से अपनी अर्थव्यवस्था का विस्तार करने के मामले में भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। विकास पर ध्यान देना बहुत सकारात्मक रहा है और इससे शिक्षा, बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वाल्डेनस्ट्रॉम ने कहा कि नीति-निर्माताओं को संपत्ति की असमानता की तुलना में आय की असमानता पर अधिक ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आय का स्तर गरीबी और आर्थिक अवसरों की बेहतर तस्वीर पेश करता है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों की बढ़ती संपत्ति अकसर एक बढ़ती हुई और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था का संकेत हो सकती है। कराधान के मुद्दे पर उन्होंने संपत्ति या विरासत कर पर निर्भर रहने के बजाय पूंजीगत आय पर कर लगाने की वकालत की। इसमें कॉरपोरेट मुनाफा, लाभांश और ब्याज से होने वाली आय शामिल है। उन्होंने कहा कि कई ओईसीडी देश धीरे-धीरे संपत्ति और विरासत करों से दूर हुए हैं। यूरोपीय केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष और बैंक ऑफ फ्रांस के पूर्व गवर्नर ज्यां-क्लोद त्रिशे के अनुसार, भारत उस दिशा में "बहुत प्रभावशाली तरीके से" आगे बढ़ रहा है, जो भारत की स्वाभाविक दिशा है और जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक है। उन्होंने कहा, "निश्चित रूप से भारत दो प्रमुख उभरते देशों में से एक है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय में एक अग्रणी देश भी है। इसलिए मैं भारत को इसी दिशा में आगे बढ़ते रहने और बड़ी सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। इस बीच, फ्रांसीसी अर्थशास्त्री ज्यां-पियरे लांदू ने भारत-फ्रांस के बीच बढ़ती साझेदारी की सराहना की और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला देश बताया। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ते संरक्षणवाद के बावजूद एशिया में व्यापार और निवेश मजबूत बने हुए हैं। लांदू ने आईएएनएस से कहा, "हम एक चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल का सामना कर रहे हैं, लेकिन इस समय दुनिया की समस्याओं को हल करने की कोशिश में भारत एक प्रमुख, बल्कि सबसे प्रमुख देशों में से एक है। इसके अलावा, चीन के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर झांग लीकिंग ने भारतीय अर्थव्यवस्था को "काफी गतिशील और काफी मजबूत" बताया। झांग ने कहा, "मेरा मानना है कि अब यह वैश्विक आर्थिक विकास के प्रमुख आकर्षणों में से एक बन गई है। इसलिए मैं भारत की अर्थव्यवस्था के सतत विकास और विश्व अर्थव्यवस्था में उसके बड़े योगदान की उम्मीद करता हूं।

आरबीआई की एमपीसी बैठक से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आसार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक अगले हफ्ते होने वाली है। बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है। पहले दिसंबर में बढ़ोतरी की उम्मीद थी लेकिन अब इसे अक्टूबर में ही शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) के मुताबिक, बढ़ती ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और चौतरफा महंगाई के दबाव के कारण अक्टूबर में 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की बढ़ोतरी संभव है जबकि पहले यह दिसंबर में अनुमानित थी। बीओएफए ने कहा, "लगभग दो साल की मौद्रिक नरमी के बाद, आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में नीतिगत समर्थन वापस लेने के शुरुआती कदम उठाने के लिए तैयार दिख रहा है। ऐसे में हमें लगता है कि आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में 25बीपीएस की दर से बढ़ोतरी करेगा। एसबीआई रिसर्च ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय 25-बीपीएस की दर से बढ़ोतरी का जोखिम काफी बढ़ गया है। महंगाई का दायरा बढ़ना, वैश्विक हालात बिगड़ना, लिक्विडिटी की स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों का दोबारा मूल्यांकन, पहले से कार्रवाई करने की जरूरत को मजबूत कर रहा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला लिया जाएगा।

भारत पर बढ़ा वैश्विक भरोसा, मजबूत बुनियादी ढांचा और विकास क्षमता बन रही निवेशकों की पहली पसंद

एजेंसी । नई दिल्ली

कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में दुनिया भर से आए अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में भारत की विकास संभावनाओं, वैश्विक व्यापार व्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वीडिश अर्थशास्त्री एरिक बर्गलोफ ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि वह इस सम्मेलन से इसकी शुरुआत से जुड़े रहे हैं और समय के साथ इसकी गुणवत्ता तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक देशों और प्रतिनिधियों की भागीदारी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां अत्यधिक अनिश्चित हैं और इसी संदर्भ में सम्मेलन की चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े जोखिमों के बीच अर्थव्यवस्थाओं को अधिक लचीला और सक्षम बनाने पर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। एरिक बर्गलोफ ने आईएएनएस से कहा, "भारत की विकास संभावनाएं मजबूत हैं और कोविड-19 के बाद देश ने प्रभावशाली आर्थिक गति हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की क्षमता बनी हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने आम लोगों और कारोबारों को राहत देने के प्रयास किए हैं, लेकिन इससे राजकोषीय दबाव भी बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बीच विकास गति बनाए रखना नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है।